Annual Magazine

Released By

HWSTVAPS-Savidya

On The Occasion Of

National Science Day (28 Feb 2012)

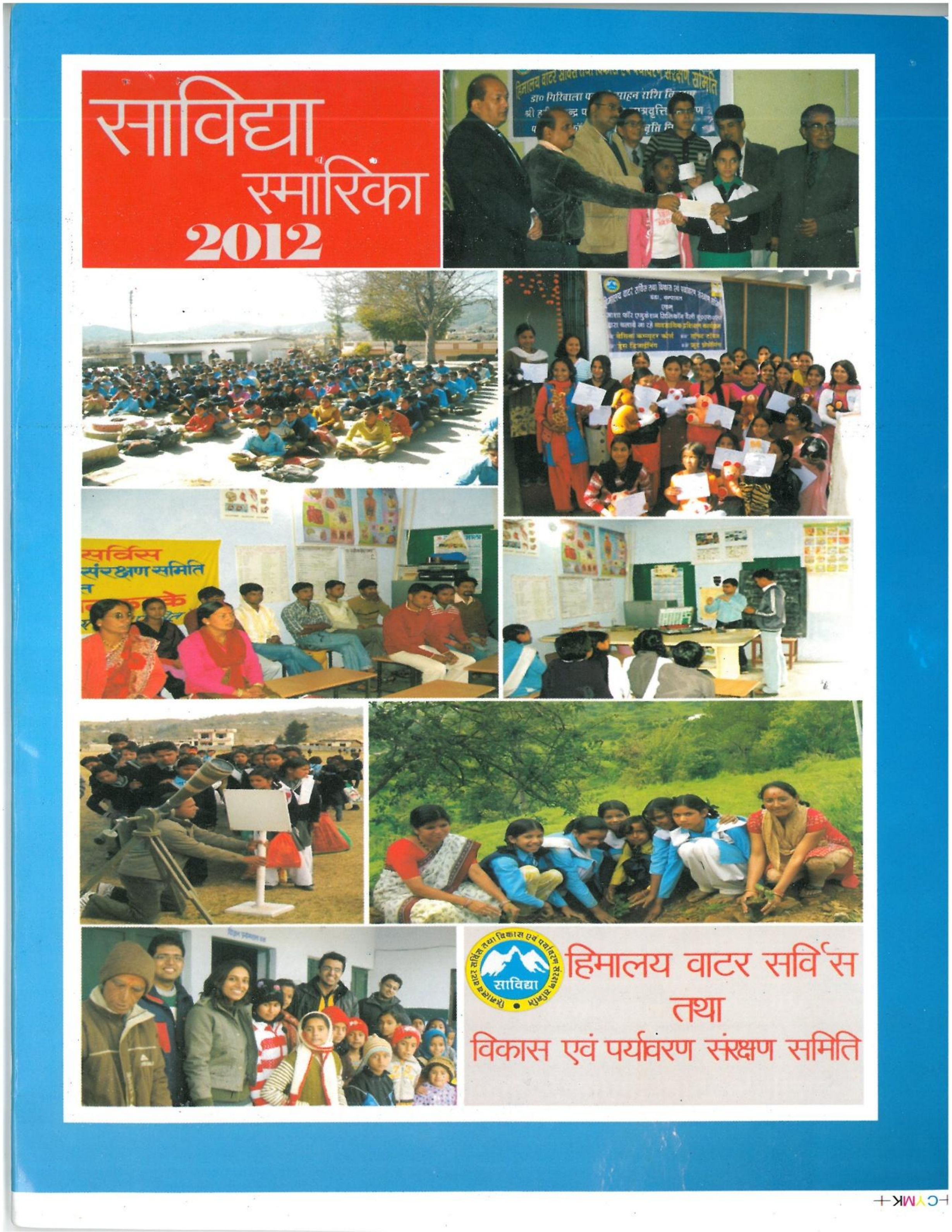

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति

अनुक्रमणिका

समिति	क्र0	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
अध्यक्ष डा0के.के.पाण्डे	1	संदेश, संक्षिप्त इतिवृत्त, आदर्श विद्यालय, सर्वशिक्षा, राष्ट्रीय पर्व, नौलेज क्लब, सपनों की उड़ान।	4-21
सचिव डा0एचं.डी.बिष्ट कार्यालय 14/35 जी0 वी0 पन्त माग हल्द्वानी 263141 दूरभा I 05946–221882	2	संस्था की विशिष्ट उपलब्धि, नक्षत्र वाटिका, ज्ञान विज्ञान केन्द्र, आगन्तुओं के विचार।	22-18
सम्पादक मण्डल श्री एच0.डी0.बिष्ट श्री बी.डी.गुरूरानी श्री आर.डी.जोशी	3	चकीय पुस्तकालय, साइंस रिसोर्स सेण्टर, स्वयं सेवकों का विवरण।	29-30
छायांकन व साज सज्ज श्री गणेश पन्त श्री आर.के.पन्त	4	शिक्षक प्रशिक्षण, रोजगार प्रशिक्षण, सिद्ध जागरण सेवा, विश्व पर्यावरण सप्ताह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस।	31-38
	5	कोलाज (अखबारों से)	39
वित्त प्रबन्धन डा0 जी0.वी0.बिष्ट	6	अन्य कार्यकम, छात्रवृत्तियॉ, एस0 एस0 एफ0, आशा फॉर एजूकेशन,	40-42
	7	फोटो पृष्ठ	43-46
कार्यकम प्रबन्धन डा0 एच0डी0बिष्ट टाइपिंग	8	प्राथमिक शिक्षा, सवाल भाषा और माध्यम का, सर्वशिक्षा अभियान, प्रतिकियाऍ, योगः कर्मषु कौशलम् , हमारा चम्पावत	47-59
हिमॉशु अधिकारी	9	हिमवत्स– कार्यकारिणी सदस्य	60
आवरण पृष्ठ बॉये से दॉये ऊपर से नीचे कुलपति कु0 वि0 वि0 द्वारा एफ. एफ. ई. एवं गिरिवाला पन्त छात्र वृत्ति–वितरण, विज्ञान दिवस पर प्रा0 वि0 खर्ककाकी प्रशिक्षणार्थी रोजगार परक शिक्षा समिति के शिक्षकों का प्रशिक्षण, विज्ञान केन्द्र गोरल चौड़ मैदान में एरीज का टैलीस्कोप नक्षत्र वाटिका वृक्षारोपण, एम. एम. आई. एम. एस. के छात्र प्रा0 वि0 कुलेठी में	10	Invited Talks During World Environment week seminar (i)The sun and Soler Activity, (ii) Fifty Glorious years of lasers, (iii) Introduction of Earth Atmosphere, (iv) Cancer a Dreadful Disease.	67-76

सम्पादकीय

विज्ञान एवं प्राद्योगिकी पर आधारित वर्तमान युग में शिक्षा ही एक ऐसा साधन है जो समाज की सम्पन्नता, समृद्धि एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करता है। वस्तुतः स्कूल और कालेजों से निकालने वाले छात्रों की संख्या और गुणों पर ही राष्ट्र का पुनर्निमाण निर्भर है। 1966 में शिक्षा और राष्ट्रीय प्रगति शीर्षक से प्रकाशित शिक्षा आयोग के प्रतिवेदन में उक्त आशय का विचार व्यक्त किया गया था। यह बात 45 वर्ष पूर्व की है। इस दीर्घ कालीन अन्तराल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व बड़ी तीव्र और अलौकिक गति से आगे बढा है। अपने देश में भी कतिपय प्रौद्योगिकी संस्थानो से निकलने वाली विलक्षण प्रतिभाओं ने विश्व में अपनी योग्यता का जलवा दिखाया है तथापि शिक्षा के प्रचार–प्रसार के समग्र विश्लेषण से निर्गत तथ्य शिक्षा के गुणात्मक स्वरूप पर प्रश्न चिह्न खड़ा करते हैं।

निःसन्देह शिक्षा की सुनिश्चित राष्ट्रीय नीति निर्धारित न होने से हम शिक्षा के उस महत्तम लक्ष्य को प्राप्त करने में पीछे रहे जिसकी राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में आवश्यकता थी। राष्ट्र की सर्वोच्चता और व्यक्तित्व की पूर्णता की ओर शिक्षा के नियन्ताओं का ध्यान ही कदाचित न रहा हो। अन्यथा विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र में अपेक्षोकृत अधिक प्रगति के अलावा हम लोक कल्याणकारी राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप सामाजिक एवं आर्थिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत आगे होते। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में चीन हमसे आगे बड रहा है। दक्षिण कोरिया जैसे छोटे देशों ने विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। हमारे सामाजिक जीवन में शुचिता का अभाव है। फलस्वरूप असंतोष एव विद्रोह की गूँज व्यक्ति के सुख चैन पर हावी है। अभिलषित राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए अच्छी शिक्षा–यवस्था और अच्छे नियोजन की आवश्यकता है। साविद्या इस दिशा में विगत कई वर्षो से प्रयासरत है।

भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0 पी0 जे0 अब्दुलकलाम ने विजन 2020 तक विश्व में भारत की सर्वोच्चता का जो स्वप्न देखा है उसे साकार स्वरूप प्रदान करने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका है। देश की आबादी में 60% फीसदी से भी अधिक युवाशक्ति को रचनात्मक दिशा प्रदान करने में हम सभी के रचनात्मक योगदान की आवश्यकता है। बच्चों की रचनात्मिका शक्ति को विकसित करना, उन्हें आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना व आचरण की पवित्रता का आदर्श प्रस्तुत करना शिक्षा नीति का यथार्थ होना चाहिए। बच्चों में राष्ट्रीय चेतना जगाना और उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान प्रदान करना भी विद्यालयीय शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। साविद्या इन लक्षों के अनुरूप सतत जागरूक है एवं तदनुरूप प्रयास करती हैं।

बच्चों को राष्ट्रीय अस्मिता की संकल्पना के अनुरूप व्यक्तित्व निर्माण की कसौटी में ढालना शिक्षा का ध्येय होना चाहिए। शिक्षा आयोग (1964–66) के अध्यक्ष प्रसिद्व भौतिक विज्ञानी डॉ0 दौलत सिंह कोठारी ने अस्सी के दशक में इस परिप्रेक्ष्य में अपनी भावना व्यक्त की थी कि यदि आज उन्हें अपना प्रतिवेदन व्यक्त करना होता तो वह उसे 'चरित्र निर्माण के लिए शिक्षा' शीर्षक से अभिव्यक्त करते।

अस्तु साविद्या स्मारिका के प्रस्तुत अंक में उक्त विचारों के अनुरूप आदर्श विद्यालय की संकल्पना पर आधारित राष्ट्रीय और सामाजिक सरोकारों को सामने रखकर छात्र–छात्राओं के सर्वागीण विकास की आधार शिला का क्रियात्मक स्वरूप पाठकों के सामने रखने का प्रयास किया गया है। रचनात्मक क्षेत्र में उनकी गति विधियों की झलक प्रस्तुत की गई है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण की वृद्धि का उल्लेख किया गया है।

विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में कार्यरत वैज्ञानिकों एवं शिक्षा शास्त्रियों ने अपने अभिमत एवं शुभकामना जन्य संदेशों द्वारा हमारा उक्त कार्य में उत्साह वर्द्धन किया है। साविद्या परिवार इसके लिए उन सबका आभारी है। उन सभी दानदाताओं एवं विज्ञापन के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले महानुभावों सहयोगियो व कार्यरत शिक्षकों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए साविद्या स्मारिका का प्रस्तुत अंक पाठकों को समर्पित करते हैं तथा हम उनका अभिमत भी आमंत्रित करते हैं।

सम्पादक मण्डल

डा0 बी0 एस बिष्ट गोविन्द बल्लभ पंत
कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर – 263145
जिला – ऊधमसिह नगर(उत्तराखण्ड)

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, चम्पावत द्वारा 28 फरवरी 2012 को चम्पावत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जा रहा है तथा इस अवसर पर 'रोल ऑफ कैमिस्ट्री फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट एण्ड यूटीलाइजेशन ऑफ फॉरेस्ट इकोसिस्टम' विषय पर एक दो–दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र व विद्यार्थियों के हितार्थ किये जा रहे प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय हैं जिनसे न केवल क्षेत्र का विकास हो रहा है अपितु विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि संस्था द्वारा अंगीकृत विद्यालयों के विद्यार्थी अपनी विद्यालयी शिक्षा पूर्ण कर गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में भी प्रवेश प्राप्त करेंगे तथा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र व कृषि के उत्थान में विश्वविद्यालय का सहयोग करेंगे।

मैं संस्था द्वारा मनाये जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व इस अवसर पर आयोजित होने वाली कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूँ साथ ही संस्था की साविद्या स्मारिका के पाँचवे संस्करण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(बी.एस. बिष्ट कुलपति)

Ph. Off.: 05944-233333 Fax: 05944-233500M
Website: www.gbpuat.ac.in
E-mail: vc@gbpust.ernet.in

वी0पी0एस0 अरोरा
कुलपति
कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल

संदेश

मुझे यह जानकरअत्यन्त हष हा रहा है कि संस्था साविद्या का पॉचवा अंक शीघ्र प्रकाशित किया जा रहा है तथा यह संस्था विशेष रूप से चम्पावत जनपद के गामीण क्षेत्र एवं हल्द्वानी के पिछडे वर्ग के छात्र/छात्राओं के चतुर्मुखी विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील है। स्थानीय शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों, सेवानिवृत्त वरिष्ठ शक्षाविदों, अनुभवी अभिभावकों का सहयोग लेकर कार्य कर रही संस्था द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति अत्यन्त प्रशंसनीय है। यह वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सेवा का अनूठा उदाहरण है तथा उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यकम को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। मैं सृजनशील बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने हेतु साविद्या स्मारिका 2012 के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित

(वी0पी0एस0 अरोरा)

कार्या:– 05942–235068, आवास:– 5942–236855
फैक्स :– 05942–235576,
E-mail :- vpsarora@gmail.com

विनय कुमार पाठक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
ऊँचापुल हल्द्वानी (नैनीताल)
उत्तराखण्ड भारत

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई है कि **हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति** ग्राम डड़ा, चम्पावत, प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन करती है तथा इस वर्ष समिति द्वारा Role of Chemistry for sustainable development and utilization of forest Eco- system विषय पर एक द्वि–दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है साथ ही संस्थान की स्मारिका **सावित्रा** का पांचवा अंक भी प्रकाशित किया जा रहा है। संस्था के सचिव **डा0 एच.डी.बिष्ट** से मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई है कि उनकी संस्था विशेष रूप से चम्पावत जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों व हल्द्वानीवासी पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास हेतु प्रयासरत है। संस्था द्वारा अंगीकृत विद्यालयों के जरूरतमंद विद्यार्थियों को जहां एक ओर छात्रवृत्ति दी जा रही है वहीं दूसरी ओर उन्हें विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

शिक्षाविदों का सेवानिवृत्ति के बाद अपने गांवों में जाकर बच्चों, किशोरों, युवक–युवतियों के चहुंमुखी विकास व वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग हेतु अपना समय, संसाधन व मार्गदर्शन उपलब्ध कराना तथा सबको सम्मिलित कर राष्ट्रीय विकास व एकता के प्रति समर्पित होना सराहनीय व प्रेरणाप्रद कार्य है। मैं **डा0 एच.डी.बिष्ट** तथा उनके सहयोगी महानुभावों की तथा वहां की जनता की ऐसे पुनीत कार्य में संलग्न होने के लिए हार्दिक सराहना करते हुए उन्हें बधाई देता हूँ तथा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा आयोजित द्वि–दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

किसी भी बड़े आयोजन के अवसर पर जब बुद्धिजीवी प्रतिभागियों को कुछ लिखित सामग्री पढ़ने को मिल जाती है तो उन्हें बड़ी प्रसन्नता होती है। मुझे खुशी है कि इस अवसर पर संस्था द्वारा अपनी स्मारिका **सावित्रा** का पांचवां संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है। इस प्रकाशन से जुड़े सभी विद्वानों के साथ ही स्मारिका के सुधी पाठकों को मेरी तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिवार की हार्दिक शुभकामनाऍं।

(विनय कुमार पाठक कुलपति)

Uchapul, Haldwani- 263139 (Nainital)
Ph. 05946-263014 Fax: 05946-262032
Website: www.uou.ac.in,
E-mail: vpathak@uou.ac.in

प्रेमा पाण्डेय,
अध्यक्ष जिला पंचायत,
मांदली चम्पावत
(उत्तराखण्ड)

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, ग्राम डड़ा चम्पावत द्वारा "सावित्रा" नामक स्मारिका का पॉचवा अंक 2012 का प्रकाशन किया जा रहा है। संस्था द्वारा जनपद चम्पावत में जनहित एवं विकास के अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं जो वास्तव में सराहनीय हैं। संस्था द्वारा पर्यावरण जनसहयोग, समाज सुधार तथा अंगीकृत विधालयों के रूप में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। मैं इस संस्था द्वारा किये जा रहे कार्य कलापों, प्रयासों की सराहना करती हूँ।

मैं "सावित्रा" स्मारिका के प्रकाशन, पर्वतीय जनमानस के उत्थान तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासों के लिए पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम–डड़ा चम्पावत को जिला पंचायत की ओर से हार्दिक शुभ कामनाऍं ज्ञापित करती हूँ।

सद्भावनाओं सहित।

(प्रेमा पाण्डेय)
अध्यक्ष,
जिला पंचायत चम्पावत।

निवास :
ग्राम मादली, चम्पावत
पो0/जनपद – चम्पावत
दूरभाष :– 05965–230421 (O) 230105 (R)
मोब.:– 9412093033

प्रो0 चन्द्रशेखर मथेला
(सी. एस. आई. आर.)
इमेरिटस वैज्ञानिक
रसायन विभाग,
कुमॉयू विश्वविद्यालय
नैनीताल

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, डड़ा (चम्पावत) विगत अनेक वर्षो से 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाती रही है। सावित्रा (जो कि उक्त संस्था की उपसमिति है) पर्वतीय ऑचल में प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर के उन्नयन तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने हेतु नवीन प्रयोग कर रही है।

गत वर्ष मुझे भी संस्था के कार्यकमों में भागीदारी करने का अवसर मिला। बच्चों के प्रतिभाग एवं उत्साह से मैं अत्यधिक प्रभावित हुआ। वर्तमान में अनेक कारणों से विज्ञान के प्रति रूचि में कमी आई है जो कि चिन्ता का विषय है। गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिकी सोच ही देश की दशा एवं दिशा को तय करेंगें। ऐसे में सावित्रा का एक प्रयास प्रशंसनीय कदम है।

शुभकामनाओं सहित,

प्रो0 चन्दसेखर मथेला

संजय ढींगरा
सी0ई0ओ0
आम्र पाली संस्थान
ऊँचापुल हल्द्वानी (नैनीताल)

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति (हिमवत्स) ग्राम डड़ा, चम्पावत प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 28 फरवरी को चम्पावत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर मैं समिति के समस्त पदाधिकारियों तथा संस्था के सहयोगी शिक्षाविदों एवं जन प्रतिनिधियों को बधाई देना चाहूंगा, जिनके अथक सहयोग एवं परिश्रम से समिति द्वारा अंगीकृत विद्यालयों को समाज में आदर्श विद्यालय के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है।

समिति द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों में किये जा रहे शैक्षिणिक एंव जन जागरण सम्बन्धी क्रियाकलापों का विवरण यह संस्था प्रतिवर्ष '**सावित्रा स्मारिका**' के माध्यम से प्रकाशित करती आ रही है। "**सावित्रा स्मारिका**" के पांचवे अंक के प्रकाशन, जो कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रस्तावित है, पर मुझे आशा है कि इसके द्वारा स्थानीय छात्र/छात्राओं, अभिभावकों एवं ग्रामवासियों को उचित मार्गदर्शन एवं लाभ मिलेगा।

मै विज्ञान दिवस, स्मारिका के विमोचन एवं इस अवसर पर आयोजित की जा रही "**सतत विकास और वन पारिस्थितिकी प्रणाली के उपयोग के लिए रसायन विज्ञान की भूमिका** " विषयक कार्यशाला के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

शुभ कामनाओं सहित,

(संजय ढींगरा)
सी0 ई0 ओ0

Ph.: (05946) 238201 to 204
Fax : (05946) 238205
Email : aimca@vsnl.com
Website : www.amrapaliinstitute.ac.in

ARIES

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान
(An Autonomous Institution of the DST, Govt. of India)

Prof. Ram Sagar, FNASc, FASc.
Director

संदेश

यह अत्यन्त हर्श का विशय है कि हिमालय वाटर सर्विस एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, ग्राम डड़ा, चम्पावत ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के छात्र/छात्राओं में विज्ञान सम्बंधित जागरूकता बढ़ाने एवं विज्ञान सम्बंधित विशयों को लोकप्रिय करने हेतु प्रयासरत है। आपका प्रयास प्रशंसनीय है।

आशा है आपके प्रयास एक वैज्ञानिक रूप से जाग्रत समाज का निर्माण कर प्रदेश एवं देश के विकास में सहभागी होंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर समिति द्वारा प्रकाशित की जा रही "साविद्या स्मारिका" की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(राम सागर)

Mailing add. : ARIES, Manora Peak, Nainital, 263129 Uttarakhand, India
Location : At the distance of 3.5 km approach road bifurcating NH- 87 before 6.0 km to Nainital
Phone No : (0091-05942) 235136, 232655, 233727, 233734.
Fax No : (0091-05942) 233439 Telegram : ASTRONOMY
E-mail : sagar@aries.res.in

गोविन्द बल्लभ पन्त हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान
G.B. Pant Institute of Himalayan Environment & Development
कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा- २६३ ६४३, उत्तराखण्ड, भारत
Kosi-Katarmal, Almora- 263 643, Uttarakhand, INDIA

संदेश

मुझे यह जानकार अत्यन्त प्रसन्नता है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, चम्पावत, आगामी 28 फरवरी, 2012 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यशाला "Role of Chemistry for sustainabile development and utilization of forest eco-system" विषय पर आयोजित करने जा रही है। ज्ञातव्य है कि 28 फरवरी 1928 को सर सी.वी. रमन जी ने विश्वविख्यात 'रमन एफैक्ट' का अविष्कार किया था जिस उपलब्धि हेतु उनको 1930 में भौतिक विज्ञान के नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जैसा विदित है कि वर्ष 2011, अन्तर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष, "रसायनों की उपलब्धि तथा मानव हित में इसके योगदान" को याद कर मनाया गया। इस अवसर पर पूरे विश्व में "रसायनः हमारा जीवन हमारा भविष्य" प्रसंग में अनेक मनोरंजक तथा शैक्षिणक कियाकलाप आयोजित किये गए। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2011 को "अन्तर्राष्ट्रीय वन वर्ष" घोषित किया था ताकि वनों के दीर्घकालिक संरक्षण व प्रबन्धन पर बल दिया जा सके। वनों से हमें अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उदाहरण के लिए परोक्ष रूप में वनों से इमारती लकड़ी, ईंधन, चारा, खाद्य पदार्थ, औषधि तथा शुद्ध जल एवं वायु इत्यादि। अपरोक्ष रूप में भी वनों के अनेक लाभ हैं, जैसे वनों से भूमि कटाव का कम होना, यथासमय वर्षा का होना, उपजाऊ मिट्टी का उत्पादन, जंगली कीट पतंगों द्वारा फसलों का परागण, मौसम चक्र तथा सूखे एवं बाढ़ पर नियंत्रण इत्यादि। इसके अतिरिक्त वनों की सौन्दर्यपरक अमूल्य निधि पर आधारित पारिस्थितिकी पर्यटन भी बहुत महत्वपूर्ण है।

वर्ष 2011 से 2020 तक सम्पूर्ण विश्व इसे "जैवविविधता दशक" के रूप में मना रहा है। इन दस वर्षों में सभी देश, पृथ्वी में विद्यमान जैवविविधता के संरक्षण हेतु प्रयासरत रहेंगें। इस वर्ष भारत CoP– 11 (Eleventh Meeting of the Conference of Parties) की मेजबानी कर रहा है जो अक्टूबर 2012 में हैदराबाद में होगी। यह देश के लिए अत्यन्त गौरव का विषय है।

आपकी संस्था इस वर्ष "हिमवत्स" स्मारिका का 5वाँ अंक प्रकाशित कर रही है। मैं इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। विगत वर्षों में संस्था द्वारा किया गया प्रयास विशेषकर पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं के चतुर्मुखी विकास के लिए अत्यन्त लाभप्रद रहा है और इस उपलब्धि हेतु सभी बधाई के पात्र हैं।

(लोकमान एस. पालनी)

पी0 आर0 कोहली
जिला शिक्षा अधिकारी
चम्पावत
श्रीखण्ड चौड़, चम्पावत
दूरभाष : 23051

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, डड़ा – चम्पावत द्वारा विगत वर्शों की भाँति इस वर्ष भी **साविद्या स्मारिका – 2012** का पाँचवां अंक प्रकाि ात किया जा रहा है। जैसा कि मुझे अवगत कराया गया है कि यह संस्था विशेष रूप से जनपद – चम्पावत के अंगीकृत राजकीय विद्यालयों के ग्रामीण तथा पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन एवं सर्वांगीण विकास हेतु कार्य कर रही है। मैं हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, डड़ा – चम्पावत द्वारा प्रकाशित की जाने वाली साविद्या स्मारिका की सफलता हेतु शुभकामना देता हूँ। साथ ही स्मारिका परिवार एवं संस्थान के समस्त सदस्यों की सराहना करते हुए उनके सत्प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

ह0 (पी0 आर0 कोहली)

आनन्द भारद्वाज(पी0 ई0 एस0)
अपर जिला शिक्षा अधिकारी,
जिला परियोजना अधिकारी
सर्वशिक्षा अभियान, चम्पावत

संदेश

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, डड़ा – चम्पावत द्वारा अपनी **साविद्या स्मारिका – 2012** का प्रकाशन किया जा रहा है। समय–समय पर मेरे द्वारा विद्यालयों के निरीक्षण में पाया गया है कि यह संस्था जनपद – चम्पावत में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। संस्था द्वारा बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्विक, चारित्रिक एवं सामाजिक गुणों के विकास की दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं जिसके लिऐ संस्था के संचालक न केवल बधाई के पात्र हैं अपितु अनुकरणीय हैं।

मैं संस्था के संचालकों, पदाधिकारियों एवं स्मारिका के सम्पादकों को **साविद्या स्मारिका – 2012** के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

ह0 (आनन्द भारद्वाज)

डॉ0 के. के. पाण्डे

अध्यक्ष (हिमवत्स)

संदेश

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, ग्राम डड़ा चम्पावत 28 फरवरी 2012 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन कर रही है। यह एक सराहनीय कार्य है कि चम्पावत जैसे दूरस्थ एवं सीमान्त जनपद में यह संस्था स्थानीय नवयुवकों महिलाओं, सेवानिवृत शिक्षकों तथा वुजुर्गो को साथ जाकर क्षेत्र में शिक्षा स्वास्थ्य तथा पर्यावरण सुरक्षा के लिए जन जागरण का सराहनीय कार्य कर रही है। मैं समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों, स्वयं सेवी नवयुवकों, सहयोगी शिक्षाविदों को इस अवसर पर वधाई देता हूँ। समिति द्वारा प्रतिवर्ष क्षेत्र में किये जा रहें शैक्षिणिक, स्वास्थ एवं जन जागरण सम्बन्धी किया कलापों का विवरण साविद्या स्मारिका के माध्यम से प्रकाशित किया जा रहा है जो समिति द्वारा जन हित में किये जा रहे कार्यो को जन साधारण तक पहुचाने का एक माध्यम है। इस वर्ष भी विज्ञान दिवस के अवसर पर साविद्या स्मारिका का विमोचन प्रस्तावित है। आशा है यह स्मारिका छात्र/छात्राओं स्वंयसेवकों एवं क्षेत्रवासियों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी। मै विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित की जा रही Role of chemistry for Sustainable development and utilization of forest Eco System. विषयक कार्यशाला के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

(डा0 के0 के0 पाण्डे)
अध्यक्ष (हिमवत्स)

Director International Affairs Teerthanker Mahaveer University, Hon. Sr Consultant - Uttar- and Open Programs, Freelancing Consultant on Professional Education & International Collaborations, General Secretary - Transparency International India- Uttarakhand Chapter.
HIMWATS(NGO); +9837016153/9411107268

सचिव द्वारा सहयोग हेतु आभार–

सहयोग के सहारे ही हिमवत्स साविद्या अपना वर्तमान स्वरूप ले पायी है। मैं स्मारिका द्वारा सभी सदस्यों, ग्राम वासियों, ग्राम सभा सदस्यों एवं सभापतियों, छात्रों, अभिभावकों, निकटवर्ती सम्बन्धियों, चम्पावत व उत्तराखण्ड एवं देश के सभी सम्भ्रान्त व्यक्तियों, कुलपतियों, निदेशकों, जिले के शासकों प्रशासकों व देश के दानवीरों सभासदों, मंत्रियां, मित्रजनों, सहयोगियों व साविद्या के कार्यरत स्वयं सेवी शिक्षकों, ज्ञान क्लब के सदस्यों, आशा फॉर एजूकेशन के दान दाताओं ओजस्वी अध्यक्ष,एकनिष्ठ पत्नी आशा व सम्पूर्ण परिवार के प्रति, इस कार्य में सुख–पूर्वक समय लगाने के योग्य बनाये रखने हेतु आभार प्रकट करता हूँ। आशा करता हूँ कि "स्व–हित रक्षा करना, पर–हित हिस्सा देना" (care and share) के सिद्धान्त पर चलकर हम अपने ध्येय की प्राप्ति करने में निरन्तर सफल रहेंगे। धन्यवाद।

हरिदत्त बिष्ट

Dr H D Bist
(Professor I I T Kanpur ,Retd, (1995),Emeritus Scientist, CSIR , Retd (2000)
Emeritus Fellow ,AICTE, Retd (2003)), Secretary, "HIMALAYA WATER SERVICE TATHA VIKAS AVAM PARYAVARAN SANRAKSHAN SAMITI, Village Darah, District-Champawat, Uttarakhand. Phone: 91-5946-221882, Cell +9411163946,
Eamil Address: Haribist@yahoo.com

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति...(हिमवत्स)

संपादक मंडल

एच डी बिष्ट

आर डी जोशी

बी डी गुरूरानी

आर के पंत

गणेश पंत

एक परिचय

हिमवत्स की स्थापना वर्ष 1997 में मूलतः जल स्रोतों का संरक्षण, बच्चों की शिक्षा का विकास आदि स्थानीय जन समस्याओं के समाधान के लिए क्षेत्र के कुछ प्रबुद्ध एवं उत्साही व्यक्तियों द्वारा किया गया था। कालान्तर में बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा में गुणात्मक सुधार के उद्‌देश्य से वर्ष 2004 में इस संस्था के अन्तर्गत साविद्या नाम से एक उपसमिति की स्थापना की गई जिससे संस्था के कार्यो में गति आ सकें। संस्था के पंजीकरण से सम्बन्धित कुछ विवरण इस प्रकार है–

1. रजिस्ट्रेशन – सोसाइटी रजि0 एक्ट क्रम सं0 758/1997 दि0 10–11–97
2. एफ0 सी0 आर0 ए0 रजि0 सं0 – 368900007 दि0 23–01–2008
3. आय कर में छूट – दान दाताओं को धारा 80 G के अन्तर्गत दान राशि में आय कर छूट पत्रांक फा0स0 : 5(ई)/आ0आ0/हल0/80 जी0/2011–12/रजि स0–2011–12/49/39/933 दि0 02–08–2011
4. पैन नं0 – AAAJH 02211L ई.मेल ; himwats.india@yahoo.in
5. भारतीय स्टेट बैंक हल्द्वानी नैनीताल रोड शाखाः– 0646
   विदेशी मुद्रा हेतु लेखा संस्था– 11178424028 भारतीय मुद्रा हेतु लेखा संस्था– 11178424017

शिक्षा, स्वास्थ्य पर्यावरण संरक्षण एवं जन चेतना के विकास के लिए विगत कई वर्षो से संस्था सशक्त रूप से कार्य करती आ रही है और इन्ही उद्‌देश्यों की प्राप्ति के लिए स्थानीय जनता के सहयोग से अपने कार्य में अग्रसर है। प्रायः ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावकों की अज्ञानता अथवा दायित्व बोध की कमी के कारण उनके पाल्य शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का लाभ नही ले पाते। सरकारी कार्यक्रमों की सार्थकता तब तक पूर्ण नही हो सकती जब तक उसका लाभ समाज के अन्तिम बच्चे तक न पहुंचे। हिमवत्स इसी दिशा में जन चेतना जगा कर लोगों को अपना सामाजिक दायित्व पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करते आ रहा है। विकास की धारा में दूर ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को जोडने, अच्छी शिक्षा, स्वस्थ शरीर, श्रम के प्रति आस्था, विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति को उत्साहित करना छात्रों का पलायन रोकना, किसानों को कृषि विशेषज्ञों और कृषि प्रतिष्ठानों से जोडना, छात्रों में वैज्ञानिक सोच का विकास करना और समस्त समाज को देश के मुख्य विकास की धारा में जोड़ने के लिए हिमवत्स प्रयत्नशील है।

साविद्या उपसमिति

बच्चे देश के भविष्य हैं। उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास को एक निश्चित दिशा प्रदान करना, माता पिता, एवं समाज का कार्य है। प्रायः समुचित साधनों के अभाव, गरीबी अथवा अन्य प्रतिकूल सामाजिक कारणों से बच्चों का विकास बाधित हो जाता है। गरीबी एवं अशिक्षा दोनो की अभिशाप है। साविद्या साधनहीन किन्तु प्रतिभाशाली छात्रों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के विकास एवं उसके गुणात्मक सुधार के लिए वचन बद्ध है। साविद्या ऐसे छात्रों को एक प्रभावशाली वातावरण प्रदान करने के साथ–साथ अनेक छात्रों को छात्रवृत्तियां उपलब्ध करा रही है। प्राथमिक स्तर पर विद्यालयों को गोद लेकर उन्हें यूनीफार्म, कापियां, खेल सामग्री, कम्प्यूटर, पुस्तकालय वर्ष भर उन शिक्षकों को समय–समय पर प्रशिक्षण भी देती है।

माध्यमिक स्तर पर मेधावी छात्रों के लिए अलग–अलग स्रोतो से उनके पूरे कोर्स की अवधि के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा के दायित्व का निर्वहन भी हो रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिए अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य

परीक्षण किया जा रहा है। इन सब बातों का निहितार्थ यही है कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्साह पूर्वक आगे बढ सकें। अच्छे अंको से परीक्षा उत्तीर्ण करें। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छा स्थान अर्जित कर सकें। जिससे माध्यमिक स्तर पर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आर्मी स्कूल से सम्मानित विद्यालयों तथा प्रतिभा खोज परीक्षाओं तथा उच्च शिक्षा के लिए आई0 आई0 टी0 जैसे अन्य संस्थानों में शिक्षा का अवसर पा सकें।

संस्था के प्रमुख उद्देश्य – समिति के मुख्य उद्देश्यों का उल्लेख स्मारिका के पिछले अंको में किया जाता रहा है तथापि नये पाठकों की जानकारी हेतु पुनः इसका उल्लेख किया जा रहा है।

1. संस्था के वर्तमान कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत गुणात्मक शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार करना।
2. आदर्श विद्यालयों की अवधारणा को विकसित करना।
3. छात्रों में वैज्ञानिक अभिरूचि का संवर्धन व विकास करना।
4. निर्धन छात्रों को प्रगति का अवसर प्रदान करना।
5. छात्रों में स्वावलंबन के प्रति अभिरूचि जगाना।
6. सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ सेवाएं उपलब्ध कराना व जन चेतना जागृत करना।
7. महिला सशक्तिकरण में सहयोग प्रदान करना।
8. स्वरोजगार को बढ़ावा देना, स्वरोजगार के विभिन्न विषयों को सूचीबद्ध कर उसमें प्रशिक्षण प्रदान करना व कौशल विकसित करना।
10. पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना व जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्रदूषण रहित वातावरण के लिए जन चेतना जगाना।
11. आपदा प्रबन्धन के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था व जागरूगता पैदा करना।
12. भ्रष्टाचार व शोषणमुक्त समाज के प्रति जन चेतना जगाना।
13. उक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समय–समय पर क्षेत्र में गोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रमों व विशेषज्ञ वार्ताओं का आयोजन करना। साविद्या उपसमिति की स्थापना इन्ही उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए की गई है। इसी ललक एवं लालसा से प्रेरित होकर वर्ष 2004 में समिति के सचिव डा0एच0डी0 बिष्ट ने व्यक्तिगत रूप से 2 लाख रुपये फिक्स डिपोजिट में रखकर उसके ब्याज से गरीब एवं मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर उपसमिति का शुभारम्भ किया। कालान्तर में अनेक दानी व्यक्तियों ने इस कोष में सहयोग कर संस्था के कार्यो को प्रोत्साहित किया।

साविद्या के आर्थिक स्रोत –

1. संस्था के सचिव डा0 एच0 डी0 बिष्ट एवं उनके परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कराई गई धनराशि से अर्जित आय।
2. समाज के अन्य सम्मानित दानदाताओं द्वारा प्रदत्त धनराशि।
3. आशा फार एजूकेशन यू0 एस0 ए0 द्वारा अवमुक्त धनरशि।
4. फाउन्डेशन फोर एक्सीलैंस द्वारा दी जा रही छात्र वृत्तियां।

1. आदर्श विद्यालय –

बच्चे राष्ट्र की सम्पदा हैं। इनका शैक्षिक विकास एवं चरित्र निर्माण देश की भावी दिशा को तय करता है। भारत के संविधान में भी शिक्षा की सार्वभौमिकता को स्वीकार किया गया है। आजादी के बाद देश में प्राथमिक स्तर की शिक्षा की गुणवत्ता के विकास के लिए सतत प्रयत्न किये जाते रहे हैं। विद्यालय में बच्चों का पंजीकरण, शिक्षकों का प्रशिक्षण तथा अभिभावकों को जाग्रत करने के अनेक सरकारी अभियान चलाये जा रहे हैं, किन्तु शिक्षा के स्वरूप में कोई परिवर्तन नही आया है। सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत विद्यालयों में छात्र संख्या एवं संसाधनों में भी वृद्धि हुई है तथापि बच्चों की स्थिति ज्यों की त्यों है। उसे वह वातावरण नही

मिल पा रहा है जो उसके शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक विकास के लिए आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य तब तक पूरा नही समझना चाहिए जब तक बच्चे का सर्वागीण विकास न हो। इसी अभिप्राय से हिमवत्स ने चम्पावत के ग्रामीण क्षेत्र में वर्ष 2005 में प्राथमिक विद्यालय कुलेठी को अंगीकृत कर उसे एक आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने का संकल्प किया। जिससे निःशुल्क यूनीफार्म, स्वास्थ्य सुविधा, खेल कूद से सम्बन्धित सुविधाएं, कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय युक्त विद्यालय में छात्र को अपनी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर प्राप्त हो। सरकार द्वारा प्रदत्त शिक्षकों एवं व्यवस्थाओं के अतिरिक्त संस्था द्वारा अन्य सुविधाएं प्रदान कर 14 नवम्बर 2005 को तत्कालीन सांसद मा0 बची सिंह रावत ने संस्था की ओर से 2 कम्प्यूटर, खेल कूद सामग्री तथा अन्य सामग्री प्रदान करते हुए इस विद्यालय को प्रदेश का सर्वप्रथम कम्प्यूटर वाला प्राथमिक विद्यालय घोषित किया। कालान्तर में वर्ष प्रतिवर्ष इस क्षेत्र में समिति ने 5 प्राथमिक एवं 2 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों को अंगीकृत कर आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया है। इसके अन्तर्गत अतिरिक्त कक्षों का निमार्ण, कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय, खेल सामग्री, विज्ञान शिक्षण के लिए विज्ञान केन्द्र, शिक्षकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण, निःशुल्क गणवेश, बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर तथा प्रतिवर्ष छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण आदि की सुविधाएं छात्रों को सुलभ कराई गई है। संस्था का मानना है कि आदर्श विद्यालय की अवधारणा तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक कि स्थानीय लोगों, अभिभावकों, जन प्रतिनिधियों तथा स्थानीय शिक्षा प्रेमी, शिक्षाविदों की सहभागिता इस कार्य में न हो, इसी तथ्य को

ध्यान में रखते हुए साविद्या समय समय पर अभिभावकों, व ग्राम शिक्षा समिति की बैठक आयोजित कर इस कार्य में आने वाली बाधाओं पर विचार विमर्श करते हुए आगे की योजना तैयार करती है तथा इन योजनाओं के क्रियान्वयन में अपना योगदान देती है। समिति द्वारा नियुक्त शिक्षकों को शैक्षणिक मार्गदर्शन देने तथा समय समय पर प्रशिक्षित करने के लिए स्थानीय शिक्षाविदों का आशीर्वाद प्राप्त है जो प्रतिमाह शैक्षिक कार्यकलापों का नियमित रूप से अनुश्रवण कार्य कर रहें है तथा उन्हे प्रभावशाली मार्गदर्शन प्रदान कर रहे है।

1.2– अंगीकृत विद्यालय

अंगीकृत विद्यालयों की छात्र संख्या तथा राजकीय एवं साविद्या प्रदत्त शिक्षकों का विवरण सत्र 2011–12

विद्यालय	कक्षा में छात्र					कुल छात्र संख्या	शिक्षक संख्या		
प्रा0पा0 / कक्षा	1	2	3	4	5		रा0	सा0 कुल	
कुलेठी	15	19	20	16	20	84	2	3	5
डुॅगरासेठी	3	5	9	10	8	35	1	3	4
ढकना	5	8	11	14	23	61	2	2	4
बडौला	5	11	5	8	9	38	2	2	4
खर्क कार्की	13	24	23	34	19	113	2	2	4
उ0प्रा0वि0 / कक्षा	6	7	8				रा0	सा0	कुल
डुॅगरासेठी	19	29	30			78	4	2	6
खर्ककार्की	20	28	33			81	4	2	6

सावित्रा के अनवरत प्रयास से प्रा0 पाठशाला ढकना, बडोला एवं खर्ककार्की एकल (Single Teacher) विद्यालयों में विभाग की ओर से वर्तमान शिक्षा सत्र में एक–एक शिक्षक बढ़ाकर दो शिक्षकों की व्यवस्था की गई। 'साविद्या के संकल्प के अनुरूप अभी भी कक्षाओं की संख्या के अनुरूप सुविधा प्राप्त नहीं है जबकि उक्त विद्यालयों में साविद्या ने उक्त अभाव की पूर्ति के लिए 2 से 3 शिक्षकों की व्यवस्था अपने स्तर पर की है। प्रा0पा0 खर्ककार्की में छात्र संख्या 113 है जबकि वहाँ केवल 2 राजकीय शिक्षक कार्यरत है। सरकारी मानकों के अनुरूप वहां तीन शिक्षक होने चाहिए। 'साविद्या' की इस संकल्पना के अनुरूप कि प्रत्येक कक्षा के लिए एक शिक्षक होना चाहिए दो शिक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था संस्था द्वारा की गई है।

1.3– साविद्या द्वारा वितरित पठन–पाठन सामग्री तथा दवाओं का विवरण

अधिक से अधिक छात्र/छात्राओं को विद्यालय की ओर आकर्षित करने, उनमें समानता का भाव विकसित करने एवं शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए समिति हमेशा से ही छात्रों को निःशुल्क गणवेश एवं दवाइयों का वितरण करती आ रही है। सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के प्राईमरी एवं जूनियर कक्षाओं में पढने वाले सभी छात्र/छात्राओं को गणवेश देने की सुविधा के फलस्वरूप समिति ने यह निश्चय किया कि अतिरिक्त सुविधा के रूप में अंगीकृत विद्यालयों के बच्चों को बैग कापियॉं, ज्यामिति बाक्स तथा दवाइयॉं वितरित की जाय। अतः अंगीकृत विद्यालयों के छात्र/छात्राओं के लिए आवश्यकतानुसार कापियॉं दवाइयॉं एवं अन्य सामग्री की सुविधा समिति द्वारा दी गई। जिसका उल्लेख नीचे दिया गया है। कक्षा 4,5 तथा 7,8 में ज्यामिति वाक्स प्रदर्शित करता है।

प्रति छात्र वितरित की गयी पठन–पाठन सामग्री तथा दवाओं का विवरण

कक्षा 1, 2	बैग 1 कापियॉं 3, 176 पेज (दो गत्ते वाली, एक बिना गत्ते वाली)	लिव 52 – 100 एल्वन्डाजोल –1 सुप्राडिन – 90
कक्षा 3, 4, 5	बैग 1 कापियॉं 6, 176 पेज (चार गत्ते वाली, एक बिना गत्ते वाली)	लिव 52 – 100 एल्वन्डाजोल –1 सुप्राडिन – 90
कक्षा 6, 7, 8	बैग 1 कापियॉं 9, 176 पेज (छः गत्ते वाली, दो बिना गत्ते वाली)	लिव 52 – 100 एल्वन्डाजोल –1 सुप्राडिन – 90

1.4– सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत अप्रैल से सितम्बर 2011 तक आयोजित कार्यक्रम

1. **रा0 प्रा0 वि0 कुलेठी**– प्रातः कालीन सभा में 1 सप्ताह तक योग प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उसके उपरान्त प्रतिदिन बच्चों को हाथ, पांव, उंगलियॉं, कलाइयों, गर्दन का व्यायाम एवं अनुलोम विलोम, कपालभांति का अभ्यास कराया जाता है। स्कूल में शैक्षणिक वातावरण तैयार करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण किया गया। जिससे अभिभावक स्कूल की गतिविधि से अवगत हो सकें। दि0 8.04.2011 को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा (स्कूल चलो) रैली का आयोजन किया गया। स्कूल बंद होने से पहले प्रतिदिन छात्र/छात्राओं को क्रिकेट, फुटबाल, रस्सीकूद के खेलों को टीम बनाकर सिखाया जा रहा है। विद्यालय भवन के छत की मरम्मत हो गयी है। अंगीकृत विद्यालयों की प्राथमिक एवं जूनियर स्तर की सामान्य ज्ञान तथा ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता करायी गयी। 1 छात्रा का नया प्रवेश हुआ है तथा संकुल स्तर में छात्रों ने फुटबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। श्री रमेश बिष्ट एवं अशोक टम्टा के द्वारा **प्रोजक्टर** के माध्यम से छात्रों को अजीम प्रेम जी की सी डी एवं संस्था द्वारा प्रदान की गयी सी डी को दिखाया। श्रीमती कामिनी वर्मा का जू0 वि0 कुलेठी में पदोन्नति के उपरान्त रा0 प्रा0 पा0 – कुलेठी में 1 नये सरकारी अध्यापक (श्री त्रिभुवन सिंह सैराडी) की ब्यवस्था शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10.09.2011 को की गयी है। विद्यालय में पेड़ों की गुड़ाई की गयी है।

2. **रा0 प्रा0 वि0 बडौला** – प्रातः कालीन सभा में अन्य विद्यालयों के अनुरूप ही इस विद्यालय में भी नियमित रूप से योग प्रशिक्षण एवं व्यायाम को महत्व दिया गया। खो–खो, कबड्डी, रिंग बाल एवं अन्य खेलों को अंतिम वादन में कराया गया। बालसभा में कविता, कहानी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये गये। स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत अभिभावकों से सम्पर्क करते हुए बच्चों को स्कूल भेजने एवं रोज विद्यालय में उपस्थित होने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय भवन के छत की मरम्मत हो गयी है। विद्युत ब्यवस्था के लिए पुनः विद्यालय प्रबन्धन समिति के द्वारा पत्र लिखा गया है। पेडों की गुड़ाई की गयी है।

3. **रा0 प्रा0 वि0 ढकना** – प्रार्थना सभा में प्रतिदिन योग एवं व्यायाम का अभ्यास कराया गया तथा अन्तिम वादन के खेलों में खो–खो, कबड्डी, रस्सीकूद, लम्बी कूँद, फुटबाल एवं क्रिकेट को सम्मिलित किया गया। इस अवधि में एक दिन अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अभिभावकों को अपने पाल्यों का नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों ने स्कूल चलो रैली का आयोजन भी सम्पन्न किया। ग्राम–ढकना में आयोजित जन्माष्टमी मेले में प्रतिभागी छात्रों (शोभा, 4 निकिता, 4 लक्ष्मी, 5 निकिता, 5 अंजली, 5 जया, 5) ने लोकगीत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पेडों की गुड़ाई की गयी है।

4. **रा0 प्रा0 वि0 खर्ककार्की** – शैक्षणिक कार्यक्रम के अतिरिक्त इस अवधि में छात्र/छात्राओं को योग प्रशिक्षण दिया गया। 7 छात्र/छात्राओं का नया प्रवेश हुआ है। श्री रमेश बिष्ट एवं अशोक टम्टा द्वारा **प्रोजक्टर** के माध्यम से अजीम प्रेम जी फाउण्डेशन की सी0डी0 न0 8 (हिन्दी, अंग्रेजी में बोलना सीखना एवं गुटखा, तम्बाकू से होने वाली बीमारी (विष विश्लेषण) की सी0 डी0 दिखायी गयी। पेड़ों की गुड़ाई की गयी है। 1 छात्रा का नया प्रवेश हुआ है। श्री रमेश बिष्ट एवं अशोक टम्टा द्वारा **प्रोजक्टर** के माध्यम से अजीम प्रेम जी फाउण्डेशन की सी0डी0 न0 8 (हिन्दी, अंग्रेजी में बोलना, फल सब्जी एवं अनाजों के बारे में वाक्य बनाना) एवं गुटखा, तम्बाकू से होने वाली बीमारी (विष विश्लेषण) की सी0 डी0 दिखायी गयी। प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय के छात्रों की संख्या 150 थी। राजकीय शिक्षको की संख्या 10 थी। सी. डी. दिखाने का कार्य 3 घण्टे रहा। छात्रों द्वारा पेड़ों की गुड़ाई की गयी है।

5. **रा0 पू0 मा0 वि0 खर्ककार्की – योग प्रशिक्षण, पेंटिग प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण**

6. **रा0 पू0 मा0 वि0 डुंगरासेठी – योग प्रशिक्षण एवं खेल कूद** – छात्रों को योग प्रशिक्षण देकर प्रतिदिन प्रातः कालीन सभा में योगाभ्यास कराया गया। छात्र/छात्राओं के सर्वांगिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके लिए क्रिकेट, बैडमिण्टन, शतरंज, रस्सी कूद आदि खेलों की व्यवस्था की गई। प्रत्येक खेल के लिए बच्चों का चयन कर सुव्यवस्थित ढंग से खेलों का संचालन विद्यालय की छुट्टी होने से पहले किया जाता रहा। विद्यालय के पर्यावरण में सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाये रखने के लिए फूल एवं पौधों का रोपण एवं विद्यालय के प्रांगण की सफाई का कार्य भी इस अवधि में किया गया। दि0 9.04.2011 को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा (स्कूल चलो) रैली का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत समीपवर्ती गांवों के अभिभावकों से सम्पर्क किया गया। शैक्षणिक कार्य के अतिरिक्त प्रत्येक दिन बच्चों को योग एवं व्यायाम सिखाया गया।

अंगीकृत विद्यालयों में पं गोविन्द बल्लभ पंत जी की 124वीं जयन्ती मनायी गयी। जिसमें छात्र/छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक, कविता, सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

1.5– अंगीकृत विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के जन्म दिन का आयोजन–

वर्ष 2010 से जन्मदिवस पर बच्चों को प्रोत्साहित करने के अभिप्राय से सभी अंगीकृत विद्यालयों में बच्चों का जन्मदिन मनाया जाता है। प्रातःकालीन प्रार्थना के समय उन्हें उपहार सामग्री प्रदान की जाती है। उदाहरण स्वरूप एक माह का जन्म दिनों का विवरण प्रस्तुत है–

विद्यार्थियों का जन्म दिवस (मई, जून 2011)

दिनांक	कुलेठी	डुंगरासेठी	ढकना	बडौला	खर्ककार्की	जू0 डुंगरासेठी	जू0 खर्ककार्की
			विद्यार्थियों का नाम एवं कक्षा				
1 मई	–	–	–	–	निशा–5	लक्ष्मी–7	अजय–7
	–	–	–	–	–	–	प्रियंका–8
2	पूजा–2	–	–	–	रोहित–5	सुमन–7	अजय भण्डारी 7
	पूजा–4	–	–	–	–	–	–
	ज्योती–5	–	–	–	–	–	–
3	कुलदीप–5	–	–	–	–	–	–
	–	–	–	–	–	गीता–6	–
4	–	–	–	–	–	कमल–8	–
	–	–	मयंक–3	–	महिमा–2	–	सीमा–7
5	–	–	मुकेश–5	–	–	–	गीता–8
	–	–	–	–	–	काजल–7	–
6	–	–	–	–	–	चंचला–8	–
8	–	–	हिमांशू–4	–	–	सबनम–6	–
	–	–	–	–	पूजा–4	मनीष–6	–
10	–	–	–	–	–	रोहित–8	–
11	रश्मि–3	–	–	–	–	–	–
12	–	–	–	रिंकी–4	–	–	–
13	–	–	–	–	सलौनी–3	–	–
15	–	स्वामिनी–3	–	–	–	–	गौतम–8
16	–	–	–	निकिता–2	–	–	–
	मनीषा–2	–	–	–	–	–	–
17	यशोदा–1	–	–	–	–	–	–
18	–	–	–	–	–	–	मोहित–7
19	–	–	पूजा–2	–	–	–	–
	–	–	–	–	अंजलि–2	संजय–6	नीरज–6
20	–	–	–	–	अमन–2	–	–
23	–	–	–	–	कमल–2	–	–
24	–	–	माया–4	–	–	–	बलदेव–8
25	–	कुसुमलता–5	–	–	–	–	–
26	–	–	–	राहुल–4	–	–	–

1.6– अंगीकृत विद्यालयों में राष्ट्रीय पर्वों का आयोजनः–

स्वतन्त्रता दिवसः– 15 अगस्त 2011 को सभी विद्यालयों में विधिवत स्वतंत्रता दिवस आयोजित किया गया। प्रातः 6 बजे छात्र–छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाली। तत्पश्चात् सभी विद्यालयों में छात्र एकत्रित हुएं अभिभावकों की भी सहयोगिता रही। देश प्रेम के गीत गाए गए तथा स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। सभी विद्यालयों में विद्यालयों की प्रधानाध्यापिकाओं द्वारा झण्डारोहण किया गया।

तत्पश्चात् छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और मिष्ठान वितरण किया गया। रा0प्रा0 पाठशाला कुलेठी में 'हिमवस्त' के व्यवस्थापक श्री एम.सी. रस्यारा एवं सर्व श्री हीराबल्लभ, रमेश बिष्ट, प्रकाश पुनेठा आदि ने भी प्रतिभाग किया। रा0प्रा0पा. ढकना में विद्यालय प्रबन्धन व विकास समिति के अध्यक्ष श्री करम सिंह बडोला की देखरेख में मिष्ठान्न वितरित किया गया।

सभी विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

शिक्षक दिवसः– 5 सितम्बर को सभी विद्यालयों में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। देश के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र का अनावरण कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया ताकि छात्र उनकी महानता से प्रेरणा ले सकें। शिक्षक दिवस के अवसर पर अंगीकृत विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की सामान्य ज्ञान परीक्षा स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा ली गयी। प्रतियोगिता रा0प्रा0वि0 कुलेठी में सम्पन्न हुई।

साक्षरता दिवसः– 8 सितम्बर 2011 को साक्षरता/साक्षर भारत के अन्तर्गत सर्व शिक्षा कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार के क्रम में चर्चा/वार्ताएं की गई।

पन्त जयन्तीः– 10 सितम्बर को पूर्व गृहमंत्री पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त की जयन्ती मनाई गई।

गाँधी जयन्तीः– 1 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म दिन विद्यालयों में मनाया गया। 8 बजे प्रातः झण्डारोहण व गांधी जी के चित्र पर मार्ल्यापण के पश्चात् रघुपति राघव राजाराम' भजन गाया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवसः– 11 नवम्बर को भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद का जन्म दिन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 11 नवम्बर 2011 को देश में शिक्षा का अधिकार अभियान प्रारम्भ किया गया जो एक वर्ष तक चलेगा। केन्द्र सरकार द्वारा देश के 13 लाख स्कूलों को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया गया। उक्त अवसर पर विद्यालयों में प्रधानमंत्री और मानव संसाधन विकास मंत्री के संदेश पढ़े गए।

बाल दिवसः– 14 नवम्बर को सभी विद्यालयों में बाल दिवस पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को याद किया गया। उक्त अवसर पर विद्यालयों में सोल्लास खेलकूद आयोजित किए गए।

****

बच्चे देश के भविष्य के प्रतिरूप हैं।

******

1.7— विद्यालय प्रबन्धन एवं विकास समितियों की बैठकों की प्रगति समीक्षाः—

शिक्षा के अधिकार अधिनियम में प्रत्येक विद्यालय में प्रबन्धन एवं विकास समिति के गठन की व्यवस्था है ताकि विद्यालय स्तर पर विद्यालय परिवेश में आवश्यक सुधार करते हुए शैक्षिक स्तरोन्नयन के यथोचित उपाय समय–समय पर आमंत्रित किये जा सकें। इसके अतिरिक्त विद्यालयीय गतिविधियों में अभिभावकों तथा स्थानीय लोगों की सहभागिता अर्जित की जा सके। विद्यालयों में प्रबन्धन एवं विकास समितियाँ गठित की गई है। प्रत्येक माह समिति की बैठक के आयोजित होती हैं तथा आख्या उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जाती हैं। प्रमुख प्रस्ताव की उपलब्धियों की एक झलक प्रस्तुत की जा रही है—

विद्यालय का नाम	बैठक की दिनांक	आख्या का सार संक्षेप/प्रस्ताव	क्रियान्वयन
रा0प्रा0पा0, कुलेठी	11–7–11 26–9–11 19–10–11	छत की मरम्मत, दो शिक्षकों की तैनाती, कम्प्यूटर की आपूर्ति,चहार दीवारी निर्माण पूर्ववत कम्प्यूटर कक्ष निर्माण स0अ0 की नियुक्ति सहायक अध्यापक की नियुक्ति	सहायक अध्यापक की नियुक्ति हुई
रा0प्रा0वि0 डुँगरासेठी	18–7–11 27–9–11	छत व गेट की मरम्मत एक शिक्षक की तैनाती रसोईघर का निर्माण, पूर्व प्रस्तावों पर अनुस्मरण पर प्रसन्नता	विभाग द्वारा/ मौखिक सहमति
रा0प्रा0पा0 ढकना	18–7–11 25–8–11 27–9–11	विद्यालय की चहार दीवारी, बिजलीव्यवस्था पुनः आवेदन कम्प्यूटर आपूर्ति	
रा0प्रा0पा0 बडोला	11–7–11 25–8–11	छत की मरम्मत, एक शिक्षकों की तैनाती शिक्षण कक्ष निर्माण, कम्प्यूटर आपूर्ति विद्युत व्यवस्था, क्रीड़ा सामग्री सुलभ कराना	भवन के छत की मरम्मत की गई एक शिक्षक की नियुक्ति हुई।
रा0प्रा0पा0 खर्ककार्की	9–7–11 27–9–11 17–10–11	तीन शिक्षकों की तैनाती,बाल उद्यान के लिए सामग्री की मांग। पूर्व मांगों पर अनुस्मरण शिक्षकों की तैनाती विषयक अनुस्मरण	एक शिक्षक थी नियुक्ति हुई
रा0क0पू0मा0 वि0डुंगरासेठी	6–7–11 18–10–11	किचन निर्माण, मुख्य भवन के पीछे सुरक्षा दीवार, चाहरदीवारी, शौचालय निर्माण पूर्व प्रस्ताव पर अनुस्मरण, अति0 कक्ष निर्माण	प्रधानाध्यापिका के रिक्त पद की पूर्ति समायोजित स0अ0की मूल विद्यालय में वापसी
रा0क0पू0मा0 वि0 खर्ककार्की	15–6–11 11–8–11	कम्प्यूटर शिक्षक एवं प्रिंटर की माँग सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत मिलने वाली सामग्री की आपूर्ति का प्रस्ताव	स्थानान्तरित हो रहा है

नौलेज क्लब

शिक्षा क्षेत्र से सेवानिवृत शिक्षा विदों, प्रधानाचार्यो एवं शिक्षकों की सेवायें संस्था विद्यालयों में कार्यरत स्वंय सेवक शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं अनुश्रवण कार्य के लिए कई वर्षो से लेते आ रही है। वर्ष 2011 में समिति द्वारा यह अनुभव किया गया कि वरिष्ठ नागरिको अनुभवी व्यक्तियों के अनुभवों का लाभ भी छात्रों स्थानीय निवासियों किसानों एवं महिलाओं को मिलना चाहिए। समिति के कार्यो में चहुमुखी गति प्रदान करने तथा प्राप्त मानव ससाधनों का सकारात्मक उपयोग करने के उद्धेश्य से एक नौलेज क्लव की स्थापना की गई जिससे जन जागरण के कार्यो के साथ–साथ विद्यालयों में भी क्रिया कलापो में वृद्धि हो सकें। इस क्लब के सदस्यों से अपेक्षा की गई कि समय– समय पर एक साथ बैठकर यह सुनिश्चित करें कि विद्यालयों में छात्र उपयोगी किया कलापों में क्लब किस प्रकार सहायक हो सकता है यह विभिन्न राष्ट्रीय दिवसों, महिला दिवस, वैज्ञानिक सामाजिक एवं सास्कृतिक चेतना के विकास से सम्बन्धित किया कलापों से सम्बन्धित अपनी सलाह विद्यालयों के प्राचार्यो को देकर तथा इन दिवसों एवं सम्बन्धित कार्यकर्मो में स्वंय विद्यालयों मे अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। क्लव के सदस्यों से यह भी अपेक्षा की गई है कि वे कृषि क्षेत्र के नये नये प्रयोगों की जानकारी प्राप्त कर ग्रामीण किसानों तक उसका लाभ पहुचाने का प्रयत्न करेगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न राजनैतिक एवं सामाजिक विषयों से सम्बन्धित गतिविधियों का क्षेत्र के लोगों के लाभार्थ विकास में अपना सहयोग प्रदान करेगे। सदस्यों के नाम नीचे दियें है।

(अ) चम्पावत

1	डा0 डी0डी0 जोशी	2	डा0 बी0डी0 सुतेडी	3	डा0 टी0आर0 जोशी	4	डा0 बी0सी0 जोशी
5	डा0 के0बी0 सकटा	6	डा0 डी0एन0 तिवारी	7	श्री पी0सी0 पाण्डे	8	श्री गिरीश चन्द्र
9	श्री युधिष्ठर जोशी	10	श्री बी0डी0 फुलारा	11	श्री इन्द्र सिंह बोरा	12	श्री जी0बी0 रस्यारा
13	श्री नारायण राम टम्टा	14	श्री कमलेश रस्यारा	15	श्री अमर नाथ वर्मा	16	श्री शंकर दत्त पाण्डे
17	डा0 एच डी बिष्ट	18	डा0 जी0 बी0 बिष्ट	20	डा0 प्रेम बी0 बिष्ट	21	श्री त्रिभुवन बिष्ट

(ब) चम्पावत के बाहर

1	डा0 के0 के0 पाण्डे	2	डा0 सी0 एस0 मथेला	3	डा0 आर के पन्त	4	श्री आर0 डी0 जो ी
5	डा0 ए0 के0 पन्त	6	डा0 ए0 के0 गौड़	7	डा0 सन्दीप कुमार	8	डा0 एच0 एस0 धामी
9	डा0 प्रवीन सिंह बिष्ट	10	डा0 एस0 एस0 भण्डारी				

मेरे वतन से अच्छा कोई वतन नहीं है,
सारे जहॉं मे ऐसा कोई रतन नहीं है।
इस देश जैसी गंगा –जमुना कहीं नहीं है,
वेदों से खूब सूरत रचना कहीं नहीं है।
दुनियॉं मे ऐसी धरती ऐसा गगन नहीं है।।

— राजेन्द्र कृष्ण

****

सत्र 2004.05 से 2011 तक हिमवत्स संस्था में कार्यान्वित स्वयं सेवकों का विवरण

कम सं0	स्वयं सेवक का नाम	विद्यालय का नाम	पद	सन 2005 में मानदेय	सन 2006 में मानदेय	सन 2007 में मानदेय	सन 2008 में मानदेय	सन 2009 में मानदेय	सन 2010 में मानदेय	वर्तमान में कार्यरत	अनुमानित मासिक मानदेय
1	श्री नवीन रस्यारा	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	व्यायाम शिक्षक	500	1200					सरकारी अध्यापक रा0 प्रा0पा0 .रौ कुँवर चम्पावत	20000रू
2	श्री संजय टम्टा	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	सहायक अध्यापक	.	1200	1500	2500	.		लिपिक खाद्य विभाग चम्पावत	15000रू
3	श्री मुकेश टम्टा	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	व्यायाम शिक्षक	.	1200	1500	1700	2500	2600	एल.टी. ग्रेड में चयन	25000रू
4	श्रीमती सुधा बोहरा	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	अँग्रेजी अध्यापिका	.	.	.	2500	.	.	बी.एड में चयन	.
5	श्रीमती शान्ति जोशी	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	संगीत	.	.	2500	2500	3000	3000	कुशल गृहणी	.
6	श्री मनोज बोहरा	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	स. अध्यापक	.	1200	.	.	.	.	अर्द्ध सरकारी विभाग में (डेयरी विभाग) चम्पावत	10000रू
7	श्रीमती सुनीता नेगी	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	अँग्रेजी अध्यापिका	500	1200	2500	2500	3000	.	बी.एड. में चयन	.
8	श्रीमती गीता रावत	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	स. अध्यापिका	.	2500	.	.	.	.	कुशल गृहणी	.
9	श्रीमती विभा रस्यारा	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	स. अध्यापिका	.	2500	.	.	.	.	बी.एड. में चयन टी.ई.टी परीक्षा उत्तीर्ण	.
10	श्री गौरव कुमार	रा0प्रा0पा0 कुलेठी	क्यूरेटर	.	.	.	1500	1700	2500	दिल्ली में बैंक लिपिक की तैयारी	.
11	श्रीमती लक्ष्मी जोशी	रा0प्रा0पा0 डुँगरासेठी	स. अध्यापिका	.	.	.	.	1500	.	कुशल गृहणी	.
12	कु. लता बिष्ट	रा0प्रा0पा0 डुँगरासेठी	संगीत	.	.	.	.	.	2500	स्नातक की तैयारी	.
13	कु. शकुन्तला चौधरी	रा0प्रा0पा0 दकना	स. अध्यापिका	.	.	.	2500	.	.	गृह कार्य	.
14	श्री अनिल कुमार	रा0प्रा0पा0 खर्ककार्की	स. अध्यापक	.	.	.	.	1500	2500	सिडकुल कम्पनी रूद्रपुर में कार्यरत	10000रू
15	श्री कमल चौधरी	जूनियर डुँगरासेठी	व्यायाम शिक्षक	.	.	1500	1500	.	.	रोजगार गारण्टी में कार्यरत, चम्पावत	6000रू
16	श्री घनश्याम सिंह	जूनियर डुँगरासेठी	कम्प्यूटर	.	1200	1200	.	.	.	अपना व्यवसाय चम्पावत	5000रू
17	श्री राहुल चौधरी	जूनियर डुँगरासेठी	कम्प्यूटर	.	1500	1500	1500	.	.	अपना व्यवसाय चम्पावत	4000रू
18	श्री दीवान सिंह बोहरा	अंगीकृत विद्यालय	व्यवस्थापक	1500	1800	2600	3000	3500	.	अपना व्यवसाय चम्पावत	8000रू
19	श्री रितेश तिवारी	अंगीकृत विद्यालय	अंगीकृत विद्यालयों में विज्ञान के प्रयोग सिखाये गये।							एम.टैक की तैयारी गाजियाबाद	

1.8 चम्पावत में सपनों की उड़ान, मीना बालिका शिक्षा प्रतियोगिता (राजकीय प्राथमिक केन्द्र विद्यालय चम्पावत)

प्रतियोगिता के लिए सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर, कविता पाठ, विज्ञान, हिन्दी सुलेख, अँग्रेजी सुलेख, गणित, स्वच्छता, चित्रकला विषय रखे गये। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले अंगीकृत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय (कुलेठी, डुँगरासेठी, ढकना, बडोला, खर्ककार्की) तथा अन्य विद्यालय त्यारकूडा, सिमल्टा, मौनपोखरी, फूँगर, कफलॉग, लटोली, मुडियानी, बाजरीकोट, को प्रतिभागी बनाया गया था।

कार्यक्रम का नाम	राजकीय प्राथमिक विद्यालय					राजकीय जूनियर विद्यालय	
	कुलेठी	डुँगरासेठी	ढकना	बडोला	खर्ककार्की	डुँगरासेठी	खर्ककार्की
सामान्य ज्ञान	ज्योति प्रथम	प्रियंका द्वि.	लक्ष्मी, निकिता तृ.				ममता द्वि.
हिन्दी सुलेख		गायत्री द्वि.			चम्पा चौहान तृतीय		
अँग्रेजी सुलेख		गायत्री प्र.				आरुशी द्वि.	रजनी प्रथम
स्वच्छता	तनूजा प्रथम		पिंकी आर्या तृ.			स्मृति प्रथम हर्षिता द्वि. जया तृ.	
चित्रकला							मनीषा प्रथम दीपिका द्वि.
सर्वश्रेष्ठ बालिका	तनूजा प्रथम				चम्पा चौहान तृतीय		स्मृति प्रथम
लोकनृत्य						प्रियंका साथी प्रथम	
समूहगान						स्मृति साथी द्वितीय	

1.9 विशिष्ट उपलब्धियाँ

(i) एक ही विद्यालय कुलेठी से चार छात्रों का जवाहर नवोदय में चयनः–

युवराज टम्टा

सौरभ टम्टा

कु0 ज्योति टम्टा

कु0 रेखा बिष्ट

'साविद्या' निरन्तर छात्रों के चहुँमुखी विकास के लिए प्रयत्नशील है। उनके अंतरंग और वहिरंग विकास के लिए जहाँ संसाधन प्रदान करती है वहीं नवाचारी शिक्षण और उनके बौद्धिक विकास के लिए अग्रगामी परियोजना के रूप में कार्य करती है। इसी क्रम में इस वर्ष रा0प्रा0पा0 कुलेठी के शिक्षकों एवं साविद्या स्वयंसेवकों के श्रम व साधना के परिणाम स्वरूप छात्र–छात्राओं का जवाहर नवोदय विद्यालय में वर्ष 2012 के लिए चयन हुआ। उक्त विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शिक्षक–शिक्षिकाएं प्रशंसा के पात्र हैं तथा साविद्या के स्वयंसेवी शिक्षक अशोक टम्टा जिन्हें ढूंगरासेठी से कुलेठी स्थानान्तरित किया गया तथा प्रकाश पुनेठा विशेष प्रशंसा के पात्र हैं।

चयनित छात्र–छात्राओं का विवरण निम्नांकित है–

क्र.सं.	छात्रा / छात्रा	पिता का नाम	ग्राम	व्यवसाय
1	युवराज टम्टा	श्री भुवन लाल	डुंगरासेठी	व्यापारी
2	कु. रेखा बिष्ट	श्री प्रकाश सिंह	भक्टा / छतार	वाहन चालक
3	कु. ज्योति टम्टा	श्री विनोद टम्टा	डुंगरासेठी	व्यापारी
4	सौरभ टम्टा	श्री बसन्त कुमार टम्टा	डुंगरासेठी	कृषक

(ii) राजीव नवोदय में दो छात्रों का चयनः– विगत वर्ष की भाँति रा0प्रा0पा0 डुंगरासेठी के दो छात्रों गौरव चौधरी व रवीन्द्र चौधरी का चयन राजीव नवोदय विद्यालय के लिए हुआ हैं। इसके लिए प्रधानाध्यापिका श्रीमती षष्ठी पाण्डेय, भगवत चौधरी व अन्य शिक्षक–शिक्षिकाएँ तथा 'साविद्या का मार्गदर्शक मण्डल प्रशंसा के पात्र हैं।

1	गौरव सिंह चौधरी	श्री अमर सिंह	ढुंगरासेठी	मजदूरी
2	रवीन्द्र सिंह चौधरी	श्री हरीश सिंह	ढुंगरासेठी	कृषि

(iii) राजकीय क0पू0मा0 विद्यालय डुंगरासेठी के कक्षा–8 के छात्र चन्द्रशेखर चौधरी पुत्र श्री त्रिलोक सिंह (डुंगरासेठी) का चयन बाल विज्ञान कांग्रेस में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। उक्त छात्र ने श्री रमेश बिष्ट, दीपक टम्टा व सरस्वती अधिकारी के निर्देशन में 'मडुवे की घटती पैदावार' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया। प्रधानाध्यापिका श्रीमती हेमानाथ रावल व मार्गदर्शक मण्डल साधुवाद के पात्र हैं।

(iv) राजकीय प्रा0पा0 कुलेठी के कक्षा–4 के छात्र राम बहादुर का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए लम्बी कूद में तथा कन्या पू0मा0वि0 खर्ककार्की के छात्र राकेश सेठी का चयन चक्का फेंक व ऊँची कूद में राज्य स्तर हेतु हुआ उक्त छात्र तथा सम्बन्धित विद्यालयों को प्रधानाध्यापकों सहित शिक्षक–शिक्षिकाएँ प्रशंसा के पात्र हैं।

1.10 अंगीकृत विद्यालयों में नक्षत्र वाटिका हेतु लगाये गये वृक्षों का विवरण

	2011में जुलाय में लगाये गये			दिसम्बर में में उनकी स्थिति			
विद्यालय का नाम	छायादार	फलदार	कुल	छायादार	फलदार	कुल	स्थिति / विवरण
रा0प्रा0पा0 कुलेठी	19	8	27	19	8	27	सभी पेड़ सुरक्षित हैं
रा0प्रा0पा0 डुँगरासेठी	6	4	10	6	4	10	सभी पेड़ सुरक्षित हैं
रा0प्रा0पा0 ढकना	20	7	27	20	7	27	सभी पेड़ सुरक्षित हैं
रा0प्रा0पा0 बडोला	9	6	15	9	6	15	सभी पेड़ सुरक्षित हैं
रा0क0पू0मा0 डुँगरासेठी	10	2	12	10	0	10	सभी पेड़ सुरक्षित हैं
रा0प्रा0पा0 खर्ककार्की	12	3	15	12	3	15	सीमा सुरक्षा बल के
रा0क0पू0मा0 खर्ककार्की	41	12	53	29	4	33	पास

अंगीकृत विद्यालयों में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2012–13 के लिए चयनित छात्र नामावली

रा0प्रा0पा0 कुलेठी	रा0प्रा0पा0 डुँगरासेठी	रा0प्रा0पा0 ढकना	रा0प्रा0पा0 बडोला	रा0प्रा0पा0 खर्ककार्की
कु0 कविता कुमारी	सचिन सिंह	निकिता भण्डारी	गीता महर	अजय मण्डल
कु0 निशा आर्या	अभय सिंह	लक्ष्मी भण्डारी	तनूजा रंसवाल	रोहित पाण्डेय
कु0 ज्योति नेगी	शुभम सिंह	अंकिता चौधरी	पूजा अधिकारी	दीप्ती समदार
कु0 प्रिया बोहरा	गायत्री	सपना बिंष्ट	पूजा महर	रोमी पुजारी
राजेन्द्र सिह	मनीषा	अंजली कठायत	नीमा मौनी	नीलम सेठी
अमित नेगी	प्रिया	लक्ष्मी पाण्डेय	दीपक खाती	ममता गोस्वामी
विपिन भटट	निकिता	तनूजा चौधरी	नितिन कुमार	लक्ष्मी आर्या
कु0 भूमिका रावत	कुसुमलता	अंकित सिह	राहुल अधिकारी	
		सपना महर		
		मुकेश चनाई		
		आकाश सिह		

2. ज्ञान एवं विज्ञान केन्द्र

चन्द्रशेखर चौधरी

शिक्षा का उददेश्य बालक के अन्तर्निहित गुणों का विकास करना है। शिक्षा केवल पुस्तकें पढ़ लेना, लिख लेना अथवा अंकगणित के कुछ प्रश्न हल कर लेने तक ही सीमित नही हो सकती है। शिक्षकों का कार्य बालक बालिकाओं को एक ऐसा वातावरण देना है जिससे उनमें स्वयं कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो सके। प्राथमिक स्तर पर बालक की स्वयं सीखने की अभिरूचि को जागृत करना और इसका विकास आवश्यक है। यह तभी संम्भव है जब छात्रों के मार्गदर्शन में उचित वैज्ञानिक दष्टि कोण अपनाया जाय। विज्ञान शिक्षण के प्रति जुनून एवं कौतूहल के विकास के उददेश्य से प्राथमिक विद्यालय कुलेठी के परिसर में 7 मई 2008 को संस्था के सचिव एवं आई0 आई0 टी0 कानपुर के से0 नि0 प्रोफेसर डा0 एच0डी0 बिष्ट के प्रयास एवं आई0आई0टी0 कानपुर में सेवारत प्रो0 एच0 सी0 वर्मा के सहयोग से ज्ञान एवं विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गई है। तत्कालीन राज्य सभा सदस्य के0 सतीश चन्द्र शर्मा द्वारा सांसद निधि से प्रदान की गई 6 लाख रूपयें की धनराशि से इस केन्द्र के भवन का निर्माण किया गया। प्राईमरी स्तर से इण्टरमीडिएट तक के विद्यार्थियों के लिए 125 से अधिक विभिन्न प्रयोगों की सुविधा से इस केन्द्र में समीपवर्ती प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के छात्र लाभान्वित हो रहे हैं।

2.1 ज्ञान एवं विज्ञान केन्द्र का अवलोकन

दिनांक 21–06–2011 को हिमवत्स संस्था के अध्यक्ष डा0 के0 के0 पाण्डेय ने नई दिल्ली के डा0 संजीव आनन्द एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र पंत नगर से अरविन्द पाण्डेय के साथ रा0 प्रा0 वि0 कुलेठी एवं विज्ञान केन्द्र का अवलोकन किया। विद्यालय की सभी कक्षाओं का निरीक्षण करने के उपरान्त विज्ञान केन्द्र के स्वयं सेवकों ने डा0 पाण्डेय एवं आगन्तुक अतिथियों को विज्ञान केन्द्र में उपलब्ध संसाधनों एवं केन्द्र की गतिविधियें तथा केन्द्र द्वारा अंगीकृत विद्यालयें के अतिरिक्त आस पास के अन्य विद्यालयों के छात्र/छात्राओं में वैज्ञानिक अभिरूचि के विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया । हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति के संरक्षक श्री जी0 बी0 रस्यारा के संचालन में विद्यालय प्रबन्धन समिति द्वारा आहूत एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए डा0 के0 के0 पाण्डेय ने संस्था की गतिविधि से अवगत कराते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की तकनीकी क्षेत्र में डिप्लोमा इन इन्डस्ट्रियल प्रोसेस की जानकारी दी और कहा कि टाटा मोटर, अशोका लिलेण्ड तथा उत्तरा,खण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से प्रारम्भ की जा रही यह योजना 10 वीं पास उन युवको एवं युवतियों के लिए रोजगार का एक नया सुअवसर है जो किसी कारणवश आगे की शिक्षा जारी नही रख सकते। डा0 अरविन्द पाण्डेय एवं डा0 संजीव आनन्द ने जैविक खाद के उपयोग के लाभ बताते हुए कहा कि वर्तमान में जैविक खेती जहॉ फायदे का सौदा है वहीं इसके उत्पाद स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। फलस्वरूप इसकी पैदावार के दाम भी अपेक्षाकृत अधिक मिल रहे हैं। उन्होने काश्तकारों से कहा कि वह रसायनिक खादों से

दूरी बनायें और जैविक खादों का उपयोग करें। उपस्थित स्वंय सेवक एवं जन समूह से आग्रह किया गया कि वे अपने – अपने क्षेत्रों में किसानों एवं ग्रामीणों में फलों, सब्जियों एवं फूलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें एवं उनमें जैविक खाद के उपयोग के लिए जाग्रति पैदा करें। बैठक में शिक्षकों, स्वयं सेवकों के अतिरिक्त श्री बी0 डी0 फुलारा एवं विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष श्री चेत राम उपस्थित थे।

ज्ञानविज्ञान केन्द्र के कार्यकलापों से प्रभावित होकर डॉ. संजीव आनन्द एवं डॉ. अरविन्द पाण्डेय ने दि0 21–06–2011निम्नांकित विचार व्यक्त कियें

'विज्ञान सम्बन्धित कार्यकलाप (प्रयोग) जिन्हें मुझे समझाया गया, मनोरंजक एवं बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। स्थानीय विद्यालय के अतिरिक्त बाहरी विद्यालयों के विद्यार्थी भी यहॉ आकर विज्ञान केन्द्र में उपलब्ध संसाधनो का अच्छा उपयोग कर रहे हैं। विद्यार्थियों की तार्किक शक्ति एवं वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए साथ ही उपलब्ध साधनों (धन, समय, शिक्षा तथा आधारभूत ढाचां) का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।'

– डा0 संजीव आनन्द (नई दिल्ली)

'हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा प्राईमरी विद्यालयों के उत्थान के लिए निःस्वार्थ भाव से किए जा रहे कार्यों का अवलोकन मेरे लिए एक तरोताजा करने वाला अनुभव था। विद्यार्थियों की विद्यालयों में उपस्थिति बनाये रखने को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हे यूनिफार्म, पुस्तकें, विज्ञान सामग्री एवं विज्ञान के विविध प्रयोगों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए मैं ह्रदय से प्रशंसा करता हूँ। अपने विद्यालय तथा आस पास के अन्य विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए इस संस्था के कर्मचारियों के समर्पण भाव को देखकर मैं गदगद हूँ। मैं विद्यालय को हाई स्कूल स्तर के विद्यालय में उच्चीकृत होने की कामना करता हूँ।'

– डा0 अरविन्द पाण्डेय (कृषि अनुसंधान केन्द्र पंतनगर)

****

राष्ट्र धर्म

"आने वाले 50 वर्षो तक जननी– जन्म भूमि की आराधना करो इस अवधि में अन्य देवी देवताओं को भूल जाने में भी बुराई नही है।"

– स्वामी विवेकानन्द

"भारत मेरे लिए दुनिया का सबसे प्यारा देश है। इस लिए नही कि यह देश मेरा है, लेकिन इस लिए कि इसमें मैने उत्कृष्ट अच्छाई का दर्शन किया है।"

– महात्मा गॉधी

2.2 हिमवत्स (साविद्या) संस्था द्वारा स्थापित विज्ञान प्रयोगशाला में आगन्तुकों की सूची/ विचार/सुझाव/योगदान एवं कार्यान्वयन (2011 तक)

क्रम	माह/वर्ष	आगन्तुक	विचार/सुझाव/कार्यान्वयन
1	1997से	डा0 एच0डी0 बिष्ट	विष्ट परिवार डा0 गो0 व0 बिष्ट एवं श्री टी0 के0 बिष्ट द्वारा स्थापित हिमवत्स के अध्यक्ष डा0 एच0डी0 बिष्ट द्वारा 2004 में साविद्या उपमिति की स्थापना के बाद प्रा0 पा0 कुलेठी को अंगीकृत किया। अंगीकृत करने के बाद कुलेठी में बिजली, पुस्तकालय ,2 कम्प्यूटर, अतिरिक्त कक्ष, एवं शिक्षकों, खेल सामगी जैसे झूला, सी–शा, फिसलपटटी, कैरम, लूडो आदि खेल सामग्री, तथा छात्र/छात्राओं के लिए निःशुल्क गणवेश, लेखन सामग्री आदि की व्यवस्था की गयी। 2008 में इस कुलेठी के विद्यालय में ज्ञान विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गयी। इसी वर्ष आई.आई.टी. कानपुर के प्रो0 हरीश वर्मा व उनके दो सहयोगियों को कुलेठी में क्यूरेटर मैनेजर का प्रशिक्षण दिया गया
2	2004	डा0 के0के0 पाण्डे	6.9.2004 से आम्रपाली निदेशक होते हुए साविद्या संस्था के अध्यक्ष पद पर जुडे। पूर्ण रचनात्मक विचारात्मक सहयोग से संस्था को निरंतर निःशुल्क लाभान्वित करतें रहें है।
3	2 2 08	डा0 एज0 सी0 वर्मा	आई.आई.टी. कानपुर एवं कुलेठी में क्यूरेटर एवं मैनेजर के प्रशिक्षण की व्यवस्था की और प्रशिक्षण दिया ।
4	21 5 08	डा. डी0डी0 जोशी अ0 प्रा0 प्राध्यापक	प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय की सराहना की।
5	25 5 08	श्रीमती मन्जू बिष्ट	यू.एस. ए, संस्था के कार्यों की सराहना की
6	26 5 08	डा. पी0बी0 बिष्ट	प्रो आई.आई.टी.चेन्नई– भौतिक विज्ञान के प्रयोगों की सराहना की
7	26 5 08	श्री के0सी0 पाण्डेय	वैज्ञानिक बैंगलूर– वि0 केन्द्र को एक संग्रहालय का रूप बताया
8	31 5 08	डा0 विमल	विज्ञान केन्द्र को अध्यापकों के लिए ज्ञान का स्रोत बताया
9	1 6 08	डा0 एम.पी. जोशी	प्रवक्ता मिनी डायट–विज्ञान केन्द्र छात्रों के लिए वैज्ञानिक द्रष्टिकोण पैदा कर रहा है
10	6 6 08	श्रीमती नीलिमा	बिकानेर– प्रयोगशाला को देखकर बच्चों में वैज्ञानिक गुणवत्ता बढाने की प्रेरणा मिली
11	6 6 08	श्रीमती अर्चना नई दिल्ली	मैं भी अपने बच्चों को इसी प्रकार से पढाने के लिए प्रयत्न करूंगी
12	6 6 08	श्री चन्द्र शेखर इंजीनियर	विज्ञान के छोटे से छोटे सिद्वान्त समझने में छात्र सक्षम होगे
13	7 9 08	डा0 वाई0 पी0 गुप्ता	सेवानिवृन्त प्रधानाचार्य कुमाऊँ इंजीनियर कालेज द्वाराहाट संस्था भविष्य के युवाओं को वैज्ञानिक शक्ति के विकास की प्रेरणा दे रही है
14	27 9 08	श्री एच. सी. जोशी हल्द्वानी विकय प्रबन्धक आर.एस.आई.	पुस्तकों एवं उपकरणों के अनुभवों से अनेक प्रश्नों के उत्तरों का ज्ञान अर्जित होता है।
15	1 10 08	सुश्री विनीता बी.टेक	समय मिलने पर इस केन्द्र में अपना समय दूंगी
16	6 11 08	श्री सुमित बी.टेक	बच्चों को वैज्ञानिक संस्थाओं में भ्रमण हेतु ले जाना चाहिए
17	14 11 08	श्री ए0के0 सिंह खण्डशिक्षा अधिकारी चम्पावत	केन्द्र का नाम सर्वशिक्षा अभियान जिला परियोजना अधिकारी के द्वारा मयूर विहार देहरादून को प्रेसित किया जायेगा
18	25 12 08	श्री ए0 पी0 श्रीवास्तव कु0 अपर्णा श्रीवास्तव	एडीशनल डायरेक्टर भोपाल इस प्रकार की संस्था में कार्य करके, यह प्रोम्साहन मिलता है कि भारत में अब भी बिना स्वार्थ लोगों के लिए कार्य करने वाले उपस्थित हैं
19	2 6 09	सुनील बिष्ट य0एस0ए0	दैनिक जीवन में उपयोगी उपकरणों के प्रयोग दिखाने चाहिए
20	23 6 09	श्री रमेश शुक्ला अपर जिला शिक्षा अधिकारी चम्पावत	शिक्षा विभाग की ओर से पूर्ण सहयोग हेतु विचार दिये।
21	26 3 09	श्री आर0एस0 बोहरा सीआरसी समन्वयक	संस्था के प्रयास एवं गामीण जनता के सहयोग की सराहना की।

22	3 6 09	श्री कमल गहतोडी	जिला समन्वयक चम्पावत– हिम्वत्स संस्था द्वारा विज्ञान केद्र, पुस्तकालय,तथा वितरित की गयी साम्रगी की सूची ली गयी
23	6 7 09	कु0 रीता पंत	एम0एस0सी0 फिजिक्स– इस प्रकार के विज्ञान केद्र गांव में खोलने पर विकास की सम्भावना बढ जाती है।
24	9 10 09	श्री भोपाल सिंह	समन्वयक रूडकी– प्रदेश में बहुत जगह भ्रमण किया लेकिन इस प्रकार का कार्य जो यह संस्था चला रही है पहली बार देख रहा हूँ कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है।
25	10 11 09	श्री पी0डी0 गहतोडी	प्रधानाचार्य– यह प्रयोगशाला चम्पावत के सभी विद्यालयों के लिए उपयोगी होगी।
26	3 4 10	अशोक डोसाल मंसूरी–	हिमवत्स के प्रयासों से आस पास के समुदाय को प्रेरणा लेनी चाहिए
27	3 4 10	श्री आर0 एस0 नेगी उपखण्ड शिक्षाधिकारी	आस पास के सभी समुदायों का संयोग लेना चाहिए
28	20 10 10	श्री चन्द्रकान्त बिष्ट यू0एस0ए0–	छात्रों की हर परेशानी को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए
29	29 10 10	श्री मनोज भटट एम.टेक–	प्रयोगशाला एवं पुस्कालय के लिए उपयोगी टिप्स दियें
30	5 2 11	डा0 जोशी डप्टी सी0एम0ओ0	संस्था के कार्यों की सराहना की।
31	13 4 11	डा0 बी0डी सुतेडी सेवानिवृत	नालेज क्लब की बैठक की गयी
32	1 6 11	डा0 बहाउद्दीन डा0 दुम्का ऐरिज नैनीताल डा पी0 बी0 बिष्ट आई.आई. टी. चेन्नई	सोलर एक्टिविटीज एवं जलवायू सम्बन्धित व्याख्यन दिया। जानकारी दी प्रोजक्टर के माध्यम से लैजरतथा पर्यावरण को सुरक्षित करने हेतु जानकारी दी।
33	21 6 11	संजीव आनन्द हल्द्वानी	पहाड़ की जलवायु में होने वाले उत्पादनों की जानकारी दी।
34	21 6 11	अरविन्द पाल हल्द्वानी	जैविक खेती के बारे में बताया
35	21 6 11	डा0 के0 के0 पाण्डेय हल्द्वानी	क्षेत्र के बेरोजगार नवयुवक युवतियों को तकनिकि शिक्षा से जोडकर रोजगार प्राप्त करने की जानकारी दी।
36	6 9 11	श्री आनन्द भारद्वाज बी.एस.ए. चम्पावत	शिक्षा के क्षेत्र में संस्था के सहयोग की सराहना की
37	7 9 11	श्री मुकेश वर्मा समन्वयक न्याय पंचायत चम्पावत	शिक्षा के क्षेत्र में संस्था का सहयोग अतुलनीय है

2.4 ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता परिणाम (प्राथमिक एवं जूनियर स्तर) सत्र 2011–12

क्र0सं0	विद्यालय का नाम	कुल उपस्थित छात्र सं0	पूर्णॉक 25	प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान		
				प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	प्रा0 वि0 कुलेठी	6		ज्योति नेगी –5 = 25 अंक	कविता–5 = 24	
2	प्रा0 वि0 डुॅंगरासेठी	8				सचिन सिंह–5 = 23
4	जू0 वि0 खर्ककार्की	6		नन्द किशोर–8 = 22	हरीश कमल–8 = 21	
5	जू0 वि0 कुलेठी	12				कु रेखा महर –7 = 20

प्रा. वी. ढकन,बडोला, खर्ककार्की से 6,5,8,छात्रो ने एवं जू. वि. डुगरासेठी से 8 छात्रों ने भाग लिया, परन्तु कोई छात्र पहले तीन में नहीं स्थान पाया।

2.5 चक्रीय पुस्तकालय

शिक्षा, शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया तब तक अधूरी है जब तक पुस्तकें और सम्बन्धित साहित्य की सुलभता न हो प्राथमिक स्तर पर एक आदर्श विद्यालय में बाल साहित्य से सम्बन्धित पुस्तकालय की सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रा0वि0 कुलेठी में ज्ञान एवं विज्ञान संसाधन केन्द्र में एक चक्रीय पुस्तकालय की स्थापना की है। इस पुस्तकालय से प्रतिमाह 2 बार अन्य अंगीकृत विद्यालय अपनी आवश्यकतानुसार पुस्तकें प्राप्त कर अपने अपने विद्यालयों के छात्रों की पुस्तक सहायता प्रदान करते है। हिमवत्स ने इस कार्य के लिए एक लाइब्रेरियन की नियुक्ति की है जो इसका लेखा जोखा रखते है। पुस्तकालय में बाल सभा साहित्य के अतिरिक्त, भाषा गणित, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान मनोविज्ञान सहित लगभग 2500 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। माध्यमिक स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने वाले छात्रों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाली पढ़ी–लिखी गृहणियों के लिए उपयोगी पुस्तकों को भी इस संग्रह में सम्मिलित किया है। अंगीकृत विद्यालयों में पुस्तकें रोटेशन में वितरित की जाती है। अभिभावक, स्थानीय छात्र एवं महिलाएँ अपनी आवश्यकता के अनुसार केन्द्र में आकर पुस्तकें प्राप्त करती हैं।

****

"स्थल व काल (Time and space) से अलग होकर चिन्तन भारत की अपनी विशेषता है।"

– विनोव भावे

****

2.6 चक्रीय पुस्तकालय का विभिन्न विद्यालयों एवं समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा प्रयोग एवं निर्गत की गयी पुस्तकों का विवरण सत्र 2010–11

माह	अंगीकृत विद्यालय	स्थानीय विद्यार्थी	अभिभावक	शिक्षक
जनवरी 2011	शीतकालीन अवकाश	48	12	16
फरवरी	180	45	15	13
मार्च	185	28	9	11
अप्रेल	155	18	7	14
मई	145	20	11	10
जून	210	30	6	17
जुलाय	170	15	9	12
अगस्त	165	12	10	13
सितम्बर	140	15	08	23
अक्टूबर	175	14	18	13
नवम्बर	165	15	11	23
दिसम्बर	100	12	11	15

2.7 क्यूरेटर साइंस रिर्सोस सेण्टर की माह जून से अगस्त 2011 तक की कार्य आख्या

दिनांक	कक्षा / छात्र	कार्य आख्या (विद्यालय के छात्र)
8से 25.जून	–/–	श्री गौरव बोहरा ने प्रयोगों की जानकारी दी (साइंस रिर्सोस सेण्टर)
26.06.11	7/8	गुरूत्वाकर्षण बल आदि में उपकरण दिखाये (एग्डनोस संस्कृति एवं मल्लिकार्लुन विद्यालय)
27.06.2011	9/9	प्रकाश का अपवर्तन, वायुदाब के प्रयोग(जी.जी.आई.सी.चम्पावत)
28.06.2011	–/–	उपकरणों की साफ सफाई (साइंस रिर्सोस सेण्टर)
29.06.2011	5/16	सजीव और निर्जीव वस्तुओं के बारे में बताया (रा.प्रा. कुलेठी)
6.07.2011	'7–8/18	हैण्डपम्प की कार्यविधि बतायी (रा.जू. कुलेठी)

7 एवं 8.2011	रा.प्रा. कुलेठी	5	34	शारीरिक एवं पर्यावरणीय स्वच्छाता के बारे में बताया
9.07.2011	....			गिरिबाला पंत पुरस्कार के सम्बन्ध में जी.जी. आई. सी एवं जी. आई. सी चम्पावत गया
12.07.2011	रा.प्रा. कुलेठी	5	19	मानव कंकाल एवं हड्डियों के बारे में जानकारी दी
12.07.2011	डुँगरासेठी गॉव		50	प्रोजक्टर के माध्यम से गुटका से होने वाले दुष्प्रभाव वाली सी.डी. दिखायी
14.07.2011	रा.प्रा. कुलेठी	4	6	हवा से सम्बन्धित प्रयोग दिखाये
15.07.2011	साइंस रिर्सोस सेण्टर			छात्र/छात्राओं की स्वेटर एवं जूते की सूची बनायी
16.07.2011	रा.प्रा. कुलेठी	5	17	पेड पौधौं एवं जन्तुओं में समानता एवं भिन्नता के बारे में बताया
18.07.2011	जू. कुलेठी	8	14	प्रकाश का अपवर्तन प्रयोग द्वारा बतायाा
25 से 28 तक	....			हिमवत्स संस्था द्वारा भेजी गयी शिक्षण सामग्री को वितरित करने में अपना सहयोग
1.08.2011	रा.प्रा. कुलेठी	5	16	संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी दी
2.08.2011	रा.जू. कुलेठी	6–7	16	वायुदाब एवं आज्ञाकारी बोतल के प्रयोग
3.08.2011	रा.प्रा.कुलेठी	4–5	25	हैण्डपम्प की कार्यविधि प्रयोग द्वारा समझायी
4.08.2011	रा.जू. कुलेठी	6	9	दो समतल दर्पणों के बीच दिखायी देने वाली आकृतियों को प्रयोग द्वारा दिखाया
8.08.2011	जू. कुलेठी	6.7.8	33	प्रोजक्टर के माध्यम से कल के बाद पर्यावरण सम्बन्धित सी.डी. दिखयी
9.08.2011	साइंस रिर्सोस सेण्टर			शिक्षण सामग्री बॉटने की सूची बनायी
10.08.2011	जू. कुलेठी	7 एवं 8	16	गुरूत्वाकर्षण के विपरीत कार्य करने वाले प्रयोग
11.08.2011	रा.प्रा. कुलेठी	4 एवं 5	25	हमारे आस पास पाये जाने वाले जीव एवं पौधौं के बारे में बताया
12.08.2011	साइंस रिर्सोस सेण्टर			उपकरणों की साफ सफाई एवं रखरखाव
19.08.2011	....			पेडों के सम्बन्ध में वनाधिकारी कार्यालय गया
20.08.2011	रा.प्रा. कुलेठी	3	9	स्वच्छता के बारे में बताया
23 एवं 24–11	जू. कुलेठी	6 एवं 7	33	घर्षण बल को प्रयोग के माध्यम से बताया
25.08.2011	रा.प्रा. डुँगरासेठी	4	15	हमारे काम आने वाले संयोगी एवं संस्थाओं के बारे में जानकारी दी
29.08.2011	जू. डुँगरासेठी	6.7.8	26	वायुदाब, जादुई लोटा प्रयोग
30.08.2011	रा.प्रा. कुलेठी			संस्था की मासिक बैठक में प्रोजक्टर द्वारा भेजी गयी सी0डी दिखायी

3. शिक्षकों का प्रशिक्षण

शिक्षण प्रक्रिया विधार्थी केन्द्रित प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। एक प्रशिक्षित एवं अपने कार्य के प्रति समर्पित शिक्षक ही एक आदर्श शिक्षक की भूमिका का निर्वहन कर सकता है। स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में समय–समय पर किये जाने वाले परिवर्तन और इस पाठ्य वस्तु के कठिन बिन्दुओं का समाधान प्रस्तुत करने हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण आवश्यक है। सरकार द्वारा अपने मानकों के अनुसार प्राथमिक स्तर के विद्यालयों की पांच कक्षाओं के लिए विद्यार्थी संस्था के अनुसार 1 से 5 अथवा अधिक शिक्षकों की व्यवस्था का मानक निश्चित किया है। हिमवत्स साविद्या का मानना है कि प्रभावी शिक्षा एवं छात्रों में गुणात्मक विकास के लिए प्रति कक्षा एक शिक्षक अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इसी तथ्य को संज्ञान में लेते हुए साविद्या ने अंगीकृत विद्यालयों में राज्य द्वारा प्रदत्त (1 या 2) शिक्षकों के अतिरिक्त शिक्षकों की सुविधा प्रदान की है जिससे हर कक्षा के लिए एक शिक्षक हो तथा विद्यालय में कोई कक्षा शिक्षक के अभाव में निष्क्रिय न बैठी रहे। वर्तमान सत्र में साविद्या ने अपने अंगीकृत विद्यालयों में 16 शिक्षकों की नियुक्ति की है। इनमें से अधिकांश शिक्षक ग्रामीण क्षेत्रों के पढ़े लिखे बेरोजगार युवक–युवतियां है। अतः यह आवश्यक है कि इन शिक्षकों को पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाय ताकि इच्छित शैक्षिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

वर्ष 2010 साविद्या द्वारा विद्यालयों के अवकाश के दिनों में शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य किया जाता रहा है। इस कार्य के लिए हमें स्थानीय शिक्षाविदों का सहयोग मिलता रहा है। इन प्रशिक्षण शिविरों में छात्रों के सीखने के लिए विविध उपाय, बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास में खेल–कूद एवं प्राणायाम का महत्व, शिक्षण कार्य में सहायक सामग्री के रूप में चार्ट, माडल, C.D, तथा विज्ञान से सम्बन्धित प्रयोग कक्षा में आदर्श पाठ एवं कठिन शब्दों का लिखना, कक्षा में प्रवेश करने से पहले शिक्षकों द्वारा पाठ्य योजना तैयार करना आदि महत्व पूर्ण बिन्दुओं का समावेश किया जाता रहा है। शिक्षण व प्रशिक्षण कार्य को और अधिक रूचिकर बनाने तथा शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों के लिए अधिक प्रभावी एवं लाभकारी बनाने की दृष्टि से सत्र 2010–11 से अनुश्रवण की कार्य योजना प्रारम्भ की गई। इसके अन्तर्गत स्थानीय शिक्षाविदों के द्वारा प्रत्येक माह प्रत्येक शिक्षक के कक्षा शिक्षण कार्य का निरीक्षण किया जाता है। छात्रों के क्रिया कलाप एवं शिक्षक के सहयोग को शिक्षण कार्य में महत्वपूर्ण स्थान देते हुए और अधिक प्रभावशाली एवं छात्र–छात्राओं के लिए रूचिकर एवं ज्ञानवर्धक बनाने के उद्देश्य से आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिये जाते हैं। प्रतिमाह एक दिन सभी अंगीकृत विद्यालयों के स्वयं सेवक शिक्षकों की बैठक में शिक्षक महिने भर के कार्यो का लेखा जोखा डायरी अनुदेशको के सुझाव हेतु प्रस्तुत करते हैं तथा शिक्षण कार्य में आ रही कठिनाइयों पर विचार करते हैं। अनुदेशक इस कार्य में शिक्षकों की सहायता करते हैं। अगले माह के अनुश्रवण में इन बिन्दुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अनुभवी अनुदेशको के संरक्षण एवं उत्साही शिक्षकों की कार्यशीलता के परिणाम स्वरुप–

1. अनुदेशकों की उपस्थिति में कार्य करते हुए शिक्षकों के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।
2. शिक्षण कार्य के लिए उचित योजना तैयार कर कक्षा में प्रवेश करने से जहाँ शिक्षण कार्य प्रभावशाली हो रहा है वही छात्रों में पढने के प्रति रूचि बढी है।

3. विद्यालयों में अनुश्रवण कार्य योजना से शिक्षक एवं छात्र दोनों लाभान्वित हो रहे है।
4. मासिक बैठकों की योजना से शिक्षक एवं ग्राम शिक्षा समिति तथा अनुदेशकों के मध्य संवाद की रिक्तता कम हुई है।
5. शिक्षण कार्य में रोचकता में वृद्धि के परिणाम स्वरूप बच्चों की अनुपस्थित रहने की प्रवृति में कमी आई है।
6. लिखित कार्य की नियमित जांच होती है। लेखन कार्य नियमित रूप से हो रहा है जिससे बच्चों के वाचन, लेखन अंकबोध में वृद्धि हो रही है।
7. छात्र–छात्राओं के प्रति मधुर एवं सहानुभूति पूर्ण व्यवहार से उनमें पठन--पाठन के प्रति उत्साह एवं अनुशासन की प्रेरणा तथा आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है।

समीक्षात्मक अनुश्रवण आख्या माह अक्टूबर 2011

दिनाक 31.10.2011 को माह अक्टूबर 2011 की अनुश्रवण की समीक्षा संस्था के संरक्षक श्री जी0बी0 रस्यारा की अध्यक्षता में की गयी। अनुश्रवण अधिकारी के रूप में श्री बी0डी0 फुलारा जी एवं डा0 तिलकराज जोशी जी ने प्रतिभाग किया। अनुश्रवण के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए उपस्थित स्वयं सेवी अध्यापकों को निम्नवत आवश्यक निर्देश दिये गये।

माह अक्टूबर 2011 की अनुश्रवण में डा0 तिलक राज जोशी ने बताया कि हमारा उददेश्य बच्चों को शैक्षिक सूचना देना नहीं अपितु उनको बौद्धिक रूप से सक्रिय करना है। बच्चों को खेल विधि या अभिरूचि में वृद्धि की युक्तियों से अध्यापन करना चाहिए।

श्री गोविन्द बल्लभ रस्यारा ने कहा कि स्वयंसेवी अध्यापक को सेवाभाव से ही कार्य करना है। अतः उन्हें बच्चों के प्रति विशेष आत्मीयता और स्नेह देना आवश्यक है। साथ ही बच्चों को उनके मानसिक स्तर के अनुसार विषय पढ़ाया जाय।

श्री बी0डी0 फुलारा ने इस बात पर बल दिया कि हमारे अनुश्रवण के बाद स्वयंसेवी अध्यापकों में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। उन्हें छात्र/छात्राओं को अधिकतम लाभान्वित करने की दृष्टि से उनके लिखित कार्य मानसिक स्तर के अनुसार विषयानुसार समय दिया जाना चाहिए। उत्तर पुस्तिका की जॉच पर विशेष बल दिया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी पर भी आपस में विचार विमर्श किया गया।

अंगीकृत विद्यालय के छात्र–छात्राओं में शिक्षा के प्रति अभिरूचि में वृद्धि हुई है तथा प्रभावी शिक्षण के फलस्वरूप विषय वस्तु भी छात्रों के लिए अधिक बोधगम्य हुई है। यह संस्था की विशेष देन है। मासिक बैठक में सभी स्वयं सेवक उपस्थित थे।

अनुश्रवण समिति में डा. टी. आर. जोशी श्री जी. बी. रस्यारा व श्री बी. डी. फुलारा थें।

****

4. रोजगार प्रशिक्षण

प्रारम्भ से ही बालक का श्रम के प्रति लगाव बहुत आवश्यक है। आज के युग में जहाँ सरकारी विभागों में रोजगार की सम्भावना बहुत कम हो चुकी है वहीं स्वरोजगार की भावना को विकसित करने के लिए छात्रों में उनके कौशल के विकास, स्वावलम्बन एवं श्रम के प्रति रूचि के महत्व को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है। अस्सी के दशक में शिक्षा पर कोठारी आयोग ने अपने प्रतिवेदन में इस तथ्य को स्वीकार करते हुए यह कल्पना की थी कि स्कूल, कालेज से निकलने के बाद हर छात्र को रोजगार सुलभ कराने के लिए रोजगार आधारित शिक्षा एवं कार्यानुभव की सुविधा होनी चाहिए और इसे पाठ्यक्रम में स्थान मिलना चाहिए। हाल के वर्षों में भी इस पर काफी चर्चा हुई है। सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, इम्ब्रोइडरी, खांद्य प्रसंस्करण, फल संरक्षण, कम्प्यूटर नैट वर्किग, कम्प्यूटर रिपेयरिंग, डॉल मेकिंग, बागवानी आदि अनेक क्षेत्रों में छात्रों के कौशल को विकसित किया जा सकता है जिससे आने वाले समय में स्वयं रोजगार के साधन जुटा सकें। इसी दृष्टिकोण से हिमवत्स संस्था ने वर्ष 2008 से हल्द्वानी में रोजगार परक शिक्षा की व्यवस्था की।

21 जून 2008 में यहाँ नयी बस्ती स्थित शिव गोपाल सरस्वती शिशु मन्दिर में कम्प्यूटर एवं सिलाई प्रशिक्षण का शुभारम्भ हुआ। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र नयावाद छड़ैल में 15 अक्टूबर 2088 से कम्प्यूटर एवं खिलौने तथा विभिन्न प्रकार के फूल बनाने का प्रशिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया। जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

अवधि	प्रशिक्षण का नाम	स्थान	प्रशिक्षित छात्र संख्या	प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
1 जुलाय से 30 अक्टूबर 08	ड्रैस डिजाइनिंग कम्प्यूटर	नई बस्ती	2726	ड्रेस डिजायनिंगः–एप्रेन, पेटीकोट, सलवार सूट, पायजामा, ब्लाउज, बच्चों के सूट, फ्राक तथा चूडीदार पायजामा की कटिंग तथा सिलाई।
1 जनवरी से 30 अप्रैल 09	ड्रैस डिजाइनिंग कम्प्यूटर	नई बस्ती–	2322	कम्प्यूटर :– बेसिक कम्प्यूटर कोर्स
1 जुलाय से 30 अक्टुबर 09	ड्रैस डिजाइनिंग कम्प्यूटर डौल मेकिंग	नई बस्ती–	2121	सौफ्ट टौइज :– टैडीबियर तथा अन्य खिलौने व विभिन्न प्रकार के फूल।
15 अक्टुबर से 15दिसम्बर 08		छडैल	17	
15 अक्टुबर 08 से 15 जन. 09	कम्प्यूटर डौल मेकिंग	छड़ैल–	4941	
10 मई से नवम्बर 10	ड्रैस डिजाइनिंग कम्प्यूटर	नई बस्ती–	2015	

5. सिद्व जागरण सेवा समिति

सरकारी योजनाओं, गैर सरकारी, अलाभकारी संगठनों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का लाभ जनसामान्य तक पहुँचना तभी सम्भव है जब आम जनता तक इन कार्यक्रमों की जानकारी न हो। इसी तथ्य को संज्ञान में लेते हुए हिमवत्स ने सिद्व जागरण सेवा समिति की स्थापना की है। समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों को सम्मलित करते हुए यह समिति स्थानीय जनमानस में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जन जागरण तथा महिलाओं, बच्चों एवं समाज पिछड़े वर्ग के लोगों को उनके कर्तव्य एवं अधिकार के प्रति सजग करने का कार्य करती है। सामाजिक न्याय, ग्राम विकास, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों द्वारा ग्राम विकास से सम्बन्धित योजनाओं के नियोजन एवं क्रियान्वयन में भागीदारी करने के लिए यह समिति जन जागरण का कार्य करती आ रही है। वय के अनुसार इसका गठन 3 प्रभागों में किया गया है।

बाल प्रभाग :– 6 से 16 वर्ष के बालक / बालिकाएँ इस वर्ग में आती हैं। इस वर्ग के अन्तर्गत बच्चों का विद्यालय में पंजीकरण, पठन–पाठन के प्रति चेतना, जन्म प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराना, टीकाकरण के प्रति जागरूकता, बालिका शिक्षा के प्रति जागरूकता, आत्मरक्षा, विद्यालय, गाँव एवं घर की स्वच्छता, खेल–कूँद एवं मनोरंजन के प्रति जनचेतना जाग्रत करना इस प्रभाग की परिधि में सम्मिलित है।

युवा प्रभाग :– सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों के प्रति सजगता, ग्रामीण विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए उनका लाभ आम जन तक पहुँचाना युवा प्रभाग का दायित्व है। हिमवत्स द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में सहभागिता, सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान को समय पर प्राप्त करना, क्षेत्र की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए बराबर प्रयत्न करना, बाल प्रभाग को संरक्षण देते हुए प्रोत्साहित करना, छात्रों को विभिन्न छात्रवृति योजनाओं एवं माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी प्रदान विविध क्षेत्रों मे व्यापक अनुभव रखने वाले पयोवद स्त्री–पुरूष इस वर्ग मे आते है। युवा प्रकोष्ठ का दायित्व है।

वयस्क नागरिक प्रभाग :– इस प्रभाग को अपने जीवन के व्यापक अनुभवों के आधार पर बच्चों एवं विशेष रूप से क्षेत्रीय युवाओं का मार्गदर्शन करने का दायित्व दिया गया है। इस प्रभाग का कार्य अपने प्रेरणादायक व्यवहार से सामाजिक रहन–सहन को मधुर बनाना, सामाजिक सौहार्द एवं ब्याप्त बुराइयों पर नजर रखना है। सामाजिक गतिविधियों, शैक्षिक, स्वास्थ्य, खेलकूँद की गतिविधियों तथा ग्रामीण सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता है।

5.2 विश्व पर्यावरण सप्ताह (1 से 4 जून 2011)

शिक्षा में गुणवत्ता, स्वास्थ्य की सुरक्षा, पर्यावरण की शुद्वता एवं पिछड़े पृष्ठ भूमि में जीवन यापन करने वाले लोगों में जागृति पैदा करना समिति का मुख्य लक्ष्य है। इन्ही लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समिति वर्षभर समय–समय पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण सुरक्षा के सम्बन्ध में जनजागरण एवं तत् सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण के लिए वर्ष 2011 में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर पूरे सप्ताह समिति ने विविध कार्यक्रमों का आयोजन एवं समस्याओं के निराकरण के लिए बैठकें एवं जनजागृति के लिए रैलियों का आयोजन किया। क्षेत्रीय जनता, स्कूली छात्रों के अतिरिक्त बुद्विजीवियों से शिक्षाविदों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

1 जून 2011 को स्थानीय जी0 आई0 सी0 में समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने जल, जंगल तथा जमीन को बचाने का आह्वान किया तथा पर्यावरण की अशुद्वता के दुष्परिणाम से सचेत कराया। आर्यभट्ट अनुसंधान संस्थान नैनीताल से के डा0 बहाउदीन ने सोलर एक्टिविटीज से अवगत कराया। उनके अनुसार पर्यावरण की शुद्वता मनुष्य की जागरूकता पर निर्भर है। उसी संस्थान के डा0 यू0सी0 दुम्का ने मौसम तथा जलवायु के सम्बन्ध में जानकारी दी। आई0 आई0 टी0 चेन्नई के डा0 पी0 वी0 बिष्ट ने लेजर विधि द्वारा विभिन्न प्रयोग कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के तरीके बताये। विशेषज्ञों ने छात्र–छात्राओं को प्रोजेक्ट, चार्ट, एवं पोस्टर के माध्यम से पर्यावरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जी0 आई0 सी0 के प्रधानाचार्य डा0 बी0 सी0 जोशी, हिमवत्स के डा0 सुतेडी, श्री बी0 डी0 फुलारा ने अपने सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण की शुद्वता से ही मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है। छात्र / छात्राओं एवं क्षेत्रीय जनता ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 एच0 डी0 बिष्ट एवं संचालन श्री पी0 सी0 पाण्डेय ने की।

2 जून 2011 को संस्था के सचिव डा0 एच0 डी0 बिष्ट ने आज पूर्वाह्न में रा0 प्रा0 वि0 कुलेठी तथा अपराह्न में रा0 क0 पू0 मा0 वि0 डुँगरासेठी में प्राईमरी विद्यालय डुँगरासेठी, ढकना, बडोला के विद्यालय प्रबन्धन एवं विकास समिति की बैठक में विश्वपर्यावरण दिवस के महत्व एवं इस दिवस को मनाये जाने की आवश्यकता पर समिति का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विद्यालय की शैक्षिक गतिविधि, गणवेश, मानक के अनुरूप शिक्षक, विद्यालय भवन, मध्याह्न भोजन व्यवस्था, कम्प्यूटर, विज्ञान केन्द्र पेयजल की व्यवस्था, बिजली, रसोई घर आदि की जानकारी प्राप्त की व समस्याओं के समाधान के लिए विचार विमर्श किया तथा यह निश्चय किया गया कि विभाग स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए समय रहते विभाग से सहयोग प्राप्त करने का प्रयत्न किया जाय।

3 जून 2011 को प्रातः रा0 पू0 मा0 वि0 एवं प्राथमिक विद्यालय खर्ककार्की के विद्यालय में प्रबन्धन समितियों के साथ विद्यालयों की समस्याओं और उनके निराकरण पर विचार विमर्श किया गया इसी क्रम में 3 जून को ही सचिव महोदय ने कूर्मांचल एग्लों संस्कृत विद्यालय चम्पावत के विद्यालय कमेटी, प्रधानाचार्य एवं आचार्यों की एक बैठक में ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विषय पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सहयोग से महाविद्यालय में एक अध्ययन केन्द्र खोले जाने की सम्भावना पर विचार विमर्श किया।

जिलाधिकारी एवं जिलाशिक्षाधिकारी के साथ बैठक – 3 जून 2011 को संस्था के सचिव डा0 एच0 डी0 बिष्ट ने जिलाधिकारी डा0 पी0 के0 पाण्डेय एवं जिला शिक्षाधिकारी के साथ एक बैठक में चम्पावत में संस्था की विभिन्न गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया तथा अंगीकृत विद्यालयों की समस्याओं के निराकरण के लिए उनके सहयोग की अपेक्षा लि।

अंगीकृत विद्यालयों द्वारा रैलियों का आयोजन

4 जून 2011 को ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरण के उद्देश्य से सभी विद्यालयों ने रैली का आयोजन किया इन रैलियों में संस्था के स्वयं सेवक, विद्यालय के शिक्षक, विद्यालय प्रबन्धन एवं विकास समिति के सदस्यों ने भागीदारी की। छात्र/छात्राएं प्रातः काल समीपवर्ती गाँव में घूम कर पर्यावरण से सम्बन्धित लोकगीतों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संतुलन एवं पर्यावरण बचाओं का संदेश देते हुए विद्यालय पहुंचे। सभी विद्यालयों में रैली के समापन के उपरान्त पर्यावरण दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र/छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों की उपयोगिता, घरों एवं गावों में सफाई, पीने के पानी की स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वच्छता का संदेश देने का प्रयत्न किया। रा0 प्रा0 वि0 कुलेठी में डा0 एच0 डी0 बिष्ट, श्री जी0 बी0 रस्यारा, रा0 जू0 डुँगरासेठी में डा0 तिलकराज जोशी, डा0 जी0बी0 बिष्ट, डा0 पी0 बी0 बिष्ट ने पर्यावरण दिवस मनाने एव पर्यावरण सुरक्षा के महत्व की जानकारी बच्चो को दी। रा0 प्रा0 वि0 ढकना में श्री करम सिंह बडोला, प्रा0 वि0 ढकना–बडोला में श्री बी0 डी0 फुलारा रा0 जू0 एवं प्रा0 वि0 खर्ककार्की में श्रीमती रेखा जोशी एवं श्रीमती मोहनी वर्मा ने छात्र/छात्राओं को अपने पर्यावरण को साफ–सुथरा रखने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं रोपे गये वृक्षों एवं पौधों को सुरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2011

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था द्वारा 28 फरवरी को महान वैज्ञानिक डा0 सी0 वी0 रमन के जन्म दिन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। अधिक से अधिक छात्र/छात्राओं की सहभागिता एवं अभिभावक एवं क्षेत्रीय जनता की उपस्थिति को सुनिश्चित करने हेतु इस वर्ष समारोह के स्वरूप में परिवर्तन किया गया। चम्पावत शहर के एक सार्वजनिक स्थान में न होकर समारोह अगीकृत विद्यालयों विज्ञान केन्द्र तथा जनपद के मुख्यालय में स्थित राजकीय कन्या इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, डिग्री कालेज तथा जवाहर नवोदय विद्यालय में यह कार्यक्रम चार सत्रों में आयोजित किया गया।

पहला सत्रः– यह सत्र ज्ञान–विज्ञान केन्द्र में प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक आयोजित किया गया। इस सत्र में सभी विशिष्ट आगन्तुकों एवं वक्ताओं ने प्रतिभाग किया।

दूसरा सत्रः– 9 बजे से 1 बजे तक रा0प्रा0वि0 कुलेठी, कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुंगरासेठी, रा0प्रा0वि0 ढकना, रा0कन्या मा0वि0 खर्क कार्की, जी.जी.आई.सी. चम्पावत, नवोदय विद्यालय एवं डिग्री कालेज में सम्पन्न हुआ।

तीसरा सत्रः– 2 बजे से 6 बजे तक आयोजित यह सत्र जी0आई0सी0 के सभागार में सम्पन्न किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2011 के इस प्रमुख एवं सामूहिक सत्र में द्वीप प्रज्व्लन के साथ आगन्तुकों का स्वागत, संस्था के वर्ष भर के कार्य–कलापों की आख्या, विज्ञान प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित

की गई। मुख्य वक्ता डॉ0 सी0एस0 मथेला द्वारा प्रकृति में पायी जाने वाली वनस्पतियों तथा उनकी बीमारियों तथा उपचार के विषय में अपने विचार प्रस्तुत किये।

चौथा सत्रः– यह सत्र 1 मार्च 2011 को जी.जी.आई.सी. के सभागार में आयोजित हुआ। इस सत्र में अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस की तैयारी के लिए "धारणीय प्रबन्धन संरक्षण एवं वैश्विक वन विकास" विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पंतनगर विश्व विद्यालय के डॉ0 ए0के0 पन्त तथा अन्य आगन्तुकों ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

राजकीय प्रा0वि0 कुलेठीः– संस्था द्वारा स्थापित विज्ञान केन्द्र एवं रा0 प्रा0 वि0 कुलेठी ने एक साथ मिलकर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2011 का आयोजन किया। कु0वि0वि0 के प्रोफेसर डा0 मथेला; अजीम प्रेम जी फाउण्डेसन के संयोजक श्री कान्डपाल एवं डायट लोहाघाट के प्रवक्ता श्री जगदीश अधिकारी इस समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सॉस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न कार्यकलापों के उपरान्त डा0 मथेला ने अपने संबोधन में पर्वतीय क्षेत्र विशेषकर चम्पावत के आस–पास के परिवेश में पायी जाने वाली विभिन्न वनस्पतियों से औषधीय उपयोग उनकी सुरक्षा एवं ऐसी वनस्पतियों के संवर्धन की आवश्यकता के महत्व को बताया। श्री कांडपाल ने बड़े ही मनोरंजन ढंग से प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्र/छात्राओं को शैक्षिक वार्तालाप में प्रतिभाग करने को प्रोत्साहित किया श्री अधिकारी ने डा0 रमन के जीवन, रमन प्रभाव, लेजर पर उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुऐ उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अन्त में समारोह में उपस्थित डडा गांव के वयोवृद्ध व्यक्ति श्री रवि दत्त जोशी द्वारा छात्र/छात्राओं को पारितोषिक वितरण किया गया। समारोह में छात्र, अभिभावक, शिक्षक एवं क्षेत्रीय महिलाएँ उपस्थित थी।

डुँगरासेठीः– रा0 क0 मा0 वि0 एवं रा0प्रावि0 डुगरा सेठी ने संयुक्त रूप से विज्ञान दिवस का आयोजन किया। समारोह की अध्यक्षता संस्था के सचिव डा0 एच0 डी0 बिष्ट ने की तथा समारोह का संचालन रा0क0पू0मा0 वि0 के प्रधानाध्यापक श्री जी0 सी0 पाण्डे ने किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डा0 ए0 के गौड, तथा बी0 सी0 जोशी उपस्थित थे। छात्रों, शिक्षको, स्वयं सेवकों, अभिभावकों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियो के मध्य विद्यालयों के नन्ने–मुन्ने बच्चों ने सरस्वती वन्दना के साथ समारोह का प्रारम्भ करते हुए विभिन्न मनोहरी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कियें। छात्र/छात्राओं द्वारा डा0 रमन के जीवन की विभिन्न घटनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किये। विशिष्ट अतिथि डा0 ए0 के गौड ने वायोटैक्नोलॉजी एवं पर्यावरण सुरक्षा एवं उसके सदुप्रयोग करने के लिए प्ररित किया डा0 वी0 सी0 जोशी ने आर्कमिडीज, जेम्सवाट, एडीसन आदि वैज्ञानिकों के जीवन के रोचक तथ्यों से बच्चों को अवगत कराया। डा0 एच0डी0 बिष्ट ने गणित एवं विज्ञान के सूत्रों को खेल–खेल में पढ़ाना तथा सीखने के लिए प्रेरित किया। समारोह का समापन करते हुए प्रधानाध्यापिका श्रीमती षष्ठी पाण्डे ने सभी अतिथियों एवं आगन्तुकों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

ढकनाः– रा0 प्रा0 वि0 ढकना एवं ढकना बडोला ने सम्मिलित होकर समारोह का आयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि डा0 जी0 बी0 बिष्ट तथा विशिष्ट अतिथि श्री बी0डी0 फुलारा एवं श्री जी0बी0 रस्यारा थे। समारोह मे छात्र/छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमो के

अतिरिक्त कविता पाठ एवं डा0 रमन के जीवन से सम्बन्धित भाषण प्रस्तुत किये। श्री फुलारा जी ने विज्ञान दिवस मनाने के उद्देश्य एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डा0 बिष्ट ने प्राईमरी शिक्षा के मूल

तथ्य, शिक्षक की भूमिका शिक्षा में विज्ञान का महत्व का बताते हुए जीवन में वैज्ञानिक सोच के विकास करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में ग्राम प्रधान श्रीमती चंचला फर्त्याल, शिक्षा समिति के सदस्य दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित थे।

खर्ककार्की:– 28 फरवरी 2011 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन यहां रा0 क0 पू0 मा0 विद्यालय एवं राजकीय प्रा0 वि0 के छात्र/छात्राओ, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साह पूर्वक आयोजित किया। समारोह के मुख्य अतिथि डा0 एम0 पी0 जोशी तथा कुमाऊँ वि0 वि0 अल्मोड़ा परिसर के प्रोफेसर डा0 नरेन्द्र सिह भण्डारी एवं डा0 प्रवीण बिष्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह का प्रारम्भ करते हुए विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया एवं सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। कक्षा 8 के छात्र गोविन्द गुलशन द्वारा ऊर्जा, सुमित कुमार द्वारा पर्यावरण, प्रशान्त सेठी द्वारा स्वच्छता तथा कक्षा 7 के छात्र हरीश कमल द्वारा विज्ञान के चमत्कार विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि डा0 एम0 पी0 जोशी ने डा0सी0 वी0 रमन के जीवन एवं उनके द्वारा किये गये वैज्ञानिक शोधों पर छात्रों को अवगत कराया। प्रोफेसर नरेन्द्र सिह भण्डारी द्वारा पृथ्वी की संरचना एवं उत्पत्ति, सृष्टि में जल की उपलब्धता (समुद्र, महासागर, ध्रुवों) भूमिगत जल अभूमिगत जल (नदियो, झीलों, तालाबों) उपलब्ध जल वायुमण्डलीय वाष्प मिट्टी की नमी पेड़–पौधों एवं जीव–जन्तुओं द्वारा संचित जल) एवं वनस्पति जीव–जन्तुओं द्वारा उपयोग किये जाने वाले जल की मात्रा, ओजोन परत पैराबैगनी किरणों न्यूटन का तीसरा नियम तथा आयस्टीन के जीवन पर प्रकाश डाला। अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री अमर सिंह सेठी ने जेम्सवाट द्वारा किये गयें आविष्कार के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया तथा विद्यार्थियों को इससे प्रेरणा लेने को कहा गया। अन्त में विद्यालय की प्राधानाचार्या श्रीमती रेखा जोशी ने सभी आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती खिलावती गोस्वामी ने किया।

"हर कोई देश को गाली देने को तैयार है, पर सकारात्मक योगदान के बारे में कोई नहीं सोचता। क्या हमने अपनी आत्मा को पैसे के हाथों गिरबी रखा है।"

– ए0 पी0 जे0 अबदूल कलाम

हिन्दुस्तान की सभ्यता का झुकाव नीति को मजबूत करने की ओर है, पश्चिम की सभ्यता का झुकाव अनीति को मजबूत करने की ओर है।

– महात्मा गॉधी

****

पदमश्री प्रो. डीडी शर्मा को किया सम्मानित

दैनिक जागरण 5

चंपावत जागरण

व्यक्तित्व निर्माण करता है एनएसएस

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

एमबीए छात्रों ने किया दौरा

हिमवत्स के कार्यों की सराहना

6. अन्य कार्यक्रम

6.1 जनस्वास्थ्यः– शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं। इन मूलभूत

आवश्यकताओं को दृष्टि में रखते हुए साविद्या निर्धन एवं वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। संस्था, इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों का सहयोग समय–समय पर विविध रूप में प्राप्त करती रहती है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में अन्धता निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत निःशुल्क शिविर आयोजित किये जाते हैं, इन शिविरों में नेत्र परीक्षण तथा मोतियाबिन्द के आपरेशन निःशुल्क किये जाते हैं।नेत्र विशेषज्ञ डॉ0 जी0बी0 बिष्ट तथा उनके सहयोगियों की टीम द्वारा 2006 से प्रतिवर्ष उक्त सेवा प्रदान की जा रही है। 2006 से वर्ष 2010 तक कुल 1120 आपरेशन किये गये। वर्ष 2011 में सम्पन्न आपरेशनों का विवरण इस प्रकार है–

स्थान	तिथि	ओ0पी0डी0	आपरेशन
रामनगर	20–1–11 से 22–1–11	120	13
बेरीनाग	21–4–11 से 23–4–11	255	50
बेरीनाग	13–10–11 से 15–10–11	350	79
रामनगर	8–12–11 से 10–12–11	90	19

इस महत्वपूर्ण कार्य में डॉ0 जी0बी0 बिष्ट की विशिष्ट भूमिका रही। टीम में श्री गणेश पन्त, ईश्वरी दत्त पन्त, राजेन्द्र एवं आनन्द का सहयोग रहा।

6.2 मेधावी छात्रों के लिए आर्थिक सहायताः– हिमवत्स जहाँ एक ओर प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक

विद्यालयों को अंगीकार कर इन विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के शैक्षिक विकास के लिए प्रयत्नशील है वहीं माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, इन्जीनियरिंग एवं मेडिकल शिक्षा के लिए प्रयत्नरत छात्र/छात्राओं को विविध छात्र वृत्तियों के माध्यम से आर्थिक सहायता की व्यवस्था भी करता आया है। विभिन्न शिक्षा प्रेमी दानी व्यक्तियों के सहयोग तथा राष्ट्रीय स्तर पर मेधावी एवं अल्प सुविधा भोगी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली संस्थाओं के माध्यम से यह कार्य सम्भव हो पा रहा है। समिति सतत रूप से प्रतिवर्ष योग्य छात्रों एवं उनके अभिभावकों को इन आर्थिक स्रोतों से सहायता प्राप्त करने के लिए जागरूक करती आ रही है। पुनः इन छात्रवृत्तियों के स्रोतों के विषय में यहाँ चर्चा की जा रही है।

6.3 डॉ0 गिरिवाला पन्त प्रोत्साहन राशिः– जैसा कि स्मारिका के पिछले अंकों में भी लिख गया है कि यह छात्रवृत्ति कुमाँऊ विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुल सचिव श्री रमेश चन्द्र पन्त द्वारा उल्लेख किया धर्म पत्नी स्व0 डॉ0 गिरिवाला पन्त की स्मृति में दी जाती रही है। सामान्यतः यह छात्रवृत्ति राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले तथा 9 एवं 10 के छात्रों को दी जाती है। छात्रवृत्ति के लिए छात्रों

का चयन कक्षा 8 की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के मेरिट के आधार पर किया जाता है। हल्द्वानी एवं चम्पावत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय विद्यालयों के आवेदन करने वाले छात्र/छात्राओं से छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का चयन किया जाता है। वर्ष 2007 में 16, 2008 में 21 2009 में 26 तथा 2010 में 29 छात्र/छात्रायें इस छात्रवृत्ति के माध्यम से लाभान्वित हुए हैं। वर्तमान सत्र में 3 छात्रों को विशेष छात्रवृत्ति तथा राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9 तथा 10 के 32 छात्रों को प्रति छात्र 1000 रूपया वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। लाभार्थी छात्र/छात्राओं का विवरण निम्न प्रकार है।

विशेष छात्रवृत्तिः–

1–	अक्षत पन्त	बी0टेक तृतीय वर्ष	आम्रपाल इन्स्टीट्यूट, हल्द्वानी
2–	अक्षत पन्त	कक्षा 12	सेन्टपाल कालेज, हल्द्वानी
3–	चेतन तिवारी	कक्षा 10	सेन्टपाल कालेज, हल्द्वानी

राजकीय विद्यालयों के लाभार्थी छात्र/छात्रायें–

क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	विद्यालय	क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	विद्यालय
			कक्षा–10		
1	पूजा ब्रजवासी	धौलाकुंआ (बालिका)		कृष्ण चन्द्र पाण्डे	लामाचौड़
2	कोमल साह	बमौरी (बालिका)	7	पंकज कुमार सक्सेना	राजपुरा
3	शुभम् मौर्या	नारायण नगर	8	विनीता तिवारी	फूलचौड़
4	पूजा बोरा	चम्पावत (बालिका)	9	हिमांशू जोशी	हल्दूचौड़
5	संदीप जोशी	कटघरिया	10	संजय सिंह	चम्पावत
			कक्षा–9		
1	राहुल चन्द्र जोशी	धौलाखेड़ा	12	पूजा काण्डपाल	हल्द्वानी
2	कमल लटवाल	मोतीनगर	13	लता जोशी	ईसाई नगर
3	गुंजन कार्की	धौलाखेड़ा (बालिका)	14	भुवन सिंह भण्डारी	चम्पावत
4	हिमानी शर्मा	धौलाखेड़ा (बालिका)	15	लता जोशी	चम्पावत (बालिका)
5	ज्योति	राजपुरा (बालिका)	16	अर्पणा पनेरू	चम्पावत (बालिका)
6	सुनीता बिष्ट	बमौरी (बालिका)	17	पवन सिंह नयाल	कटघरिया
7	कविता सुनाल	हल्दूचौड़	18	शुभम् जोशी	लामाचौड़
8	हिमानी दुम्का	दौलिया	19	गौरव शर्मा	राजपुरा
9	मीनू तिवारी	दौलिया	20	वर्षा बिष्ट	हरिपुर जमनसिंह
10	रेनू मौर्या	नारायण नगर	21	अनीता जोशी	फूलचौड़
11	भूमिका राठौर	नारायण नगर	22	कमला डसीला	लालकुंआ

6.4 कुछ अन्य छात्रवृत्तियां भी हिमवत्स के तत्वावधान में प्रदान की जा रही हैं जिनका विवरण इस प्रकार है–

i– हरिशचन्द्र पन्त छात्रवृत्तिः– नैनीताल निवासी मुम्बई में कार्यरत डॉ0 पार्थ पन्त द्वारा अपने दादा जी

की स्मृति में वर्ष 2010 से यह छात्रवृत्ति प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2010 में कक्षा 9 के चार छात्रों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी। वर्ष 2011 में पुनः कक्षा 9तथा 10 के 13 छात्रों को यह छात्र वृत्ति प्रदान की गई। लाभार्थी छात्र/छात्राओं का विवरण नीचे दिया गया है–

कक्षा– 10

क्र.सं.	छात्र / छात्रा का नाम	विद्यालय	क्र.सं.	छात्र / छात्रा	विद्यालय
1 2	महक सक्सेना भावना रौतेला	ललित महिला नैनीताल (बालिका)	3	नेहा पन्त	नैनीताल (बालिका)
		कक्षा– 9			
1 2	फैजा गरिमा खाती	ललित महिला नैनीताल (बालिका)	6 7	मोहम्मद फईम नरेन्द्र चौहान	नैनीताल भीमताल
3 4 5	दीपशिखा जोशी आशा जोशी ललित सिंह	नैनीताल (बालिका) जनता विद्यालय चम्पावत नैनीताल	8 9 10	संगीता कुसवाहा रूचिका नेगी उषा बिरोरिया	विद्यामन्दिर नैनीताल विद्यामन्दिर नैनीताल भीमताल (बालिका)

ii– मुरलीधर जोशी शास्त्री छात्रवृत्तिः– संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत एक छात्र को श्रीमती माया त्रिपाठी द्वारा अपने स्व0 पिता श्री मुरलीधर शास्त्री जी की स्मृति में यह छात्रवृत्ति दी जाती है। इस वर्ष रु0 1000 की यह छात्रवृत्ति एग्लो संस्कृत विद्यालय चम्पावत के पूर्व मध्यमा के छात्र रबीश जोशी को प्रदान की गई।

iii– दुर्गा त्रिपाठी छात्रवृत्तिः– एक हजार रुपये वार्षिक की यह छात्रवृत्ति इस वर्ष एग्लो संस्कृत विद्यालय चम्पावत के पूर्व मध्यमा के छात्र पारस कलोनी को प्रदान की गई है।

iv–बसन्ती पन्त एवं हरिप्रिया पाण्डेय छात्रवृत्तिः– डॉ0 के0के0 पाण्डे द्वारा अपनी स्व0 नानी एवं स्व0 दीदी की स्मृति में रु0 5000 की एक छात्रवृत्ति ऐसे मेधावी निर्धन छात्र को प्रदान की जाती है जिसके पिता की मृत्यु हो चुकी हो। यह छात्र वृत्ति इस वर्ष लेक इण्टरनेशनल भीमताल के छात्र को दी गई तथा रु0 1000 वार्षिक की 5 छात्रवृत्तियां कक्षा 9 तथा 10 में पढ़ने वाले मेधावी गरीब छात्रों को प्रदान को दी जाती हैं।

सावित्रा छात्र वृत्तियां:– हिमवत्स की सावित्रा उप समिति भी प्रतिवर्ष ग्रामीण क्षेत्र के उत्साही छात्राओं को जिनमें अध्ययन के प्रति रुचि है और साधनों की कमी होने के बावजूद भी जो अपनी पढ़ाई पूरी करने का प्रयत्न कर रहे हैं। छात्रवृत्ति देती है। ऐसे छात्रों के आत्मविश्वास को बनाये रखने के लिए आर्थिक सहायता के रुप में उन्हें रु0 1000 वार्षिक की छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है। इस वर्ष के लाभार्थी छात्राओं का विवरण इस प्राकर है –

1– तनूजा बिष्ट कक्षा 10
2– अंकिता कुलेठा कक्षा 10
3– चित्रा कुलेठा कक्षा 11
4– भावना पाण्डे कक्षा 9
5– कंचन पाण्डे कक्षा 9

1 रा0 वि0 दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करते छात्र (प्रा0 वि0 बडौला)। 2 प्रा0 वि0 बडौला के छात्र सास्कृतिक कार्य प्रस्तुत करते हुए। 3/4 रा0 वि0 दिवस पर जी0 जी0 आई0 सी0 के छात्राएँ। 5 रा0 वि0 दिवस पर छात्रों को सम्बोन्धित करते हुए डा0 प्रवीण कुमार एवं डा0 सुतेड़ी। 6 विज्ञान दिवश पर जी0 आई0 सी0 के छात्र। 7 विज्ञान दिवस पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए डा0 पन्त। 8 विज्ञान दिवस पर प्रा0 वि0 कुलेठी के छात्र। 9 विज्ञान दिवस पर प्रा0 वि0 कुलेठी में छात्रों को सम्बोधित करते डा0 सी0 एस0 मथेला, डा0 विष्ट एवं डा0 पन्त। 10/11 विज्ञान केन्द्र का अवलोकन करते हुए विशिष्ट अतिथि। 12 पुस्तकालय का अवलोकन करते हुए विशिष्ट अतिथि। 13 संस्था सचिव के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए। 14 स्वंय सेवक शिक्षको के साथ संस्था के सचिव। 15 नौलेज क्लव के सदस्यों के साथ डा0 एच0 डी0 बिष्ट। 16 संस्था के सदस्य अतिथियों के साथ। 17/18 रा0 वि0 दि0 पर प्रतिभाग करते छात्र/छात्राएं। 19/20 कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि।

(21)

(22)

(23)

(24)

(25)

(26)

(27)

(28)

(29)

(30)

(31)

(32)

(33)

(34)

(35)

(36)

(37)

38)

(39)

(40)

21 / 22 / 23 / 24 विज्ञान दिवस पर आयोजित गोष्ठी में अतिथियों को सम्मानित करते हुए संस्था सचिव। 25 / 26 गोष्ठी में उपस्थित अतिथि। 27 नेत्र शिविर रामनगर में रोगियों की जांज करते हुए डा0 जी0 वी0 विष्ट। 28 शिविर में उपस्थित रोगी। 29 M B A visiters कुलेठी प्रा0 वि0 का अवलोकन करते हुए। 30 छात्र / छात्राओं को साविद्या छात्रवृति प्रदान करते हुए M B A visiters। 31 डा0 जी0 वी0 बिष्ट M B A विजिटर्स एवं स्वयं सेवक शिक्षक। 32 नेत्र शिविर में मोतिया बिन्द का आपरेशन करते हुए डा0 जी0 वी0 बिष्ट एवं रोगी। 33,34,35
38 फुटवाल में प्रतिभाग करतें छात्र। 39 वृक्षारोपण करते हुए। 40 पर्यावरण दिवस पर प्रा0 वि0 कुलेठी के छात्राएं।

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

(6)

(7)

(8)

(9)

(10)

(11)

(12)

(13)

(14)

(15)

(16)

(17)

(18)

(19)

(20)

1, रा0प्रा0 पा0 खर्ककार्की के छात्रों को किट वितरण करते हिमवत्स संस्था के सहयोगी सदस्य डा0 टी0 आर0 जोशी 2,खर्ककार्की में संयुक्त रूप में उपस्थित छात्र–छात्राऐं एवं अभिभावक 3.रा0 प्रा0 पा0 बडोला में किट वितरण करते हुए हिमवत्स संस्था के सहयोगी सदस्य श्री बी0 डी0 फुलारा, प्रबन्धन समिति अध्यक्ष श्री इन्द्र सिंह प्रधानाध्यापिका श्रीमती ममता वर्मा एवं उपस्थित अभिभावक व छात्र / छात्राऐं

5. रा0प्रा0 पा0 ढकना में किट वितरण करती प्रधानाध्यापिका श्रीमती मीरा वर्मा

6. रा0 प्रा0 ढकनाा में किट वितरण समारोह में उपस्थित श्री बी0डी0 फुलारा, अभिभावक, स्वयं सेवक एवं छात्र / छात्राऐं

7 / 8. रा0 प्रा0 पा0 ढकना के परिसर में वृक्षारोपण एवं उनकी सुरक्षा हेतु कटीली झाडी लगाते हुए सहयोगी ब्यक्ति एवं स्वयं सेवक तथा अभिभावक

9 / 10. रा0 प्रा0 पा0 बडोला के परिसर में वृक्षारोपण एवं उनकी सुरक्षा हेतु कटीली झाडी लगाते हुए सहयोगी ब्यक्ति एवं स्वयं सेवक

11 / 12. रा0 क0 पू0 मा0 वि0 डुँगरासेठी के परिसर में गड्ढा खोदते हुए एवं वृक्षारोपण करते हुए छात्र / छात्राऐं

13 / 14. रा0 प्रा0 पा0 कुलेठी में गढढा खोदते हुए सहयोगी ब्यक्ति श्री गंगा राम एवं स्वयं सेवक श्री प्रकाश पुनेठा गोबर की खाद लाते हुए विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्य वृक्षारोपण पर विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष श्री चेत राम एवं एकत्रित अभिभावक

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

(6)

(7)

(8)

(9)

(10)

(11)

(12)

(13)

(14)

(15)

(16)

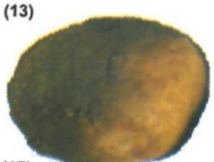
(17)

(18)

(19)

1. विश्व पर्यावरण दिवस 2/3. विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर निकाली गई रैली/पोस्टर से संदेश देते हुए। 4. विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर कुलेठी के छात्रों को सम्बोधित करते हुए डा0 एच0 डी0 बिष्ट।
5. ए0 फ0 ई0 मैराथन समूह 6. एम0 बी0 ए0 छात्रों की विदाई समारोह 7. विज्ञान दिवस के अवसर पर अजीमणी फाउन्डेशन के प्रतिनिधि श्री काण्डपाल 8. विज्ञान के प्रयोग प्रदर्शित करते छात्र 9.10.11.12. क0 पू0 मा0 वि0 डुँगरासेठी के छात्र विज्ञान कांग्रेस के अवसर पर
13. लाल आलू 14. पीला आलू 15. बीज का आलू 16. रोगस्त आलू 17. पंजाब का आलू 18. धारचूला का आलू 19. मुन्स्यारी का आलू

छात्रवृत्तियों के लिए चयन के नियमः–

(1) प्रोत्साहन राशि के लिए कक्षा 9 में राजकीय विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले उन छात्र–छात्राओं का चयन किया जाता है, जिन्होंने कक्षा 8 की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र के अंकों का 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हों।

(2) प्रोत्साहन राशि के लिए छात्र–छात्राओं के चयन में ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय/राजकीय मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राआं को प्राथमिकता दी जाती है।

(3) प्रोत्साहन राशि का भुगतान शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में बराबर संख्या में किया जाएगा।

(4) कक्षा 10 में प्रोत्साहन राशि उन्हीं छात्रों को देय होगी जो कक्षा 9 में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होते हैं अथा कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी के 80 प्रतिशत तक अंक या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं।

(5) कक्षा 9 के सुपात्र छात्रों के नामों के लिए प्रयास इस प्रकार से किया जाए, जिससे प्रवेश की घोषित अंतिम तिथि तथा प्रवेश लेने वाले छात्रों में से सुपात्र छात्रों के नाम प्राप्त हो सकें।

(6) कक्षा 10 के सुपात्र छात्रों का नाम परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् ही प्राप्त किए जा सकते हैं। ऐसे छात्रों के आवेदन–पत्र प्राप्त करने की तिथि सामान्यतः विद्यालय के दीर्घकालीन आवकाश के लिए बंद होने का दिन होगा।

(7) एक विद्यालय से 2 से अधिक छात्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6.5– स्माल स्टैप फाउन्डेशन (एस0 एस0 एफ0)

एस0 एस0 एफ0 अमेरिका में कार्यरत अप्रवासी भारतीय महिलाओं की कैसी फोनिया (यू0 एस0 ए0) में पंजीकृत धर्मार्थ संस्था है। संस्था का उद्धेश्य भारत में

(1) गरीब एवं पिछडे परिवारों के बच्चों की शिक्षा

(2) बालिकाओं की शिक्षा स्तर का विकास एवं

(3) प्रतिकूल परिस्थितियों मे जीवन यापन कर रहे बालक/बालिकाओं के पुनर्वास में सहायता करना है।

इस संस्था के सभी सदस्य वर्ष में विभिन्न त्यौहारों जैसे होली, दीवाली, डांडिया के अवसरों पर विविध प्रकार के सास्कृतिक कार्यक्रम तथा समय–समय पर पिकनिक अथवा दौडों का आयोजन कर धन की व्यवस्था करते हैं। इन आयोजनों से प्राप्त आय से होने वाली बचत का उपयोग भारंत में अल्पसुविधा भोगी परिवारों के बच्चों की शिक्षा में खर्च करते है। इस वर्ष अमेरिका प्रवास के मध्य आशा फोर एजूकेशन में डा0 बिष्ट के प्रजेन्टेशन के समय उपस्थित ए0 एफ0 ई0 की सदस्या रेशू जैन के माध्यम से एस0 एस0 एफ0 के सदस्यों को हिमवत्स के वैब साइड के माध्यम से साविद्या के कार्यकमों से प्रभावित होकर हमारी संस्था के सचिव डा0 एच0 डी0 विष्ट से इसी वर्ष 20.11.11 को संपर्क स्थापित कर उन से वार्तालाप किया तथा एस0 एस0 एफ0 के उद्देश्यों को सफल बनाने मे हिमवत्स संस्था के सहयोग की इच्छा प्रकट की सचिव महोदय ने संस्था के अध्यक्ष से संपर्क कर उनकी सहमति लेते हुए इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसी संदर्भ में अब सस्था का कार्य क्षेत्र उत्तरांचल से संम्पूर्ण भारत तक करने की कार्यवाही शुरु कर दी गई है।

6.6– फाउण्डेशन फॉर एक्सीलैन्स (एफ0एफ0ई0)

इन्जीनियरिंग एवं मेडिकल कें छात्रों को छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहायता के लिए एफ0एफ0ई0 वर्ष 1994 से काम कर रही है। यह अमेरिका में पंजीकृत एवं स्वयं सेवी संस्था है इसकी स्थापना एक प्रवासी भारतीय डॉ0 प्रभुगोयल एवं श्रीमती पूनम गोयल ने भारत में इन्जीनियरिंग एवं मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने वाले अल्प सुविधा प्राप्त किन्तु मेधावी छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए की गई है। उस समय डा0 गोयल का लक्ष्य भारत में कमजोर आर्थिक स्थिति के उन 10,000 विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करना था जो सक्षम होने के बाद भी आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। कालान्तर में अमेरिका में बसे अनेक प्रवासी भारतीय इस पुनीत आन्दोलन से जुड़ते गये। उत्तराखण्ड से इस संस्था को संबद्धित करने का सराहनीय योगदान प्रवासी उत्तराखण्ड के प्रतिभाशाली छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना प्रारम्भ किया। साविद्या के सचिव डा0 एच0डी0 बिष्ट इस संस्था के एक कोआर्डिनेटर है। फलतः हिमालय वाटर सर्विस विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ने उत्तराखण्ड के छात्र–छात्राओं को इस योजना से लाभान्वित करने हेतु जागरूक करना प्रारम्भ किया। वर्ष 2005–06 से प्रचार–प्रसार के फलस्वरूप वर्ष 2010–11 तक उत्तराखण्ड मे इस योजना के अन्तर्गत 650 से अधिक छात्र/छात्रायें लाभान्वित हो चुके हैं।

जुलाय 2003 में फाउण्डेशन फॉर एक्सीजैंस इन्डिया ट्रस्ट की स्थापना की गई। जो आयकर अधिनियम 1961 के अधीन पंजीकृत हैं। अतः ट्रस्ट को दान में दी जाने वाली धनराशि कर मुक्त होती है। ट्रस्ट द्वारा Sponser a student Programe चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य दान दाता द्वारा छात्र/छात्रा को निजी रूप से अंगीकारं करना है। दान–दाता स्वयं अपनी प्राथमिकता के आधार पर छात्र/छात्रा का चयन कर सकता है। प्रारम्भ में एफ0एफ0ई0 इण्डिया ट्रस्ट का कार्यालय मुम्बई में था। वर्ष 2010 से इसका कार्यालय वंगसुरू स्थानान्तरित कर दिया गया है। छात्रवृत्तियों के प्रार्थना पत्रों का निस्तारण वर्ष 2010 से भारत में ही वंगसुरू में किया जाने लगा है। ट्रस्ट के प्रबन्ध निदेशक के पत्र दिनांक 20–11–2011 के अनुसार वर्ष 2010–11 में 1262 छात्र/छात्राओं को कुल रू0 28,64,5589/– छात्रवृत्ति के रुप में वितरित किया गया है। एफ0एफ0ई0 के अध्यक्ष श्री वैंकटेश शुक्ला का फैसिटिलेटर्स के नाम दिनांक 4 जुलाई 2011 के संदेश का एक अंश पाठकों की जानकारी लिए यहां दिया जा रहा है।

"यह पहला अवसर है जब मैं सीधे आपसे सम्पर्क कर रहा हूँ। फाउण्डेशन फॉर एक्सीजैस (एफ.एफ.ई.) 18 वर्षों में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रतिभाशाली निर्धन विद्यार्थियों को अपने अन्तर्निहित प्रतिभा के विकास के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए सार्थक रूप से विकसित हुआ है। आपको अवगत कराना है कि पिछले सत्र तक पूरे भारत में एफ.एफ.ई. छात्रवृत्ति के लाभार्थी छात्रों की संख्या 11000 से अधिक हो चुकी है। यह उपलब्धि एफ.एफ.ई. को बहुत बड़ी सीमा तक भारत में छात्रवृत्ति प्रदान करने वाली संस्था के रूप में स्थापित करती है। हमारे छात्र गोगल, माइक्रोसाफ्ट, सिस्को, इन्फोसिस तथा अन्य सम्मानित संगठनों में इन्जीनियर हैं। अनेक छात्र स्टनफोर्ड शिकांगों, कोरनेल जैसे विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। बहुत से एफ.एफ.ई लाभार्थी छात्र सफल डाक्टर के रूप में देश की सेवा में संलग्न हैं। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इन छात्रों ने स्वयं एवं अपने परिवार को गरीबी के अभिशाप से मुक्त कर लिया है तथा परिवार, समाज एवं अन्य छात्रों के मध्य अपने आप को एक आदर्श के रुप में स्थापित किया है।"

2011–12 में एफ0 एफ0 ई0 छात्रवृत्तियॉ (2500 प्रति छात्र प्रतिवर्श) डा0 एच डी विष्ट कोआर्डिनेटर के साथ हिमवत्स से जुड़ें फैसिलिटेटर्स (क) श्री0 आर डी जोशी (ख) डा0 के0 के0 पाण्डेंय (ग) श्रीमती गीता पन्त (घ) डा0 जी वी विष्ट एवं (ङ) कमलेश रस्यारा से लाभार्थी विद्यार्थी एवं संस्थान।

लाभार्थी संस्थान (अ) जी0 वी0 पन्त यू0 पन्तनगर (ब) वि0 च0 कुमाऊ इ0 का0 द्वाराहाट (स) बी आई ए एस भीमताल (द) टिहरी ईन्जिनियरिग कालेज (ई) ईन्जिनियरिग का पौड़ी (एफ) आम्रपाली हल्द्वानी (जी) एन आई टी श्रीनगर (एच) इ0 का0 पौड़ी (आई) मेडिकल कालेज हल्द्वानी।

FFE Scholarship Holders 2011-12

(क) श्री0 आर डी जोशी

1	कुश गोस्वामी (B. Tech II years) (अ)	2	अंकित पटवाल (B. Tech I years) (अ)
3	पंकज जोशी (B. Tech II Years) (अ)	4	संतोष कुमार (B. Tech III Years) (स)
5	अर्पित अग्रवाल (B. Tech II years) (ब)	6	राहुल बोरा (B. Tech I years) (ब)
7	कमल कुमार (B. Tech I years) (अ)	7	पुन्कित गुप्ता (B. Tech I years) (अ)

(ख) डा0 के0 के0 पाण्डेंय

1	कमल पाठक (B. Tech I years) (द)	2	कमला राना (Eng: Collegs) (ई)
3	कल्पना राना (B. Tech Final Years) (एफ)	4	मों0 आजम (N.I.T.) (जी)
5	श्वेता जोशी (एच)		

(ग) श्रीमती गीता पन्त

1	चारु सिधार्थ (B. Tech II years) (अ)	2	अभिनेश कुमार (आई)
3	शिवम कुमार सिंहाल (अ)	4	पवन राठोर (B. Tech) (ब)
5	संजय कुमार (B. Tech) (ब)		

(घ) डा0 जी वी विष्ट

1 ललिता बिष्ट (B. Tech I years) (अ)

(ङ) कमलेश रस्थोंगी

2 मुकेश भट (B. Tech) (ब)

6.7–आशा फौर एजूकेशन (ए0 एफ0 ई0)

अमेरिका में शोध कार्य करने वाले तीन भारतीय छात्रों दीपक गुप्ता, वी. जे. पी. श्री वात्सवीय तथा संदीप पाण्डें ने वषर्ऱ 1991 में आशा की पहली शाखा वर्कसे विश्वविद्यालय से प्रारम्भ की अबतक आशा फौर एजूकेशन की 66 से अधिक शाखायें कार्यरत है। इस संस्था का मुख्य उद्धेश्य अन्य सुविधा मोगी तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से विछड़े परिवारों के बच्चों का शैक्षिक एवं सामाजिक विकास करना है। आशा के सदस्य संस्था से जुडे स्वंय सेवको तथा देश विदेश के सम्पन्न व्यक्तियों एवं सस्थाओं से धन जुटाने का कार्य करते है। ये स्वंय सेवी एक ओर जहॉ संस्था का दान स्वरूप आर्थिक सहायता करते है वही दूसरी ओर संस्था के अन्य कार्य कत्वयों में भी अपना सहयोग प्रदान करते है। वे सस्था से सम्बन्धित कार्यकम बनाते है, योजनाओं को कार्यान्वित करते है और समय–समय पर उनकी समीक्षा करते है। समीक्षा के आधार पर ही विभिन्न योजनाओं के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करते है। इस संस्था को दिया गया धन कर मुक्त होता है।

हिमवत्स को 2005 से जनवरी 2012 तक आशा फैार एजूकेशन सिलिकान वैली से प्राप्त आर्थिक सहायता का विवरण दायी ओर टेवल में दिया है।

नवम्बर 2010 $ 22,237	अप्रेल 2010 $ 22,177
नवम्बर 2009 $ 22,136	अप्रेल 2009 $ 20,660
मई 2008 $ 21,992	जनवरी 2008 $ 22,865
फरवरी 2007 $ 8,160	सितम्बर 2006 $ 7,775
फरवरी 2006 $ 3,154	सितम्बर 2005 $ 3,188

सितम्बर 2005 में ए0 एफ0 ई0 स्टेनफर्ड से $ 800 प्राप्त हुआ हिमवत्स को इस प्रकार वर्ष 2010 तक ए0 एफ0 ई0 से कुल $ 1,55,144 की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। नवम्बर 2010 के बाद कोई सहायता नही मिली है।

प्राथमिक शिक्षा, सवाल भाषा और माध्यमका

– बी0 डी0 गुरूरानी

शिक्षा का माध्यम और अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व, ये दो ऐसे बिन्दु है जिन्होंने शिक्षा के स्वरूप को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है। प्रश्न यह है कि–

(1) क्या प्राथमिक शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी हो ? यदि हाँ तो समृद्ध संस्कृति वाले इस विशाल लोकतंन्त्र में अपनी कोई भाषा और अस्मिता नही है ?

(2) क्या शिक्षा का माध्यम हिन्दी हो ? यदि हाँ तो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली जटिलता का क्या होगा और वैश्विक मंच पर संवाद कौशल में कितनी रूकावट पैदा होगी ?

उक्त सन्दर्भ में गाँधी जी के विचारों से बात प्रारंभ करना चाहूँगा। आजादी से पूर्व राष्ट्रपिता ने देश में राष्ट्रीय सरकार की स्थापना होने पर अपनी दो प्राथमिकताएँ गिनाई थी–

(1) अनिवार्य और निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा (2) पूर्ण मद्य निषेध।

माध्यम के सन्दर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि 'माँ के दूध के साथ जो संस्कार मिलते है और जो मीठे शब्द सुनने को मिलते हैं, उनके और पाठशाला के बीच जो मेल होना चाहिए वह विदेशी भाषा द्वारा शिक्षा लेने से टूट जाता है। इसे तोड़ने वालों का ध्येय पवित्र हो तो भी वे जनता के दुश्मन है और मातृ–द्रोह करते हैं।' इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी भाषा के माध्यम नें, जिसके जरिये भारत में उच्च शिक्षा दी जाती है, हमारे राष्ट्र को अपार बौद्धिक और नैतिक हानि पहुचाई है।

अन्ततः गाँधी जी ने यह भी कहा, 'हिन्दुस्तान की राष्ट्रीय सरकार क्या नीति अख्तियार करेगी सो मैं नही कह सकता। संभव है अपनी प्रबल इच्छाशक्ति के रहते हुए भी मै तब तक जीवित न रहूँ। अगर जिन्दा रहा तो यथासंभव अपनी नीतियों को अमल में लाने की सलाह दूँगा।' आजादी के बाद गाँधी जी अधिक दिन जीवित न रह सके, यही विडम्बना रही। हमारी कोई राष्ट्रीय भाषा नीति व शिक्षानीति नहीं बनी। अंग्रेजी का वर्चस्व और अधिक हुआ कम नहीं।

इस सन्दर्भ में अब आधुनिकतम तथ्य प्रस्तुत करता हूँ

(1) जापान, जर्मनी, इटली, स्पेन, रूस आदि देशों ने अपनी भाषा में शिक्षा प्रदान कर विश्व स्तर के इंजीनियर, वकील व डॉक्टर पैदा किये।

(2) विश्व के 20 शीर्षस्थ देशो में प्रायः 4 देश ही ऐसे हैं जहाँ शिक्षा का माध्यम अंग्रजी है। उनकी राष्ट्रीय भाषा लोक/भाषा भी वही है।

(3) इजराइल जैसा 75 लाख की आबादी वाला छोटा देश हिब्रू भाषा में ही विश्व स्तर के वैज्ञानिक व इंजीनियर पैदा करता है। भारत जिसकी हिन्दी भाषा आबादी ही उससे सौगुना अधिक है उसके वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित रक्षा सामग्री खरीदता है।

(4) कोरिया ने कोरयाई भाषा में ही विश्व स्तर की वैज्ञानिक उपलब्धि प्राप्त की

(5) मलेशिया ने मलयभाषा अपना कर ही आर्थिक विकास किया।

केवल भारत ही ऐसा देश है जो अंग्रेजी की गुलामी के भार से दबा हुआ है। उक्त विचार किसी भारतीय पुरातन पंथी के नहीं अपितु सिएटल (यू0 एस0 ए0) निवासी एक अप्रवासी भारतीय माइक्रोसोफ्ट विशेषज्ञ संक्रान्त सोनू के हैं।

उत्तराखण्ड में सी0 बी0 एस0 ई0 पाठयकम लागू करने विषयक उच्च स्तरीय बैठक नव0 2004 में आयोजित हुई। तत्कालीन शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न उक्त बैठक में सी0 बी0 एस0 ई0 प्रारूप हिन्दी माध्यम से लागू करने का निर्णय लिया गया। सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहते हुए मैंने अभिमत व्यक्त किया–

सी0 बी0 एस0 ई0– अंग्रेजी =0। यह इसलिए कि सी0 बी0 एस0 ई0 मूलतः अंग्रेजी भाषा केन्द्रित शिक्षा प्रणाली है।

वर्तमान शिक्षा नीति में शिक्षाशास्त्री इस विषय पर गंभीर नहीं हैं। राष्ट्रीय नीति निर्धारण के शिखर पुरूष प्रो0 यशपाल के अनुसार प्राथमिक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, तो ज्ञान आयोग के अध्यक्ष सैम पित्रौदा के मत से प्रारंभ से ही शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होनी चाहिए। समाधान ढूँढती हमारी शिक्षा व्यवस्था सदा की भाँति अनिश्चय के भँवर में है।

टिप्पणीः– वर्तमान युग में बच्चों को कम से कम तीन भाषाओं का ज्ञान (संवाद कौशल) प्रारम्भ से ही प्रदान करना लाभकर होगा। बचपन में यह क्षमता रहती है। **–हरिदत्त बिष्ट**

सर्वशिक्षा अभियान

– आर0 डी0 जोशी (संकलित)

प्राथमिक शिक्षा को जन जन तक पहुँचाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत में सर्वशिक्षा को एक अभियान के रूप में प्रारम्भ किया।

सर्वशिक्षा अभियान के उद्देश्य–

1. सभी बच्चों के लिए स्कूल शिक्षा गारंटी केन्द्र, वैकल्पिक स्कूल एवं बैक टु स्कूल शिविर की उपलब्धता
2. सभी बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने की सुविधा।
3. आठ वर्ष की स्कूली शिक्षा पूर्ण करने की सुविधा।
4. संतोषजनक प्रारंभिक शिक्षा जिसमें जीवनपयोगी शिक्षा का महत्व दिया गया है।
5. बालक बालिका असमानता तथा सामाजिक वर्ग भेद को समाप्त करने का प्रयास।
6. सभी बच्चों को स्कूल में बनाये रखना।

अभियान का यह संकल्प है कि शैक्षिक पद्धति, स्कूलों की उपलब्धि, स्तर, वित्तीय मामले, सामुदायिक स्वामित्व, शिक्षकों की नियुक्ति को तर्कसंगत बनाया जायगा। अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, बालिकाओं अनुसूचित/ अनु0 जनजाति तथा सुविधाहीन धार्मिक भाषाई अल्पसंख्यकों, अपवंचित एवं विकलांग बच्चों की शैक्षिक सहभागिता पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया जायेगा। यह योजना बाल केन्द्रित क्रिया कलापों एवं प्रभावी शिक्षण विधियों के माध्यम से प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर के विकास को विशेष महत्व देती है। शिक्षा की गुणवत्ता के विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए ब्लाक एवं संकुल स्तर पर शिक्षा संसाधन केन्द्रों की स्थापना पर जोर देती है जो योग्य शिक्षकों के माध्यम से अच्छी शैक्षिक सामग्री का विकास करते हुए सभी शैक्षिक प्रक्रियाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें।

विद्यालय प्रबन्ध एवं विकास समिति के कार्य (सूचना हस्तपुस्तिका, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005)

1. **प्रत्येक माह में समिति की बैठक आहूत करना।**
2. **विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करना।**
3. **साप्ताहिक भोजन का मेन्यू तैयार करना तथा इसके अनुरूप विद्यालय में भोजन बनाने की व्यवस्था करना।**
4. **भोजन माता तथा सहायिका का चयन करना तथा भोजन माता की अनुपस्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करना।**
5. **भोजन की स्वच्छता पौष्टिकता व गुणवत्ता को बनाये रखना तथा गुणवत्ता की समय – समय पर जांच करना।**
6. **ग्रेन डीलर से समन्वय कर विद्यालय में खाद्य–सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित करना।**
7. **किचन उपकरण, पानी की टंकी, भार मापक यंत्र आदि क्रय करना।**
8. **किचन – स्टोर के निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना।**
9. **भोजन मेन्यू, विद्यालय, किचन ,स्टोर पर पेन्ट से लिखना।**
10. **छात्रों की लम्बाई नापने के लिए विद्यालय की दीवार पर पेन्ट से स्केल बनाना।**
11. **छात्रों के वजन एवं लम्बाई की मूल्यांकन कार्ड में प्रत्येक छमाही अंकना करना।**

योजना का लाभ – ग्राम स्तर तक योजना का लाभ पहुँचाने के लिए योजना के अर्न्तगत ग्राम शिक्षा समितियों के गठन का प्रावधान है। जिसका उद्देश्य इस स्तर पर यह सुनिश्चित करना है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का लाभ प्रत्येक बालक/बालिका तक पहुँचे। इसके अतिरिक्त अभिभावकों एवं शिक्षकों की भागीदारी, छात्र मूल्यांकन उनके विद्यालय में ठहराव, शैक्षिक स्तर का विकास, समुदाय का सहयोग, विद्यालय द्वारा प्राप्त अनुदानों का समुचित उपयोग, विद्यालय विकास के लिए समुदाय का विद्यालय के लिए अपनत्व सुनिश्चित करने के लिए परियोजना में ग्राम शिक्षा समिति के महत्व को स्वीकार किया गया है।

यह भी घोषणा की गई है कि वर्ष भर में विद्यालय की तीन आम सभाएं आहूत की जाय। पहली आम सभा शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने से तीन महिने के अन्दर, दूसरा पाँच सितम्बर शिक्षक दिवस पर तथा तीसरी वार्षिक परीक्षा के मूल्यांकन के समय आहूत की जाय।

विद्यालय प्रबन्धन समिति की आम सभा द्वारा विद्यालय की विकास योजना निर्माण, वार्षिक कार्य योजना का अनुमोदन एवं विद्यालय विकास हेतु गत वर्ष किये गये कार्यों का भौतिक एवं वित्तीय व्यय के सम्बन्ध में समीक्षा, विद्यालय कार्यप्रणाली में सुधार, पूर्ण बैठकों में लिए गये निर्णयों के क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण तथा विद्यालयी शिक्षा विभाग/सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित नीति एवं निर्देशों के क्रियान्वयन से सम्बन्धित बिन्दुओं को आवश्यकतानुसार बैठक में ऐजेण्डे में संकलित किया जाय। सदस्य, सचिव द्वारा समय–समय पर निर्गत शासनादेश/निर्देशों को भी आम सभा की बैठक में प्रस्तुत किया जाय।

सरकार द्वारा विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्यों की क्षमताओं का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए उनको प्रशिक्षण का प्रावधान किया जा रहा है तथा समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों को चिन्हित कर सम्मानित करने की योजना है।

मध्याह्न भोजन योजना – 1. प्राथमिक स्तर पर बच्चों के पोषण में सुधार 2. गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों को विद्यालय की ओर आकर्षित कर कक्षा/विद्यालय गतिविधियों में ध्यान केन्द्रित करने में उनकी सहायता करना 3. सूखाग्रस्त क्षेत्रों में प्राथमिक स्तर के बच्चों को ग्रीष्मावकाश अवधि में पोषण उपलब्ध कराना।

योजना के प्रभाव – 1. विभिन्न वर्गों के बच्चे एक साथ बैठकर भोजन करते हैं जिस कारण सामाजिक एवं लैंगिक विभेद कम हुआ है। 2. विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ी है। 3. विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में कमी आयी है। 4. बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आया है। 5. पोषण में सुधार आया है। 6. बच्चों में आपस में भावनात्मक सम्बन्ध स्थापित हुए हैं एक दूसरे की मदद करने की भावना का विस्तार हुआ है। 7. सामुदायिक सहभागिता बढ़ी है।

कार्यक्रम की विशेषता – 1. श्रमिक बस्तियों में नवीन प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना। 2. बालश्रमिकों, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति के बच्चों एवं पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों के लिए पृथक प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था। 3. प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में कम से कम दो शिक्षकों की व्यवस्था। 4. ग्राम शिक्षा समिति तथा समुदाय की प्राथमिक शिक्षा के प्रबन्धन तथा निर्माण कार्यों में सहभागिता। 5. ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण। 6. सभी विद्यालयों में पेयजल, शौचालय एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण। 7. निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों की व्यवस्था। 8. अक्षम एवं विकलांग बच्चों हेतु एकीकृत शिक्षा व्यवस्था। 9. स्वयं सेवी संगठनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग। 10 पाठ्य पुस्तकों/पाठ्य क्रम एवं अध्ययन सामग्री का निर्माण। 11. संकुल संसाधन केन्द्रों की स्थापना। 12. नामांकन वृद्धि के साथ अतिरिक्त शिक्षकों के पदों का सृजन। 13. स्कूल मेपिंग के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का नियोजन।

सर्व शिक्षा अभियान की दशा

6–14 वयवर्ग के सभी बच्चों की अनिवार्य शिक्षा करने को सुनिश्चित करने के लिए सभी पढे सभी बढें के नारे को 10 वर्ष पूर्व सर्व शिक्षा अभियान द्वारा लागू किया गया था। उम्मीद यह की गई थी कि प्राथमिक शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार के साथ समाज के निचले वर्ग के बच्चे जो शिक्षा से वंचित होते जा रहे हैं उनकी शिक्षा की व्यवस्था प्रभावी ढंग से हो पायेगी। गरीब, दबे, साधनहीन एवं विकलांग बच्चों के शिक्षा स्तर में विकास के उद्देश्य को लेकर योजना प्रारम्भ की गई। इस योजना की तस्वीर एवं सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के बाद कुछ और ही नजर आती है। अरबों रूपया वार्षिक खर्च होने के बावजूद जो परिणाम सामने आते हैं उससे प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा की समस्या में सुधार आता नजर नही आ रहा है।

जानकार सूत्रों के अनुसार प्रदेश के 13 जिलों में 15665 प्राथमिक विद्यालयों में 1084662 से अधिक दाखिले हैं कुमाऊ मण्डल प्रतिवर्ष छात्रों की संख्या घटती जा रही है। घटती छात्र संख्या चिन्ता का विषय है। कुमाऊँ में घटती छात्र संख्या के मामले में अल्मोड़ा जिला शीर्ष पर है। पिछले एक वर्ष के भीतर इस जिले में 4420 बच्चे प्राथमिक शिक्षा छोड चुके हैं। इसी प्रकार गढ़वाल जिले में टिहरी जिले में लगभग चार हजार बच्चे एक साल में स्कूल छोड़ चुके हैं। गनीमत है कि हरिद्वार जिले में स्कूल आने वाले छात्रों की संख्या में ईजाफा हुआ है। प्रदेश के लगभग 150 स्कूलों में जहाँ छात्र संख्या 10 से कम है ताले लग चुके हैं। ऑखिर इस सब के पीछे कारण क्या है। क्या व्यवस्था की कमी है या सरकार की अस्पष्ट नीति अथवा बच्चों के अभिभावकों में शिक्षा के प्रति उदासीनता या रोटी, रोजगार के लिए पलायन ? अभियान की सफलता एवं भारी भरकम बजट के सदुपयोग एवं प्राथमिक स्तर पर शिक्षा के विकास के लिए इसके पीछे निहित सभी कारणों को संज्ञान में लेकर प्राथमिक शिक्षा के इस अभियान की समीक्षा करनी होगी तभी स्कूल चलो अभियान सार्थक हो सकेगा।

कुमाऊँ के पर्वतीय क्षेत्रों की स्थिति छात्र संख्या

जिला 2009–10	2010–11	केन्द्रीस वार्षिक	बजट(लाख रूपये)
पिथौरागढ	23648	30829	3605.64
अल्मोडा	51440	47020	5025.43
चम्पावत	22661	20891	2186.18
बागेश्वर	20497	19053	2231.60
नैनीताल	47837	45570	3568.06

(इसमें राज्य द्वारा दिया गया अंश अतिरिक्त है)

(सन्दर्भ अमर उजाला 23 अगस्त 2011)

7.0– प्रधानाध्यापिका/सयंसेवकों की प्रतिकि्रयाऍ–

आशा पाण्डेय, प्रधानाध्यापिका रा0 प्रा0 पा0 कुलेठी :– हिमवत्स संस्था द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय को गोद लेकर एक विशेष आदर्श विद्यालय का स्वरूप दिया गया है। जो शिक्षा के क्षेत्र में यह अभूतपूर्व योगदान है। संस्था द्वारा विद्यालय को गोद लेकर ग्रामीण

क्षेत्र के छात्र–छात्राओं का सर्वागीण विकास किया जा रहा है। संस्था द्वारा विद्यार्थियों को हर सम्भव सहायता दी जा रही है। जैसे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के उत्थान हेतु संस्था ने विद्यालय में तीन पूर्णकालिक शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यालय में लाइब्रेरी में लाईबेरि तथा सांइस रिसोर्स सेन्टर में मैनेजर कम क्यूरेटर की नियुक्ति की गयी है जो कि पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ छात्रों का विभिन्न शिक्षण सूत्रों एवं प्रयोगों के द्वारा शिक्षा प्रदान कर रहे है। संस्था द्वारा छात्र व छात्राओं को गणवेश, कापियॉ, बैग, फर्नीचर, दवाईयॉ खेल सामग्री, प्रतियोगात्मक पुस्तकें प्रदान की जाती है। उक्त सामग्री छात्र–छात्राओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है जिससे नवोदय परीक्षा की तैयारी सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुएं हैं। विद्यालय परिसर में स्वयं सेवियों द्वारा वृक्षारोपण कार्य किया गया है। संस्था द्वारा रखे स्वयं सेवकों द्वारा अध्यापन, कम्प्यूटर व प्रोजेक्टर से ज्ञान वर्धक सी0डी0 दिखाकर बच्चों का उत्थान किया जा रहा है समय–समय पर अभिभावकों से सम्पर्क कर एस एम डी सी की बैठक का आयोजन स्वयं सेवको की शैक्षिक गतिविधि का अनुश्रवण किया जाता है और सभी को उचित मार्गदर्शन देकर बच्चों को लाभान्वित किया जाता है। संस्था द्वारा इस वर्ष विद्यायलय में वृक्षा रोपण किया गया। छात्रों के नक्षत्र के आधार पर वृक्षों का विभाजन किया गया और बच्चों का जन्म दिवस मनाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष स्वयं सेवकों द्वारा बच्चों को खेल कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करा कर राज्य स्तर में भी स्थान प्राप्त किया है और संस्था द्वारा इस वर्ष विद्यालय में अनुपस्थित छात्र/छात्राओं को प्रेरित करने के लिए 70 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले छात्रों को शिक्षण सामग्री नही बाटी गयी। इस कारण 7 विद्यार्थी सामगी से वंचित रहे। अगले दो माह तक इनकी उपस्थिति की निगरानी की गयी और 70 प्रतिशत उपस्थिति होने पर सामग्री दे दी गयी यह विधि बच्चों को रोज उपस्थित होने के लिए पेरित करती है जिसका परिणाम सकारात्मक रहा समय–समय पर संस्था द्वारा अंगीकृत विद्यालयों में सामान्य, ज्ञान, चित्रकला, निबन्ध, भाषण, साइंस प्रयोग आदि की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस भी मनाया गया जिसमें वैज्ञानिकों के द्वारा बच्चों को व क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया। उपरोक्त सुविधाओं व सहयोग हेतु विद्यालय परिवार प्रधानाध्यापिका तथा ग्रामीण जनता संस्था के प्रति सहृदय आभार प्रकट करते है और सहयोग की आशा भविष्य में भी करते हुए हिमवत्स संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

श्रीमती षष्टी पाण्डेय, प्रधानाध्यापिका रा0 प्रा0 पा0 डुँगरासेठी:– हिमवत्स संस्था अर्थात् हिमालय वाटर सर्विस तथा

विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति किसी परिचय की मोहताज नहीं है। शिक्षा के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा के स्तर को निरन्तर आगे बढाने का जो लक्ष्य हिमवत्स संस्था ने निश्चित किया है, वह मात्र एक कथन ही नही है अपितु संस्था के सभी कर्मठ सदस्यों ने इस कथनी को करनी के रूप में परिणत भी किया है। इसी क्रम में संस्था राजकीय प्राथमिक विद्यालय डुँगरासेठी चम्पावत में छात्र/छात्राओं के सर्वागीण विकास के लिए सहायक सिद्ध हुई है। संस्था द्वारा विद्यालय में शैक्षिणिक कार्यों में सहायता हेतु योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है, जो पूरे मनोयोग से अपनी सेवाऍ प्रदान करते हैं। ग्रामीण परिवेश की विषमताओं को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा छात्र/छात्राओं को प्रतिवर्ष गणवेश, बस्ते, तथा लेखन सामग्री प्रदान की जाती हैं। संस्था द्वारा विद्यालय को बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक खेल सामगी भी दी जाती है। महत्वपूर्ण प्रयास जो समय–समय पर विद्यालयों में छात्र/छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण तथा उसके पश्चात् आवश्यक दवाइयों का वितरण, कर छात्राओं को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जाता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष विद्यालय में वृक्षारोपण का कार्य भी करवाया जाता है, जिससे विद्यालय प्रकृति के साथ जुड़ा रहता है तथा उससे लाभ प्राप्त करता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 28 फरवरी को महान वैज्ञानिक डा0 सी0 वी0 रमन के जन्म दिन पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है, इसमें छात्र/छात्राओं द्वारा शोध कार्य, क्विज तथा अन्य प्रपियोगिताऍ आयोजित की जाती हैं। इससे छात्र/छात्राओं का मानसिक स्तर भी समृद्ध होता है।

अब यदि सार रूप में संस्था की कार्यकुशलता एवं विकास के लिए कार्यरत प्रयासों पर प्रकाश डाला जाय तो यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि जहॉ एक तरफ संस्था ने समाज के प्रशिक्षित एवं योग्य व्यक्तियों को शिक्षण कार्यों का अवसर प्रदान कर उनकी योग्यता को निखारने का प्रयास किया है, वहीं संस्था ने सेवानिर्वत तथा कर्मठ महानुभावों के अनुभवों से छात्र/छात्राओं के सर्वागीण विकास का लाभ प्रदान किया है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि हिमवत्स संस्था ने हर दिशा में हर प्रकार से अपनी सेवाओं एवं प्रयासों के माध्यम से शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लक्ष्य में काफी अधिक सफलता प्राप्त की है।हिमवत्स संस्था द्वारा दिये गये मार्गदर्शन एवं अनुकरणीय प्रयासों के लिए विद्यालय संस्था के प्रति आभार व्यक्त करता है।

"हो रही हिमवत्स की, जै – जै कार देश में,
"आया मसीहा एक, एच0 डी0 बिष्ट के वेश में"।। (देखे– योगः कर्मषु कौशलम् पृष्ठ संख्या –संपादक)

श्रीमती हेमानाथ रावल प्रधानाध्यापिका राजकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुँगरासेठी

राजकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुँगरासेठी में हिमालय वाटर सर्विस विकास तथा पर्यावरण संरक्षण समिति डड़ा चम्पावत, बच्चों की शिक्षा के प्रोत्साहन, एवं रोजगार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है। संस्था की ओर से विद्यालय के छात्र/छात्राओं को बैग (कापियाँ, औजार बॉक्स) भार एंव लम्बाई बढ़ाने के लिए दवाइयां, ज्ञानवर्धन के लिए कहानियों की किताबें प्रदान की जाती है। जिससे एक आदर्श विद्यालय का वातावरण तैयार होता है और बच्चें खेल–खेल में ही ज्ञान अर्जित कर लेते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में शिक्षा के प्रति रूझान पैदा होता है। बच्चों को विज्ञान के प्रति रूझान पैदा करने के लिए संस्था द्वारा साइंस रिर्सोस सेण्टर बनाया है। इससे बच्चे विज्ञान के बारे में और अधिक ज्ञान प्राप्त करते हैं जो एक सराहनीय प्रयास है। संस्था द्वारा नियुक्त अध्यापक बच्चों को कम्प्यूटर का ज्ञान देने के साथ–साथ विभिन्न विषयों और विद्यालयीय गतिविधियों पर पूरा योगदान देते हैं। संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यो से अभिभावकों को भी बच्चों के प्रति जागरूक बनाया हैं।

संस्था हिमवत्स ने इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया है। विद्यालयों में वृक्षारोपण का कार्य किया गया है। वृक्षारोपण में बच्चों के साथ–साथ शिक्षकों ने भी पूरा सहयोग किया। संस्था ने विगत वर्षो से जो कार्य किए है उन कार्यो से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को निश्चय ही लाभ हुआ हैं। मैं साविद्या स्मारिका के सफल प्रकाशन के साथ–साथ आशा करती हूँ कि संस्था का योगदान भविष्य में भी इसी प्रकार मिलता रहे।

श्रीमती रेखा जोशी प्रधानाध्यापिका रा0क0पू0मा0वि0 खर्ककार्की

हिमालय वाटर सर्विस तथ विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति डडा, चम्पावत स्वयंसेवी संस्था द्वारा रा0 क0 पू0मा0वि0 खर्ककार्की, को सन् 2008 से अंगीकृत कर एक आदर्श विद्यालय का स्वरूप दिया गया है। जिसके परिणाम स्वरूप अन्य विद्यालयों की अपेक्षा हमारे विद्यालय में छात्र संख्या नामांकन में निरन्तर वृद्धि हो रही है। संस्था द्वारा छात्रों के सर्वागीण विकास हेतु दो पूर्ण कालिक शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। जो अपनी लगन और परिश्रम से विद्यार्थियों के शैक्षिक सम्वर्धन में अपना पूर्ण योगदान दे रहे हैं। संस्था द्वारा इस वर्ष छात्र/छात्राओं को स्कूल बैग तथा सभी विषयों हेतु कापियाँ वितरित की गयी हैं। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे लाभन्वित हो रहे तथा समय–समय पर संस्था के विशेषज्ञों द्वारा छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 28 फरवरी को महान वैज्ञानिक डा0 सी0 वी0 की स्मृति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है, इसमें छात्र/छात्राओं द्वारा शोध कार्य, क्विज तथा विज्ञान प्रर्दशनी आयोजित की जाती हैं। इससे छात्र/छात्राओं का मानसिक स्तर भी समृद्ध होता है। वर्तमान समय में विद्यालय में नक्षत्र वाटिका लगायी गयी है। जिसके लिए विद्यालय को कृषि सम्बन्धित औजार दिये गये हैं। संस्था द्वारा समय–समय पर शैक्षिक कार्यक्रम जैसे सामान्य ज्ञान, विज्ञान, निबन्ध, खेलकूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिससे छात्रों के शारीरिक विकास के साथ–साथ मानसिक विकास भी होता है और आगे बढ़ने की प्रवृत्ति भी जाग्रत होती है। संस्था द्वारा नियुक्त क्यूरेटर द्वारा सप्ताह में नियमित एक बार विद्यालय में आकर विज्ञान विषय में प्रत्येक कक्षा में पाठ के अनुरूप उपयोगी प्रयोगों का प्रदर्शन किया जाता है। जिससे सभी छात्र बड़ी उत्सुकता से प्रयोगो को देखकर तथा स्वंय प्रयोग कर पाठ को सरलता से तथा अच्छी तरह से समझ जाते हैं और इससे छात्रों में विज्ञान के प्रति रूचि जाग्रत हुई है। संस्था से सम्बन्धित शिक्षाविदो, बुद्धिजीवियों द्वारा निरन्तर विद्यालय में आकर छात्रों का मार्गदर्शन किया जाता है एवं विद्यालयी गतिविधियों का अनुश्रवण किया जाता है।

संस्था के द्वारा विगत वर्षों से दिये जा रहे अतुलनीय सहयोग तथा अनुकरणीय मार्ग दर्शन के लिए स्थानीय जनता ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध वर्ग संस्था का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की आशा करती हूँ।

श्रीमती हेमलता

मैं राजकीय प्रा0 वि0 खर्ककार्की चम्पावत में हिमवस्त की ओर से एक स्वयं सेवक के रूप में वर्तमान समय में कार्य कर रही हूँ। मैं अपना अनुभव आप लोगों के साथ बाँट रही हूँ।

"परिवार नागरिकता की प्रथम पाठशाला है" यह कथन प्रसिद्ध वैज्ञानिक अरस्तू का है और मेरे अनुभव से विद्यालय ज्ञान की प्रथम दार्शनिक सीढ़ी है जिसमें बालक शिक्षक की अुंगली थामकर आगे बढ़ाता रहता यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे हिमवत्स संस्था में कार्य करने का मोका मिला। मैं वर्ष 2009 से वर्तमान समय तक कार्य निष्ठा पूर्वक कर रही हूँ और हिमवत्स संस्था को तहे दिल से धन्यवाद देती हूँ। जो ग्रामीण बच्चों के उत्थान के लिए हर सम्भव सहायता प्रदान कर रही है जिससे छात्रों का सर्वागींण विकास हो रहा है।

श्रीमती मीरा वर्मा प्रधानाध्यापिका राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढकना

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति डडा–चम्पावत द्वारा वर्ष 2008 में रा0 प्रा0 पा0 ढकना को गोद लेकर शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया जा रहा है। बच्चों के सर्वागीण विकास हेतु हर सम्भव प्रयास किये जाते हैं। संस्था द्वारा विद्यालय में दो शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है जो शिक्षण कार्य के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान, शारीरिक शिक्षा, ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता, नवोदय परीक्षा, खेल प्रतियोगिता, आदि क्षेत्रों में बच्चों का मार्गदर्शन करते रहते हैं। संस्था द्वारा बच्चों को लिव. 52, सुप्राडीन एवं डी वार्मिग दवाईयॉं दी जाती हैं। संस्था द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त बच्चों को कापी, बस्ता, औजार बाक्स सहित विद्यालय को खेल का सामान भी दिया गया है। विद्यालय में नक्षत्र वाटिका लगायी गयी है, जिसके लिए विद्यालय को कृषि सम्बन्धित औजार दिये गये हैं। गरीब और ग्रामीण बच्चों का तथा अभिभावकों का ध्यान शिक्षा के प्रति आकर्षित करने तथा रूचि पैदा कर आगे बढ़ाने का हर सम्भव अधिक से अधिक प्रयास कर अति उत्तम एवं विशेष सराहनीय कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है।

विद्यालयों में नियुक्त स्वयं सेवको के कार्य तथा बच्चों की प्रगति की जानकारी हेतु हर माह अनुश्रवण समिति द्वारा निरिक्षण कार्य किया जाता है। मैं संस्था द्वारा किये जा रहे प्रगतिशील प्रयास के लिए आभार व्यक्त करती हूँ।

श्रीमती मोहनी वर्मा प्रधानाध्यापिका रा0प्रा0वि0 खर्ककार्की

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति डडा–चम्पावत स्वयं सेवी संस्था द्वारा वर्ष 2009 में रा0प्रा0पा0 ढकना–बडोला को अंगीकृत कर एक आर्दश विद्यालय बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय में शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। एक समान गणवेश होने के कारण आपसी भेद भाव को मिटाता है। संस्था द्वारा बच्चों को लिव 52, सुप्राडिन, कीडे की दवाई वितरित की गयी। जिससे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास काफी तीव्र गति से हो रहा है। संस्था द्वारा शिक्षण कार्य के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान, शारीरिक शिक्षा, ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता, नवोदय परीक्षा, खेल प्रतियोगिता, आदि क्षेत्रों में बच्चों का मार्गदर्शन करते रहते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य एवं रहन सहन पर भी अच्छा प्रभाव पड़ रहा है। शिक्षण कार्य के अलावा कम्प्यूटर शिक्षक द्वारा कम्प्यूटर का ज्ञान बच्चों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे बच्चों मे कम्प्यूटर के प्रति रूचि बढ़ती जा रही है।

संस्था के सहयोग द्वारा छात्र संख्या में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त बच्चों को सत्र 2011–12 में कापी, बस्ता, औजार बाक्स सहित विद्यालय को खेल का सामान भी दिया गया है। विद्यालय में नक्षत्र वाटिका लगायी गयी है जिसके लिए विद्यालय को कृषि सम्बन्धित औजार भी उपलब्ध कराये गये हैं। बच्चों द्वारा हर कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जा रहा है। विद्यालय के छात्रों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे संकुल, क्षेत्रीय व जिला स्तर खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर भी प्रतिभाग किया गया। मैं तथा अभिभावक संस्था के सहयोग के प्रति अपना आभार ब्यक्त करते हैं।

तनुजा पन्तोला (स्वयं सेवक अध्यापिका) रा0प्रा0वि0 कुलेठी

हिमवत्स साविद्या द्वारा प्रतिवर्ष छात्रों को यूनीफॉर्म, दवाइयाँ, कापी, खेल सामग्री दिये जाने के फल स्वरूप छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्थानीय सेवानिवृत शिक्षकों एवं शिक्षा विदों द्वारा साविद्या शिक्षकों को शिक्षण का प्रशिक्षण एवं अनुश्रवण कार्य से स्वयं सेवक शिक्षकों के शिक्षण कार्य में आत्म विश्वास में वृद्धि हुई है। परम्परागत ज्ञान को ध्यान में रखकर छात्रों को शिक्षण में कैसे? क्यों? कहां? कितना? आदि खोज की बातों को ध्यान में रखकर उनके व्यक्तित्व विकास का प्रयत्न किया जाता है।

भगवत सिंह चौधरी (स्वयं सेवक अध्यापक) रा0प्रा0वि0 डुंगरासेठी

साविद्या का मानना है कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को उचित दिशा प्रदान करने के लिए अभिभावकों का सहयोग आवश्यक है। अतः छात्रों के क्रियाकलाप एवं व्यवहार की सही जानकारी के लिए शिक्षक–अभिभावक सम्पर्क को शिक्षण के महत्व पूर्ण माध्यम के रूप में स्वीकार किया गया है। छात्रों के मानसिक एवं शारीरिक स्तर को ध्यान में रखते हुए उन्हें पढ़ाने एवं खेलों में प्रतिभाग कराने की योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है।

चन्द्रमोहन जोशी(स्वयं सेवक) रा०प्रा०वि० ढकना

साविद्या द्वारा उपलब्ध कराई गई सहायता से जहां छात्रों की उपस्थिति में वृद्धि हुई है, वहीं सहायक सामग्री की उपलब्धता से छात्र पठन–पाठन में अधिक रूचि ले रहे हैं। यही नहीं बच्चों के स्वास्थ्य में भी सुधार पाया जा रहा है। शिक्षण में खेल विधि एवं टी.एल.एम. विधि का प्रयोग प्रभावी सिद्ध हो रहा है। माह में दो बार शिक्षक–अभिभावक सम्पर्क एवं एक बार विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठक आयोजित होने से शिक्षकों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिल रहा है।

मुक्तेश पचौली (स्वयं सेवक) रा०प्रा०वि० ढकना बडोला

संस्था द्वारा दिये जा रहे अतुलनीय सहयोग, अनुकरणीय मार्ग दर्शन का लाभ छात्र–छात्राओं तक पहुंचने लगा है। शिक्षण में टी.एल.एम., प्रोजेक्टर, खेल आदि विधियों के प्रयोग से छात्र पढ़ाई में अधिक रूचि लेने लगे हैं। सामान्य ज्ञान, विज्ञान, नवोदय प्रवेश की तैयारी एवं खेल प्रतियोगिताओं के आयोजनों से छात्रों में प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के प्रति उत्साह में वृद्धि हुई है। शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी एवं रुचिकर बनाने के लिए अभिभावकों का सहयोग लिया जा रहा है।

हेमा(स्वयं सेवक) रा०प्रा०वि० खर्ककार्की

"परिवार नागरिकता की प्रथम पाठशाला है" यह कथन प्रसिद्ध विचारक अरस्तु का है। मेरे अनुभव के अनुसार विद्यालय बालक के लिए ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है। जिससे बालक शिक्षक की अंगुली थामकर आगे बढ़ता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए साविद्या द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं सचल पुस्तकालय की बाल उपयोगी पुस्तकें, अजीम प्रेम जी की सी०डी०, कम्प्यूटर, नूवेल सामग्री, विज्ञान केन्द्र, शिक्षण में सहायक सामग्री का यथा सम्भव प्रयोग करते हुए छात्रों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए प्रयत्न किया जा रहा है। इन सुविधाओं का उपयोग बच्चों को रूचिकर लगने के साथ उन्हें विद्यालय में उपस्थित रहने में सहायक सिद्ध हो रही है। शिक्षक–अभिभावक सम्पर्क से अभिभावकों में भी बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए जागरुक किया जा रहा है।

दीपक टम्टा(स्वंय सेवक) रा०प्रा०वि० डुँगरासेठी

प्रत्येक बच्चे का एक विशेष गुण होता है। बच्चों के इन्हीं गुणों को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे भाषण विज्ञान प्रतियोगिता कला सुलेख की प्रतियोगिता आयोजित कर अधिक से अधिक छात्रों को प्रतिभाग करने का अवसर दिया जा रहा है।

नक्षत्र वाटिका

पेड़– पौधों के पर्यावरणीय महत्व एवं दैनिक जीवन में उनकी व्यावहारिक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए सभी अंगीकृत विद्यालयों में वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण के लिए नक्षत्र वाटिका की संकल्पना विकसित की गई। इस संकल्पना में उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें भावात्मक रूप से जोड़ने का भाव समाहित है। वृक्षों की विभिन्न प्रजातियों, लता– गुल्म, औषधीय पौधे आदि हमारी दैनिक आवश्यकताओं से इस प्रकार जुड़े हैं कि हमारे पूर्वजों तथा ऋषि– महर्षियों ने उन्हें धार्मिक स्वरूप प्रदान कर दिया था ताकि उन्हें किसी प्रकार की क्षति न पहुँचाई जा सके पीपल, बरगद, ऑवला, अशोक, बेल आदि वृक्षों–पादपो को धार्मिक व सामाजिक परिसरों में विकसित करने की संकल्पना हर क्षेत्र मे विकसित की जा रही है।

साविद्या ने इस क्षेत्र में पुरोगामिता करते हुए समाज के लिए एक प्रेरक वातावरण तैयार करने का प्रयास किया है। रोपित पादपों के साथ बच्चों तथा अभिभावको एवं शिक्षकों को इस प्रकार सम्वद्ध किया गया है कि वे भावात्मक रूप से उनकी सुरक्षा से जुड़ें ताकी पौधे नष्ट न हो सकें और बच्चे प्राण–प्रण से उनकी रक्षा में तत्पर रहें। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में यूकोस्ट देहरादून का सहयोग सराहनीय रहा।

(नक्षत्र वाटिका के अन्तर्गत वृक्षारोपण तालिका 1.10 (पेज–23) पर अंकित है।)

योगः कर्मषु कौशलम्

योगः कर्मसु कौशलम्ः–,(श्रीमती षष्ट्री पाण्डेय प्रधानाध्यापिका रा0प्रा0वि0 दुंगरा सेठी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए 2011 में उत्तराखण्ड शासन द्वारा शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें गत वर्ष साविद्या द्वारा पुरस्कृत किया गया था। श्रीमती पाण्डेय बधाई की पात्र है। रा0प्रा0वि0 ढुंगरासेठी साविद्या द्वारा अंगीकृत विद्यालय है। प्रस्तुत है, उनकी कहानी उन्हीं की जुबानी)

दिन भर की थकी मादी माँ सन्ध्या समय में खाने की तैयारी करते हुए, हम भाई–बहिनों को नित्य प्रति पव्वा–अद्धधा–ड्यौढे–ढ़ाम तथा पहाड़े पढ़ाती और कहती थी कि– "इजा मणि पढ़ि–लिखि लेलातो भल मैंसा में गिनती होलि"। यह बात मेरे मस्तिष्क में रह–रह कर घर करती और दूसरे दिन स्कूल जाकर पहाड़े आदि पढ़ाने में सबसे पहले खड़ी होती तो मुझे संबल मिलता। कि मेहनत करके प्रशंसा होती है और आत्मतोष की अनुभूति होती है। परिश्रम करना व समय पर काम पूरा करना यह मंत्र मुझे अपनी माता से मिला। नतीजतन कक्षा आठ की बोर्ड परीक्षा में वजीफा प्राप्त किया। सेवाकाल में प्रथम नियुक्ति प्राथमिक पाठशाला दुधपोखरा क्षेत्र लोहाघाट में हुई। तत्कालीन जि0वि0नि0 पिथौरागढ़ श्री पी0डी0 जोशी जी के मुआयने की सराहनीय आख्या से एक नया संबल मिला। तब से और परिश्रम करना और कोई भी कार्य समय पर करने में मुझे आनन्द की अनुभूति होती थी। बच्चों को सुलेख के लिए सदा प्रेरित करना, गणित के प्रश्नों को भली भाँति कई बार हल करवाना, सदा मेरी प्रवृत्ति रही। पढ़ाने के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाच–गीत, अभिनय, अन्ताक्षरी आदि का अभ्यास कराने में मुझे अच्छा लगता था। राष्ट्रीय पर्वो के लिए बच्चों को स्वयं नाचकर–गाकर व अभिनय कर बच्चों को प्रेरित रही, जिससे बच्चों में आत्मीयताका भाव जाग्रत होता। कभी–कभी छात्राओं को कढ़ाई–बुनाई के टिप्स भी देती।

सन् 2000 दिसम्बर में प्रधानाध्यापिका का कार्यभार मिलने के उपरान्त मैंने अपने विद्यालय के बच्चों को प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और फलस्वरूप सफलता मिली। विद्यालय में समय से पूर्व पहुंचकर विद्यालय की साफ–सफाई, प्रार्थना, राष्ट्रगान, देशगीत, समाचार शारीरिक व्यायाम आदि से विद्यालय की शुरूआत की।

सन् 2000 से एकल शिक्षिका होने के बावजूद प्रत्येक कक्षा को प्रत्येक विषय का लिखित कार्य करवाना, गृहकार्य देना व उसकी जांच कराना मेरी आदत सी बन गई। नवाचारी शिक्षा के क्रम में हारमोनियम–ढोलक आदि का अभ्यास करवाना तथा उसको व्यावहारिक रूप में विद्यालय में परिणत करना जारी रखा, नित्य प्रति प्रार्थना सभा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वयं व बच्चे हारमोनियम व ढोलक के साथ प्रस्तुति देते।

कहने का आशय है कि जो भी कार्य करें उसमें–

"Work while you work Play while you play
That is The way To be happy wealthy and gay" को चरितार्थ करना है।

मेरी प्रेरणास्रोत पंक्तियाँ–

फूल से बोली कली, क्यों व्यस्त मुरझाने में है? रूप की मदिरा अभी पैमाने में है।
फूल थोड़ा सा हंसा और कह गया जिंदगी की सार्थकंता बीज बन जाने में है।

उपलब्धियाँ– 1– खण्ड स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षिका पुरस्कार 2– Certificate for excellence- Asha for Education, कैलिफोर्निया द्वारा 3– शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार

हमारा चम्पावतः अशोक टम्टा (स्यंव सेवक) अध्यापक प्रा0 पा0 कुलेठी

मै अशोक टम्टा हिमवत्स संस्था में स्वयं सेवक के रूप में वर्ष 2009 से कार्य कर रहा हूँ। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस संस्था में कार्य करने का मैाका मिला। और मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है। संस्था हर वर्ष की तरह अपनी वार्षिक प्रत्रिका का प्रकाशन कर रही है और उसमें मुझे अपने लेख को प्रकाशित करने का मौका मिल रहा है मै अपने इस लेख द्वारा हिमवत्स संस्था से जुड़े विभिन्न प्रान्तों के बुद्धिजीवियों को अपने चम्पावत के इतिहास से अवगत करना चाहता हूँ।

ऐतिहासिक चम्पावत

प्राचीन काल से ही भारत में चम्पावत का एक विशेष स्थान रहा है। मानस खण्ड के अनुसार यहाँ पर कूर्मरूपधारी भगवान विष्णु देवगणों के द्वारा सेवित होते तीन वर्शे तक स्थित रहे इसलिए भगवान कूर्म के चरणों से चिन्हित होने के कारण यह स्थान कूर्माचल कहलाता है। प्राचीन काल से चम्पावत के मंदिरों और शिलालेखों का विशेष महत्व रहा है यह स्थान चंद राजवंश की राजधानी नाम से ख्याति प्राप्त है। चंद राजा सोमचन्द द्वारा चम्पावती नाम से प्रसिद्व यह नगरी जनपद का रूप पा जाने के बाद भी हर क्षेत्र में विकास को तरस रही है। चम्पावत के भीँश में स्थित माँ हिगंला देवी के मंदिर के बारे में माना जाता है कि पाण्डव पुत्र भीम की पत्नी हिडंबा राक्षसी के झूला खेलने का स्थान माना जाता है।जो बाद में पाण्डव पुत्र भीम व हिंडबा राक्षसी के मध्य भारीरिक संबंधों के कारण अनायास ही टूट कर अखिलतारणी में जा गिरा बताया जाता है। इस सहवास से प्राप्त हिडिम्बा राक्षसी के पुत्र धटोत्कच के नाम से अभी भी चम्पावत के पास ही धटकू धटोत्कच का प्रसिद्व मंदिर विद्यमान है। धटकू के बारे में एक अन्य कहावत यह भी प्रचलित है कि यहां दूध डालने पर लगभग डेढ किलोमीटर दूर हिडम्बा मन्दिर में दूध गुप्त मार्ग से पहुॅच जाता है।यह मंदिर धटकू के नीचे गन्डक नदी के किनारे स्थित है।

बालेश्वर– चन्द राजवंश के प्रथम राजा सोमचन्द लगभग 953ई0 में यहां आये थे जिन्हों कत्यूरी राजवंश ने अपना मित्र बनाकर यहां कुछ जमीन एवं राजशही दी। यहां से चन्द राजवंश का आरम्भ काल माना जाता है। राजा सोमचन्द ने बालेश्वर मंदिर का निर्माण किया।

एक हथिया नौला

चम्पावत के पास ही एक हथिया नौला – एक हाथ से बना हुआ है। – बालेश्वर मंदिर के निर्माण के बाद चन्द प्रशासन ने इसे बनाने वाले मिस्त्री का एक हाथ कटवा दिया ताकि बालेश्वर जैसा भव्य मंदिर अन्यत्र कहीं न बनने पाये। साथ ही उस मिस्त्री को उचित मुआवजा दे दिया लेकिन मिस्त्री ने मुआवजा लेने से इनकार कर दिया । बाद में उसने एक ही रात में एक हाथ से अपनी लडकी के सहयोग से इस नौले का निर्माण कर चन्द प्रशासन का हैरत में डाल दिया तभी से इसका नाम एक हथिया नौला पडा।

ऐतिहासिक राजवुंगा किला–

चम्पावत में सथित राज बुंगा किला कहा जाता है कि चन्द वंश की राज रानियों दिन में समय बिताने के लिए अपनी दासियो के साथ यहॉ विशराम करने आया करती थी।

ऐतिहासिक बाणांसुर किलाः– (लोहाधाट से 6 कि0मी0 दूर)

एतिहासिक बाणांसुर का किला स्थित है यह किला पूरी पहाडी को सुरक्षा हेतु तराश कर तथा पहाड की चोटी समतल करके बनाया गया है। किला चारों तरफ से मजबूत चार दिवारी से धिरा हुआ है।इसमें प्रवेश हेतु दो द्वार है पूर्वी द्वार एवं पश्चिमी द्वार। इन द्वारों पर बने चिन्हों से प्रतीत होता कि इन शिलाओं द्वारा द्वार बन्द किये जाते होंगे। कहा जाता है कि बाणासुर परम शिव भक्त था। भगवान शिव की कृपा से वह अजेय

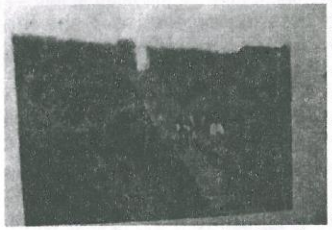

हो गया उसे अपनी शक्ति पर इतना धमंड हो गया कि वह शिव जी को ललकारने लगा। उसके इस धमंड को चूर करने के लिए शिवजी ने उसे एक ध्वज दिया और कहा कि जिस दिन ये ध्वज स्वयं खंडित हो जायेगा उस दिन तू समझ लेना तेरा शत्रु उत्पन्न हो गया। एक दिन श्री कृण्ण के पौत्र अनिरूद्व

पर बाणसुर की पुत्री उषा आसक्त हो गयी बाद मे बाणसुर ने उसे बंद कर लिया था अनिरूद्ध के महल में प्रवेश होते ही ध्वज स्वयं खडित हो गया अनिरूद्व को बाणासुर की कैद से छुड़ाने के लिए श्री कृण्ण–बाणासुर युद्ध हुआ और बाणासुर मारा गया। इस युद्व में बहे रक्त के कारण ही नदी का नाम लोहावती पड़ा।

मॉ बाराही धाम देवीधूराः–

देवीधूरा नामक स्थान चम्पावत से 56 कि0मी0 दूर स्थित हैं। बाराही मंदिर देवीधूरा मे दर्शन करने पर सर्व प्रथम मंदिर प्रागंण खोलीखांड तथा मुख्य द्वार पर देवी की मूर्ति है। स्थानिय जनश्रुति के अनुसार सन्दूक में बन्द मूर्ति को अभी तक किसी व्यक्ति ने नही देखा है और न यह स्पस्ट हैकि मूर्ति किस धातु अथवा पत्थर की बनी है। वर्ष भर में श्रावण पूर्णिमा के दिन मूर्ति को मंदिर के पुजारी द्वारा आंखों में पट्टी बाधंकर स्नान कराया जाता है। तत्पश्चात मूर्ति सन्दूक मे रख दी जाती है। श्रद्धालुओं द्वारा सन्दूक की पूजा अर्चना की जाती है। रक्षा बन्धन श्रावण पूणिमा के दिन ठीक दोपहर में लगभग 10 या 12 मिनट तक सौकडों लोगों द्वारा पत्थर युद्व बग्वाल खेली जाती है। बग्वाल की शरूआत तथा समाप्ति मन्दिर के पूजारी वशंखनाद तथा चंवर हिलाकर करता है। पत्थर के इस यूद्व में उसमें भाग ले रहे लोंगों को चोट लगनी स्वाभाविक है परन्तु यहॉ पर झिटपूट चोटों पर दवा के बदले बिच्छ धास भी लगाई जाती है। इसके साथ इस वैज्ञानिक युग का यह पत्थर युद्व अदभुत धटना कही जायेगी।

मायावती आश्रम :–

लोहाघाट से 9 किमी दूर पर मायवती आश्रम स्थित है। यह स्थान चारों तरफ से देवदार के वृक्षों को ओढे हुए विविध वनस्पतियों, फलफूलों के प्राकृतिक सौन्दर्य अभिभूत है। 3 जनवरी 1901 को स्वयं स्वामी विवेकानन्द जी यहॉ पर आए तथा दो सप्ताह तक यही पर सेहर कर यहां की प्राकृतिक छटा का अदभुत आनन्द लिया स्वामी जी ने पैदल चलकर अपने शिष्य कैप्टन जे0एच0 से विकर एवं श्रीमती सेविकर द्वारा एक शान्ति मठ की स्थापना की आज यह स्थान आध्यात्मिक शान्ति, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान रखता है।

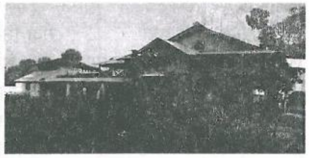

श्यामलातालः– सूखी ढांग से पॉच किलोमीटर दूर पर स्थित विवेकानन्द आश्रम। इस आश्रम को श्यामलाताल के नाम से जाना जाता है। यह स्थान चम्पावत जिले मे पड़ता है। यहॉ ताल यानी कि झील है। इस ताल की ल0 करीब 0.200किलोमीटर है। यहॅा से टनकपुर एवं बनबसा की धाटियों भी स्पष्ट दिखाई देती है। आश्रम के उत्तरी भाग से देखने पर नन्दादेवी वपंचाचुली एवं नन्दाकोट की आकर्षक बर्फीली चोटियॉ दिखती हैं।

हिमालयन वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति

कार्यकारिणी सदस्य

1.	डा0 के.के.पाण्डे	अध्यक्ष
2.	श्री याम सिंह धनक	उपाध्यक्ष
3.	डा0 एच.डी.बिष्ट	सचिव एवं प्रमुख कार्यकारी
4.	डा0 आर. डी. जोशी	कोषाध्यक्ष
5.	डा0 जी.बी. बिष्ट	ऑडिटर
6.	श्री कमलेश रस्यारा	सदस्य
7.	श्री दीवान सिंह	सदस्य

सदस्य (हिमवत्स) कार्यकारिणी चम्पावत

1. श्री नारायणराम टम्टा
2. श्री रमेश चन्द्र पुनेठा
3. श्री दीवान सिंह बोहरा
4. श्री दिनेश चन्द्र बिश्ट
5. श्री बिमल पाण्डेय
6. श्री जगदीश सिंह अधिकारी

समिति के सहयोगी चिकित्सक मैम्बर

1.	डा0 जी0बी0 बिष्ट	वरिष्ठ नेत्र शल्यक
2.	डा0 डी0एन0 पौडियाल	वरिष्ठ नेत्र शल्यक
3.	डा0 ए0बी0 मवार	वरिष्ठ फीजिशियन
4.	डा0 एम0सी0 तिवारी	वरिष्ठ फीजिशियन
5.	डा0 पी0सी0 गुरूरानी	वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट
6.	डा0 एस0एस0 भारद्वाज	वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट
7.	डा0 मीना भट्ट	वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

वर्ष 2011.12 के दानदाता जिनके प्रति समिति विशेष आभार व्यक्त करती है।

1. श्री रमेश चन्द्र पन्त	सेवा निवृत कुल सचिव कुमाऊँ वि0 वि0
2. श्री एच0 डी0 बिष्ट	14/35 जी0 बी0 पन्त मार्ग हल्द्वानी
3. श्री जी0 वी0 बिष्ट	दुर्गा कालोनी छोटी मुखानी हल्द्वानी
4. श्री पार्थ पन्त	तल्ली ताल नैनीताल
5. श्री एस0 सी0 पाण्डे	मल्ला गोरखपुर हल्द्वानी
6. डा0 ए0 वी0 मवार	श्री राममूति मेडिकल कालेज बरेली
7. डा0 मीना भट्ट	मुख्य चिकित्सा अधिकरी महिला चिकित्सालय हल्द्वानी
8. श्री आर0 डी0 जोशी	ऊँचापुल हल्द्वानी
9. डा0 पी0 सी0 गुरूरानी	वरिष्ठ रेडियोलोजिस्ट
10. डा0 सी0 एस0 मथेला	कुमाऊँ वि0 वि0 नैनीताल
11. श्रीमती रजनी जोशी	दुर्गा कालोनी छोटी मुखानी हल्द्वानी
12. डा0 अजय नैथानी	चर्मरोग विशेषज्ञ
13. डा0 योगेन्द्र प्रताप	दन्त रोग विशेषज्ञ
14. मनोहर तिवारी	भारतीय स्टेट बैंक चम्पावत
15. श्रीमती कमला त्रिपाठी	

मैसर्स :- हरी दत्त राय
बस स्टेशन – चम्पावत
फोन न0 :– 05965 230040

स्टाकिस्ट :– हिन्दुस्तान लीवर लि0. कॉलगेट पामोलिव लि0. निप्पो एवरेडी. विप्रो आदि।
प्रो0 दीपक राय

सहयोगी प्रतिष्ठान

मैं दीप जनरल स्टोर
बस स्टेशन – चम्पावत

दैनिक उपभोग की वस्तुओं हेतु एक विश्वस्नीय प्रतिष्ठान

प्रो0 कमलेश राय
मो0 न0 9412923851

तिवारी स्वीट्स एण्ड रैस्टोरैन्ट
बस स्टेशन – चम्पावत
मो0 न0 9411038192

उच्च ववालिटी की बाल मिठाई, चाकलेट, बर्फी, बंगाली मिठाईयों का एकमात्र विश्वस्नीय प्रतिष्ठान

एवं

आधुनिक सुविधाओं से युक्त

तिवारी होटल – चम्पावत

प्रो0 प्रकाश तिवारी
मो0 न0 9412097067

शंकर आप्टीकल्स

हमारे यहाँ नजर एवं धूप के चश्में बनाये जाते हैं कान्टैम्ट लैंस लगवाने की सुविधा है।

खड़ी लाइन बड़ा बाजार

दुकान नं0 329

मल्लीताल नैनीताल

मो0. 9897049681

आपके फैमली का आप्टिकल

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, स्वयं सेवी संस्था विगत 5 वर्षों से जनपद चम्पावत के ग्रामीण एवं पिछडे वर्ग के छात्र/छात्राओं के चतुर्मुखी विकास के लिए प्रयास कर रही है, जो कि सराहनीय है।
मैं सावित्रा स्मारिका के पॉचवे अंक की सफलता के लिए शुभकामना देता हूँ।

विनोद कुमार तिवारी, जिला पूर्ति अधिकारी, चम्पावत

मुखानी, हल्द्वानी नैनीताल उत्तराखण्ड

डा0 मोहन तिवारी
एम.बी.बी.एस, एम.डी, मेडि.
फिजिशियन हृदयरोग एवं
डायबिटीज विशेषज्ञ
मो. 9412087823

डा0 श्रीमती जयश्री तिवारी
एम.बी.बी.एस, एम.एस
प्रसूती एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
फोन– 263674, 263817

सुविधाएं

सभी प्रकार के आपरेशन, डिलिवरी, सिजेरियन, मेडिकल एर्बोशन।
अल्ट्रासाउन्ड, कोल्पोस्कोपी द्वारा बच्चेदानी की जॉच
निःसंतान दम्पतियों का इलाज, दूरबीन विधि से आपरेशन
आपातकालीन सेवा 24 घण्टे की सुविधा
डाइविटीज मरीजों के लिए भी भर्ती की सुविधा

With Best Compliments From

Tewari Maternity Centre & Diabtic Clinic
Mukhani Haldwani, Naini Tal Uttarakhand
(A Gateway of Kumaun)

Dr. Mohan Tiwari
M.B.B.S, MD Medicine &
Physican, Heart Disease Diabetes Specialist

Dr. Smt Jay Shree Tewari
M.B.B.S, MS
Obstitician & Gynochogist

Facilities:
FCG

1 All kind of operations, delivery, caeserian, medical bortion Ultrasound
2 Ultrasound, colposcopic examination of uterus, Nabulizer. Pulse Oximeter
3 Pathology, E.C.G, Cardiac Monitor Facilities are available.

नगरपालिका परिषद, नैनीताल नगर की जनता से अपील है कि:–

0

1– यह नगर आपका है इसे स्वच्छ रखने में आप अपना पूर्ण सहयोग दें।
2– आप अपने घरों का कूड़ा अपने आस–पास व खुले स्थानों तथा नालों में न डालकर अपने पास के कूड़ा कन्टेनरों में ही डालें।
3– झील में गन्दगी न जाने दें। इसे स्वच्छ रखने में हमें अपना सहयोग दें।
4– नगरपालिका के समस्त करों का भुगतान यथासमय कर छूट का लाभ उठाएं।
5– आप अपनी दुकान के आगे नालियों में व सड़क के किनारे सार्वजनिक स्थलों में अतिक्रमण न करें तथा दूसरों को भी न करने दें।
6– पौलोथिन एक जहर है जिसका प्रयोग घातक है। इसका प्रयोग न करें। समस्त व्यापारी बन्धुओं से भी अनुरोध है कि वह अपने प्रतिष्ठांनों में पौलोथिन प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगायें जिससे कि शहर का पर्यावरण दूषित न हो।
7– कूड़ेदानों में कूड़े का न जलायें और न किसी को जलाने दें। इसमें आप व हम सबका सहयोग वांछनीय है।
8– नगर के पर्यावरण को साफ व स्वच्छ रखने में पालिका को सहयोग दें।
9– मिशन बटर फ्लाई वैज्ञानिक तरीके से बनाया गया है इसमें आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।
10– यदि मार्ग प्रकाश सफाई, अन्य शिकयत है तो दूरभाष नं0– 239787 में शिकायत दर्ज करें।
11– भवन स्वामी अपने भवन की मरम्मत/निर्माण कार्य का मलूवा नालों में न ड़ालें।

(नीरज जोशी)
अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद नैनीताल।
एवं पालिका परिवार।
सभासदगण।

(मुकेश जोशी)
अध्यक्ष
नगरपालिका परिष नैनीताल।
एवं पालिका

रिलांयस जीवन बीमा कम्पनी लिमिटेड

क्षेत्रीय (मण्डल) कार्यालयः दुर्गा सिटी सेन्टर, हल्द्वानी

हरीश चन्द्र जोशी

बीमा सलाहकार प्रबन्धक/विक्रय प्रबन्ध/एस.एम. (SM) मो0: 9359411928, 9759994794
क्लब सदस्य एडवाइजर– 1. मीना बिष्ट (हल्द्वानी) 2. चन्द्रशेखर द्विवेदी (गूलरभोज)
3. करन सिंह बोहरा (चम्पावत)

बीमा सलाहकारों के नाम एवं सम्पर्क नम्बरः (2009-10)

हल्द्वानी- 1. ललित मोहन पन्त 9917382733, 2. नारायण दत्त पाण्डे 9897030378, 3. गोविन्द सिंह मेहरा 9359926856, 4. कौशल पाण्डे 9917108109, 5. इन्द्रा त्रिपाठी 05946-262927, 6. नीरज पन्त 9756876415, 7. महेन्द्र सिंह बिष्ट 9412084504, 8. प्रभा पान्डेय 9259065759, 9. मीना बिष्ट 9760018544, 10. सुरेश पाठक 9410589244, 11. लीला जोशी 9927126126, 12. गोधन सिंह धौनी 9412987222, 13. नंदन सिंह टोलिया 9536280699, 14. हेम चन्द्र पन्त 05946-261956, 15. मनोज उप्रेती 9927236708, 16. विमल पन्त।

चम्पावत- 1. रेखा भट्ट 94129239849, 2. हीराबल्लभ रस्यारा 9410159604, 3. राजेन्द्र सिंह चौधरी 9411760602, 4. करम सिंह चौधरी 9837862318, 5. भारत भूषण जोशी 9897369624, 6. निर्मला तिवारी 05965-230416, 7. उमेश्वर सिंह तड़ागी 9411308834, 8. महेश चन्द्र पान्डेय 9456704231, 9. ललित मोहन जोशी 9410568414, 10. करन सिंह बोहरा 9675303500

पंतनगर- 1. गौरव पन्त/उमेश चन्द्र पन्त 05944-234186, 2. हरीश पन्त 9675736752, 3. दमयन्ती जोशी 9456136312

रूद्रपुर- 1. चन्द्र शेखर द्विवेदी 9927319935, 2. दीपक पान्डेय 9761111335

पिथौरागढ़- वन्दना जोशी 9818211497

पंजीकृत कार्यालयः एच ब्लॉक, पहली मंजिल, धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी, नवी मुम्बई, महाराष्ट्र 400 710, भारत

शाखाः प्रथम तल, आवास विकास, रूद्रपुर (ऊधमसिंह नगर) 263153 (उत्तराखण्ड) फोनः (ऑ.) 05946-320507-10

सुविधायेंः रिलायन्स जीवन बीमा, इन्फ्रास्ट्रक्चर बांड आदि Mutual Fund, SIP PLAN, ELESS PLAN

With Best Compliments from

Offest Printing
Colour

Photo Prining

Screen Printing
Colour

Photo State

With Best Compliments from

Consul Book Depot

DISTRIBUTOR- NCERT BOOKS

BOOK-SELLERS, LIBRARY SUPPLIERS, STATIONERS, ARTMATERIAL & COMPUTER STATIONERS

BARA BAZAR, MALLITAL, NAINTAL-263001

TEL.: 05942-235164, FAX: 05942-239853

E-mail : consulbookdepot@gmail.com

हिमालया वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति की "साविद्या" स्मारिका 2012 के प्राकाशन के अवसर पर नैनीताल डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैक लि0, हल्द्वानी की ओर से हार्दिक शुभकानायें।

बैक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठावें:–

- हल्द्वानी शहर में बैंक ग्राहकों को ए0 टी0 एम0 सुविधा।
- निक्षेप संचय– बचत खाता, चालू खाता, सावधि जमा, आवर्ती जमा एव नो फिल खाता।
- सम्पूर्ण भारत वर्ष में एक्सिस बैक के माध्यम से ड्राफ्ट सुविधा।
- कामर्शियल वाहन/निजी वाहन, भवन निर्माण/भवन क्रय हेतु ऋण सुविधा।
- घरेलू आवश्यक सामग्री क्रय यथा फ्रिज, टी0 वी0, फर्नीचर, वांशिग मशीन आदि क्रय हेतु उपभोक्ता टिकाऊ ऋण सुविधा।
- होटल/मोटर आदि निर्माण हेतु वीरचन्द्र सिंह गढवाली पर्यटन योजनान्तर्गत ऋण सुविधा।
- फलोरीकल्चर हेतु ऋण सुविधा।
- पैक्स समितियों के माध्यम से कृषकों को फसली तथा सी–15 व सी–4 के तहत कृषि एवं विविध कार्यों हेतुऋण की सुविधा।
- सहकारी सहभागिता योजनान्तर्गत कृषकों को सस्ते ब्याज पर ऋण सुविधा।
- स्वरोजगार केडिट कार्ड योजना के तहत ऋण की सुविधा।

एल0 डी0 भगत
सचिव/महाप्रबन्धक

पंकज पाण्डेय
प्रशासक

9-0 INVITED TALKS
DORING
WORLD ENVIRONMENT WEEK SEMINAR

JUNE1-5-2011

The three Invited talks and one right up in english are given below- Editors

The Sun and Solar Activity

Wahab Uddin : *Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences (ARIES), Manora Peak, Nainital 263 129, Uttarakhand, India.*

Living in the solar system, we have the chance to study, at close range, perhaps the most common type of cosmic object—a star. Our Sun is a star, and a fairly average star at that, but with one unique feature: It is very close to us some 300,000 times closer than our next nearest neighbor, Alpha Centauri. While Alpha Centauri is 4.3 light years distant, the Sun is only 8 light minutes away from us. Consequently, astronomers know far more about the properties of the Sun than about any of the other distant points of light in the universe. The Sun is the most prominent feature in our solar system. It is the largest object and contains approximately 98% of the total solar system mass, the remainder consists of the planets, asteroids, meteoroids, comets etc. The Sun color is white, although from the surface of the earth it may appear yellow because of atmospheric scattering. Its stellar classification based on spectral class is G2V, and is informallis in the yellow-green portion of the visible spectrum. In the spectral class label G2V indicates its surface temperature of approximately 5778 K (5505ύC) and V indicates that the Sun, like most stars, is a main sequence star and thus generate its energy by nuclear fusion of hydrogen nuclei into helium.

The Sun has a inner core where the entire energy is produced by proton-proton nuclear reaction .The huge amount of energy produced in this process is transported to the outer surface first through radiation (Radiative zone) then through the mass convection (convection zone) of sorts—not a solid surface (the Sun contains no solid material), but the part of the brilliant gas ball we see with our eyes or through a heavily filtered telescope—the so-called solar disk. This "surface" is known as the photosphere. Just above the photosphere is the Sun's lower atmosphere, called the chromosphere. Stretching far beyond that is a tenuous (thin) outer atmosphere, the solar corona. At still greater distances, the corona turns into the solar wind, which flows away from the Sun and permeates the entire solar system (c.f. Figure 1).

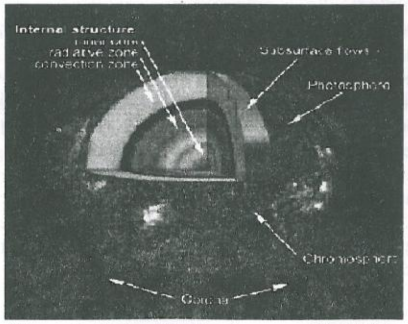

Figure 1. Parts of the Sun. Image credit: NASA

Sunspots, flares, prominences, surges, CMEs are the main solar activity features in the solar atmosphere and most of them are associated with solar active regions i.e. sunspots. Solar activity varies with every 11 years, which we call a solar cycle. Currently solar cycle 24 is in ascending phase and will reach maximum in year 2012-13.

Solar Flares

Solar flares take place in the solar corona and chromosphere, heating plasma to tens of millions of kelvins and accelerating the resulting electrons, protons and heavier ions to near the speed of light. They produce electro-magnetic radiation across the electromagnetic spectrum at all wavelengths from long-wave radio to the shortest wavelength gamma rays. Each radiation has different emission mechanism in the solar atmosphere X-ray and UV radiations emitted by solar flare can affect earth's ionosphere and disrupt long-range radio communication. Direct radio emissionat decimetric wavelengths may disturb operation of RADARS and other devices operating at these wavelengths.

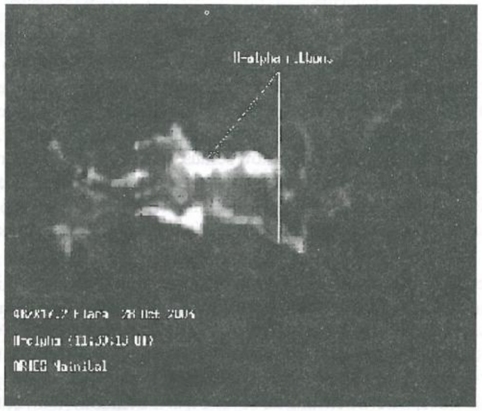

Figure 2. A large two ribbon flare.

Most flares occur around sunspots, where intense magnetic fields emerge from the Sun's surface into the corona (c.f. Figure 2). The energy efficiency associated with solar flares may take several hours or even days to build up, but most flares take only a matter of minutes to release their energy. The amount of energy released is equivalent of millions of 100-meatone hydrogen bombs exploded simultaneously. As the magnetic energy is being released particles like electron, proton and heave nuclei are heated and accelerated in the solar atmosphere. The energy released during a flare is typically of the order of 10^{27} ergs per second. Large flares can emit 10^{30} ergs of energy but this amount is less than one-tenth of energy emitted by the Sun every second. The frequency of occurrence of solar flares varies, from several per day when the Sun is particularly "active" to less than one every week when the Sun is "quiet". Large flares are less frequent than smaller ones. Solar activity varies with an 11-year cycle (the solar cycle). At the peak of the cycle there are typically more sunspots on the Sun, and hence more solar flares. The sun is now approaching it's maximum.

Prominence/ Filament Eruptions

A prominence is a large, bright feature extending outward from the Sun's surface, often in a loop shape. Prominences are anchored to the Sun's surface in the photosphere, and extend outwards into the Sun's corona. While the corona consists of extremely hot ionized gases, known as plasma, which do not emit much visible light, prominences contain much cooler plasma, similar in composition to that of the chromosphere.

A prominence forms over timescales of about a day, and stable prominences may persist in the corona for several months. Some prominences break apart and give rise to coronal mass ejections. When a prominence is viewed from a different perspective so that it is against the sun instead of against space, it appears in Hα as darker features. This formation is instead called a solar filament. Often a prominence reaches downward towards the chromosphere in a series of regularly spaced feet boundaries and are joined by huge arches. The term prominence is used to describe a variety of objects ranging from relatively stable structures with life times of many months to transient phenomena that last for hours or less. They have been classified in several different ways, but there appear to be two basic types viz quiescent, active prominences.

Coronal Mass Ejections

Coronal mass ejections (CMEs) are dynamic, large-scale events in the solar corona that expel vast amount of magnetic flux (~ 10^{21-23} Max) and solar plasma (~ 10^{15-16} g) into interplanetary space. CMEs typically appear as loop-like features that disrupt helmet streamers in the solar corona. They were first observed with space-based coronagraph in the early 1970's on Orbiting Solar Observatory (OSO) – 7 and Skylab. Subsequent observations from the solar wind and Solar Maximum Mission spacecrafts allowed identification of many of the properties of CMEs. The Solar and Heliospheric Observatory (SOHO) spacecraft has now extensively observed CME events from solar minimum in 1996 into the present maximum phase of the solar cycle. Halo events observed with the Large Angle Spectrometric Coronagraphs (LASCO) now provide the most effective means of identifying earthward-directed CMEs, which are believed to be primary cause of large, non-recurrent geomagnetic storms.

A clear three-part structure of the CME is seen: A bright frontal loop, a dark cavity, and a bright core, which is associated with the prominence that has also erupted. Although not all CMEs originate from where there is a streamer, it is generally believed and observed that CMEs originate from where the field was initially closed but subsequently forced open during the eruption. CMEs have a wide range of measured speeds, ranging from 10 km s^{-1} to over 2000 kms^{-1} with a median speed around 450 kms^{-1} whereas in some extreme events the speeds may be as high as 2700 kms^{-1}. Recently much attention has been given to the question of whether there are two dynamical types of CMEs. One group, the majority in number, is called the "slow CMEs", characterized by relatively lower speeds and observable accelerations in the coronagraph field of view. The other group, a minority in number, is called the "fast CMEs", characterized by relatively higher speeds and insignificant accelerations. This observational classification was first proposed by MacQueen and Fisher from the Skylab data, but was confirmed by Sheeley (1999) using the LASCO/SOHO data that have a better sensitivity and a larger field of view.

Fifty Glorious Years of Lasers

Prof. Prem B Bisht : Physics Department, IIT Madras, Chennai- 600036, India **Introduction**

Year 2010 was the 50th anniversary of the first operation of a laser. It was 16th of May in 1960 when the first ever laser light was seen by the mankind. Laser is a short form (acronym) of Light amplification by stimulated emission of radiation. It was this 'amplified radiation' coming out of a 'laser cavity' from a 'flash lamp' pumped 'ruby crystal' that was seen in Malibu, California in the laboratory of Theodore Maiman (popularly known as Ted Maiman) at the Hughes Corporation for the first time 50 years ago. So 16th May is considered as the "Birthday" of the Laser. Any invention is not just like that. It requires a great deal of basic theoretical and experimental research. For the invention of the laser, it was exactly that. Not only in preceding decade of 1950, there were several theoretical predictions, but as early as 1917 Einstein had introduced the concept of coefficients of stimulated absorption and emission. Similar in nature a device in microwave region of the electromagnetic spectrum is known as MASER. Actually almost simultaneously and independently Maser was invented about 10 years before by Townes and co-workers at Columbia University in New York and by Basov and Prochorov at the Lebedev Institute in Moscow. Therefore, in 1964 the Nobel prize was awarded to 3 scientists Charles H. Townes, Nicolay G. Basov and Aleksandr M. Prokhorov for invention of laser-maser principle.

A few lasers

One of the popular lasers in last 50 years has been the He-Ne laser at the wavelength of 632.8 nm. Other popular lasers nowadays are Nd: YAG Laser, Nitrogen Laser, Argon laser, dye laser and Ti:sapphire laser. Many of them are used in medical applications such as eye surgery. Lasers have applications in many fields. The criticism that the laser was "a discovery waiting for an application" has surely been entirely disproved by now.

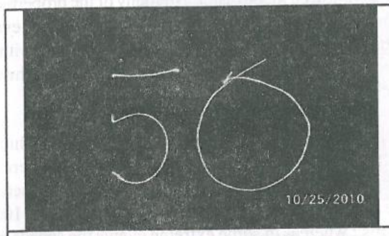

Number "50" written on a wall of the house with a laser by the author and photographed by Anupam Bisht with an exposure time of 4s.

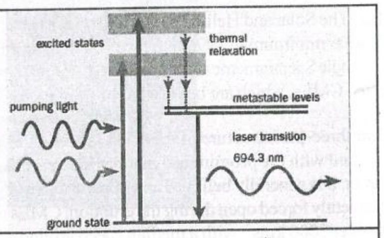

Principle of the laser: Light pumps the molecules to excited state. Laser action takes place form the metastablestate in ruby.

A droplet microlaser at IIT Madras.

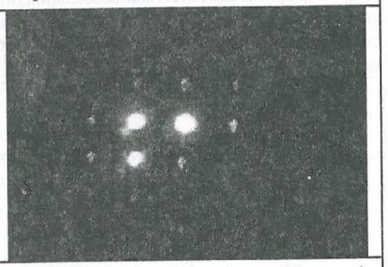

Self diffraction of 3 laser beams of the second harmonic of Nd:YAG at IIT Madras..

A few properties of lasers

Three properties make the laser distinct from any other light source. The first one is its spectral brightness. It is so bright that even sun's brightness is about 10 -100 times weaker than a typical laser. The second property of "directionality" is due to geometry of its production-house and focusing properties of spherical mirrors used in the house. Unlike candle light, laser light can travel kilometers without losing its direction. Practically we can receive reflected laser light from the moon from the earth. The third property is monochromaticity. This means it has a single colour/ wavelength or frequency. Of course there are limitations to this statement.

A few new terms in laser technology

The lasers can work in continuous mode or as a flash of light. The shortest duration of flash light that can be obtained in visible region is of femtosecond (10^{-15} s) duration. The lasers with short duration flashes of light are known as Ultrafast lasers. Since these are again bright for a very short time, they can transfer a lot of electromagnetic energy on any material. Under such conditions new fields of science known as "non-linear laser optics" comes in to existence. Glass materials when converted in thin hair like fibres can be used to carry light from one city to the other. Lasers play an important role in this "optical communication".

Present scenario with lasers and future

Right now the emphasis is on small, microlasers, high power petta watt lasers and short wavelength (X-ray) lasers of shorter durations of atto second (10^{-18} s) time scale. Such short time scales can be used to map the motion of an electron around the nucleus of an atom. High power lasers can be used to achieve nuclear fusion to get nuclear energy. We look forward to continuing this tradition of research and development in this important area of lasers over the next 50 years.

****

"Teachers' duty is less and less to teach, More and more to elicit"
- International Commission for Development

***

"Plants are fashined by cultivation, man by Education"
- Rousseau

***

Introduction to Earth Atmosphere and Atmospheric Aerosols

Umesh Chandra Dumka : ***Arayabhatta Research Institute of Observational Sciences (ARIES), Manora Peak, Nainital – 263 129, India***

(E-mail: dumka@aries.res.in)

The Earth is surrounded by a thin blanket of air which is called the atmosphere. The Earth atmosphere is made up of various gases that act as a protective shield for the Earth and allow life to exist. Without the atmosphere we would be burned by the intense heat/radiation of the sun during the daytime and frozen by the very low temperature at nighttime. More than three quarters of the Earth atmosphere is made up of Nitrogen (78%) and oxygen (21%). However, the remaining 1% is a mixture of carbon dioxide, water vapour and ozone, which not only produce the important weather features (e.g. cloud and rain) but also has significant influence on the overall climate of Earth atmosphere through different mechanism such as the greenhouse effect and global warming. A detailed composition of the Earth atmosphere is shown in Figure 1.

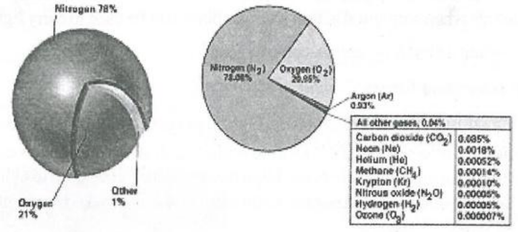

Figure 1. Pi-diagram of earth atmosphere compositions.

The Earth atmosphere is divided into the four layers.

Thermosphere: Thermosphere is the fourth layer of the Earth atmosphere around 80 to 110 km above the Earth surface. **Mesosphere:** It is a layer beyond the stratosphere where the air is very thin and cold. This layer is known as the mesosphere and lays around 50 to 80 km above the Earth surface. **Stratosphere:** the stratosphere is the second layer of air above the Earth's surface and extends up to a height of 50km. A thick ozone layer is found in the stratosphere. The ozone layer is absorbs the most of the harmful solar radiation which are very dangerous to the human life, animals and plants. **Troposphere**: this is the closest layer to the Earth surface and lays approximately 11 to 18 km height. Most of the weather features occurs only in the troposphere because it is the layer which contains most of the water vapour and other atmospheric gases and atmospheric aerosols (defined below). The troposphere is an unstable layer where the air and gases are constantly moving. As we moves upwards through the layers, the atmospheric pressure and air number density decreases rapidly with the height and the air temperature is also changes. Based on the temperature profile the atmospheres are divided into the layer which is described below (See Figure 2).

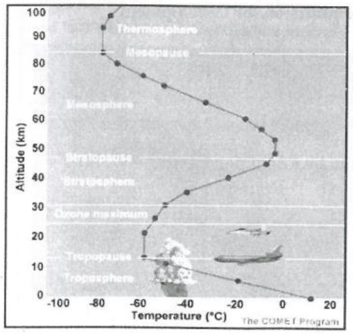

Figure 2. Thermal structure of the Earth atmosphere.

Weather and Climate: The weather is all around us all the time and it is an important part of our daily life and one that we cannot control. Instead the weather often controls how and where we live, what we do, what we wear and what we eat. It is a day-to-day condition of a particular place. For example, it was heavily rainy today and yesterday it was very sunny. Whereas as climate is the common average weather conditions at a particular place over a long period of time for example more than 50 years. There are different types of climate such as a desert have very hot and dry climate while the Antarctic has very cold and dry climate.

Aerosols in the Atmosphere

Aerosols are defined as suspensions of liquid or solid particles in the air, excluding cloud droplets and precipitation. When these particles are sufficiently large, we notice their presence as they scatter and absorb sunlight. Their scattering of sunlight can reduce visibility (haze) and redden sunrises and sunsets. These aerosols interact both directly and indirectly with the Earth's radiation budget and climate. As a direct Effect, the aerosols scatter sunlight directly back into space. As an indirect effect, aerosols in the lower atmosphere can modify the size of cloud particles, changing how the clouds reflect and absorb sunlight, thereby affecting the Earth's energy budget. These aerosols also can act as sites for chemical reactions to take place (heterogeneous chemistry). The most significant of these reactions are those that lead to the destruction of stratospheric ozone. During winter in the Polar Regions, aerosols grow to form polar stratospheric clouds. The large surface areas of these cloud particles provide sites for chemical reactions to take place. These reactions lead to the formation of large amounts of reactive chlorine and, ultimately, to the destruction of ozone in the stratosphere. Evidence now exists that shows similar changes in stratospheric ozone concentrations occur after major volcanic eruptions, like Mt. Pinatubo in 1991, where tons of volcanic aerosols are blown into the Earth atmosphere. A photograph of volcanic eruption is shown in Figure 3.

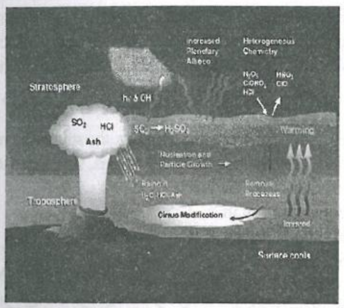

Figure 3. A photograph of volcanic eruptions which disperse the volcanic aerosols in the earth atmosphere

The aerosol particles have different sizes and these particles can be classified accordingly to their origin, size and atmospheric distribution. The mean radii of aerosol particles range from about 10^{-4} to 10 microns (μm). The very small size particles with the mean radius between 0.001 and 0.1 μm are called Aitken particles, radii between 0.1 to 1 μm particles are called as fine mode aerosols and the particles with the radii between 1 to 10 μm are considered as large or coarse mode particles. The aerosol particles in the atmosphere are mainly due to two main processes (1) direct injection into the earth atmosphere such as the formation of dust, soot and sea salt particles from human and/or natural process and (2) the chemical reactions of gaseous materials within the atmosphere, such as the transformation of SO_2 into HSO_4 or sulfates, NO_x into nitric acids, etc. The aerosols can come from natural sources, such as: pollen from flowers; sea salt spray; dust blowing over the desert; and ash from wildfires and volcanoes. Aerosols can also be human made (anthropogenic), such as particles from factory smoke, auto emissions and slash-and-burn agricultural practices (See Figure 4).

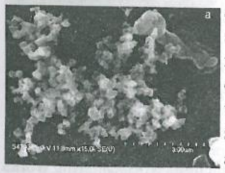

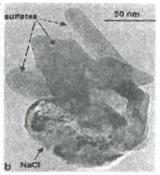

Figure 4. Particles of soot (left) and sea salt (right).

Why Do We Care About the Aerosols?

Aerosol particles affect the radiative balance of Earth both directly by scattering and absorbing the solar and terrestrial radiation and indirectly through their action as cloud condensation nuclei (CCN) with the subsequent effect on the microphysical and optical properties and lifetime of clouds and playing an important role in the processes of cloud formation and precipitation. In addition to the increasing concentration of ambient/anthropogenic aerosols causes the adverse health and environmental problems. The fine and sub micron size aerosols are more important in this aspect, because these aerosols are repairable and can penetrate deep into the lungs. These particles alter the lung tissue, increasing the incidents of respiratory diseases, cardiovascular stress and aggravating asthma, particularly for the children. The radio aerosols (e.g. radon) in the atmosphere pose an additional hazard of imparting radiation doses to the lungs. The carbonaceous aerosols are an important contributor to the sub micron aerosol mass and are expected to have a large adverse impact on the health.

The estimation of effects of aerosols on climate is very complicated by the fact that aerosols and their chemical composition, abundance and size characteristics are highly variable with respect to time and location. The uncertainty in aerosol radiative forcing is therefore one of the major uncertainties in predicting climate. Also in satellite remote sensing applications, the knowledge of aerosol characteristics is essential for correcting the effect of the atmosphere (since the signal received by the satellite sensor gets modified while passing through the atmosphere by interacting with aerosols).

What Happens When Light is absorbed and scattered?

The absorption of radiation causes local heating of the Earth's atmosphere. As this happens, the stratosphere is locally heated by the absorption of aerosols that can generate winds and temperature inversions, whereas the scattering of radiation causes a cooling effect. The scattering occurs because of the refractive index of the particles differs from that of the homogeneous medium in which they are imbedded. Although the frequency of the incident radiation does not changes (elastic scattering), its phase and polarization may changes substantially from those of the incident radiation. Finally the radiation which is reached to the surface of the Earth is partly reflected and partly absorbed by the ocean waters, soil, vegetation, snow and ice. A photograph of scattering of sun light by air particles is shown in Figur 5 (right hand side). There are two kinds of scattering: Rayleigh scattering and Mie Scattering.

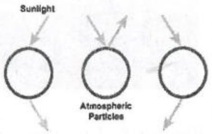

Rayleigh scattering

Rayleigh developed the scattering theory for light scattered by particles or air molecules in the atmosphere with diameters smaller than the wavelength of incident light. The amount of scattering is inversely proportional to the fourth power of the wavelength (λ^{-4}). Therefore, the *shorter* the wavelength of the incident light, the *more* the light is scattered. Light in the blue part of the spectrum is more intensely scattered than in the red part by atmospheric molecules, hence we see a blue sky. On the other hand, sunsets and sunrises appear reddish because the shorter (blue) wavelengths in direct light are removed by scattering through the long path in the atmosphere, leaving the remaining reddish colors of the spectrum (see Figure 5; right).

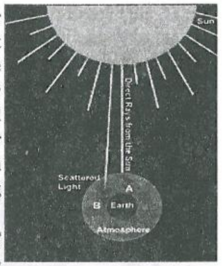

***Figure 5:** How the particles in the air scatter sunlight (top) and Sunlight is scattered by particles in the Earth's atmosphere (See Figure 5 bottm right panel).*

Mie Scattering

Mie scattering occurs when the size of the particle is on the order of the wavelength. Mie scattering works only for spherical particles such as cloud droplets. This type of scattering is responsible for the white appearance of clouds because the cloud droplets scatter all wavelengths of visible light in all directions.

Effects of Atmospheric Aerosols

Health: The aerosols, both natural and anthropogenic, create serious challenges for people with asthma or other lung problems, and children growing up in heavily polluted cities have lowered lung function. Very fine particulates (2.5 micrometers or less in diameter) can penetrate deep into the lungs. The finest particles can also leave the lungs to enter the bloodstream and affect other parts of the body, especially as carcinogens.

Global Climate Change: The aerosols are a major uncertainty in studies of global climate change. They can have both direct and indirect effects on climate, and depending on what effects predominate, may either contribute to global cooling or global warming. The emission of sulfur dioxide from the burning of coal and oil are of particular concern, because not only does some of this end up as acid rain (another serious environmental problem), but a large fraction becomes sulfate aerosols. The direct effects of aerosols are the scattering (which causes cooling) and absorption (which causes warming) of sunlight. High concentrations of aerosols in certain localities may cause local warming, which can alter air currents. Atmospheric aerosols can also affect climate indirectly by acting as "cloud condensation nuclei," which make the liquid droplets in clouds smaller. Clouds with smaller droplets have longer lifetimes and reflect more sunlight.

****

CANCER, A DREADFUL DISEASE

Dr. A B Mower,
Asstt. Prof. , Department of Medicine
SR MS IMS Bhojrpura Bareilly

Cancer is the uncontrolled growth of abnormal cells. in the body. Cancerous cells are also called malignant cells. Normally the cells are produced and die in the body as per requirement. The cancer cells are produced into these normal cells and then the character of these cells changes. The growth of these cells are out of control and cell divides at a rapid rate it can also occur when cells forget how and when to die. so they go on multiplying in the body tissues and cancer call also destroy the normal cells of body.

Couses of cancer are:

1. Excecs of alcohol
2. Excessive sun light exposure
3. Benzene and other chemicals
4. Environmental Toxins as poison's mushrooms and afloxtoxins
5. Genetic problem
6. Radiation
7. Obesity
8. Viruses. In many cancers cause remains unknown.

Common cancers is men

1. Lung
2. Prostate
3. Colon
4. Pancreatic and Liver
5. Blood

Common cancers is women

1. Breast
2. Colon
3. Lung
4. Cervical
5. Uterine

Some Other Types of Cancers

1. Brain
2. Hodgkin's Lymphoma
3. Kidne
4. Liver
5. Non Hodgkin's Lymphoma
6. Ovarian
7. Skin
8. Testiculan
9. Thyroid

Symptoms:- Any of the following Symptoms – suspect Cancer

1. A Lump or hard areas of the breast
2. Change in wart or mole
3. Persistent change in digestive a bowel habits like constipation or repeated diarrhoea
4. Persist ant cough a horceness of voice in smokers
5. Bleeding P/V at times other then menstruation
6. Non injury bleeding from the surface of skin, mouth or any other orifice
7. Any ulcer that does not heel
8. unexplained reduction in weight
9. unexplained loss of appetite
10. unexplained low grade fever.

Persisting of thickness scar, nodule or ulcer can be a feature of cancer

Symptoms of cancer depends on the type and location of cancer e.g.: lung cancer causes coughing, breath lessens no and chest pain. Clone cancer causes constipation and blood in stool.

Some cancer have no symptoms at all these are found accidentally in routine checkups. When is advance stage, like pancreatic cancer. So common symptoms of all cancers are chills, fatigue, fever, loss of appetite, malaise, right sweats and weight loss.

Signs tests:-

like symptoms the signs of cancer depends on type and location of Tumour common test done are.

1. Biopsy	3. Blood Test	3. Bone Marrow Biopsy
4. X-ray chest	5. C.B.C.	6. Cat-scan test and MRI.

Diagnosis is confirmed by Biopsy:

If any body is suspected or confirmed having cancer he should discuss the type, size location and stage of cancer with the doctor and also treatment options along with benefits and risks with some relatives.

Treatment: -

Depends on type and stage of cancer. Stage means whether tumour is localized or has spread from its origin. The options are as follows.

A. If cancer is confined at one location and not spread, surgery is indicated for cure, e.g.: skin cancer, cancer of lung, breast, colon etc.
B. If spread locally in lymph nodes the removal of lymph nodes is recommended.
C. If surgery is not possible then radiation, chemo-therapy or both recommended, others may require surgery, radiation and chemotherapy.
D. For some symptoms, chemotherapy and radiation therapy are recommended.

Treatment of cancer:

Is very difficult, costly-having lots of side effects but one must be aware of each type of therapy

(A) Radiation Treat:- It is painless, usually in week days. One has to take plenty of rest, balanced diet. Skin becomes sensitive and easily irritated! side effects are local only.

(B) In chemotherapy:- Propes diet, as immune system goes weak. Avoid to meet people, cancaer for congh and cold, fever, plenty of rest family-friends and social support, contirue to work duing therapy, one should keep himself busy to avoid anxiety, frustration and negative feelings.

Expectation of life :-

Out look of cancer depends on type of cancer one type of cancer has varies out come depending on stage when diagnosed.

Some cancer can be cured if treated in early stage some if not cured treated well some patints live many years and some are quickly and life threatening. The spread and complication depends on type stage of tumour.

Prevention:-

One can reduce the risk of getting cancerous tumours by:

1. Eating healthy balanced diet
2. Exercise regularly
3. Limiting alcohol
4. Maintain healthy weight
5. Miaimum exposure to radiation and toxic chemicals
6. Avoid smoking and tobacco
7. Reduce sun Exposure

Cancer Screening can be done in few cancers On regular interval through out life for example:

1. Mammography for breast cancer
2. Colonoscopy for color cancer
3. Pep Smear for cervical cancer

In short if any body suspects cancer and the above mentioned symptom, one must get- check-up thoroughly after medical consultation! because if early diagnosis is made-cure of cancer is possible.

EARM WHILE YOU LEARN

Development of Employability for the youths of Uttarakhand after Class 10.

The State Government's incentive to draw manufacturing industries in the State came with a pre-condition that 70% of the employees should be locals. But this criterion has proved to be a major problem for the industries since there is lack of manpower talent available in the State.

With a team of entrepreneurs from Uttarakhand, we have tried to do something different. We opted to convert this challenge into an opportunity by collaborating with reputed industries in the region and developed a demand-driven vocational course for youths of our State (especially with low literacy and low income groups). We are committed to empower the youths of our State by developing their employable skills through such demand driven vocational courses as per the skilled manpower requirements of the local industry. Along with Uttarakhand Open University we launched a programme called **"Certificate Course In Technical Excellence"**. The course has two components-for the first two months students attend theoretical sessions of four hours each at our center and then work for next four months at Tata Motors and Ashok Leyland Pantnagar plant practically experiencing what they have learnt in the classroom.

The success of the course is such that in less than two years more than 600 students have benefitted from the course and this lead to the development of another two and a half year Advanced Course so that these students while continuing their workplace exposure also get academically qualified to the Diploma level.

The curriculum has been designed in consultation with the industry to imbibe students with knowledge and skills required to handle contemporary manufacturing processes. Also, during on-the-job training the students are paid stipend ranging from Rs. 3500/ month to Rs. 6,500/month by Industry Partner. That apart, some Industry Partner also provides them with transportation, and other facilities. The idea is to reach out and help students from the interiors of the State who wish to complete the course without any financial burden.

This initiative in a young State like Uttarakhand, will certainly help poor and even disenchanted youths get meaningfully employed and will also help in their social and economical upliftment. We are sure this will lead to an equitable economic development of our State.We have now also started a program for the students after Class 12 where classes will be in campus and this program is a fully residential program with student fee contribution as low as Rs 5400.00 and after two months he earns Rs 5750.00

We are already seeing phenomenal response towards this programme both from the students, industries as well as from industrial bodies like FICCI, CII & other government bodies.

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं टाटा मोटर्स की संयुक्त पहल
(सर्टिफिकेट एवं रोजगार)

पाठ्यक्रम की विशेषताऐं-

प्रथम दो माह (प्रशिक्षण (उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सर्टिफिकेट)
अभ्यर्थी को प्रशिक्षण के दौरान आवास एवं भोजन की सुविधा।

दो माह प्रशिक्षण के उपरान्त –टाटा मोटर्स पन्तनगर में रोजगार

दो माह पश्चात– प्रथम वर्ष 5750 रू0 प्रति माह का मानदेय।
द्वितीय वर्ष 7000रू0 प्रति माह का मानदेय।

चयन प्रक्रियॉ :–

- पंजीकरण तथा टाटा मोटर्स में साक्षात्कार तथा चिकित्सीय जॉच।
- चयनित को तत्पश्चात् उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दो माह का सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण ।
- दो माह पश्चात् टाटा मोटर्स में प्रशिक्षु के रुप में दो वर्ष तक नियुक्ति।

प्रशिक्षण के लिये आवश्यक योग्यताऐं :–

- युवक/युवतीयॉ उत्तराखण्ड के स्थायी निवासी होने चाहिये।
- युवक/युवतीयों की आयु 18 से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिये।
- युवक/युवतीयॉ किसी भी विषय के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण होने चाहिये।

सर्टिफिकेट कोर्स इन टैक्निकल एक्सीलैन्स
अवधि – छह माह

विशेषताएं:–

- सिडकुल के प्रमुख उद्योगों में कार्य-प्रशिक्षण का अवसर। जैसे:– TATA MOTORS, ASHOK LEYLAND, TVS etc.
- प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम रू. 3500 प्रति माह का मानदेय व अन्य सुविधाएं

आधुनिक मशीनों में कार्य – प्रशिक्षण

योग्यताएं:–
- न्यूनतम हाईस्कूल पास।
- उत्तराखण्ड का स्थाई प्रमाण-पत्र।
- उम्र 18-25 वर्ष।

रजिस्ट्रेशन के लिये सम्पर्क करें।
पता – सेन्टर ऑफ टेक्निकल ऐक्सीलेन्स
कालाढुंगी रोड, नियर ,अब्दुल्ला पेट्रोल पम्प (हल्द्वानी)
मो0 न0–8899634129 / 9760499468 / 9639827777 / 9528503540 / 9927340622 / 9837775063

1. विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर हिमवत्स स्मारिका का विमोचन करते अतिथि 2. साईस रिसोर्स सेण्टर का अवलोकन मोहन चन्द्र रस्यारा, डा0 प्रेम बिष्ट, समिर, अनुपम, डा0 गोबिन्द बिष्ट 3-5. USA में डा0 एच डी0 बिष्ट द्वारा प्रचार प्रसार वार्ताऐं 3. ए0 एफ0 ई0 की बैठक में 4. मेराथन धावको में 5. एस0 एस0 एफ0 की सदस्याओं के साथ बैठक 6. डा0 के0 के0 पाण्डेय द्वारा निरीक्षक के समय प्रधानाचार्य के साथ एस0 एस0 एफ0 रीना गोयल।

Uttarayan Prakashan, Haldwani Ph.- 221125